



भारत का राजस्मान

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २६] नई दिल्ली, शनिवार, जून २८, १९८० (आषाढ़ ७, १९०२)

No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 28, 1980 (ASADHA 7, 1902)

इस भाग में अलग संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक ३१ मई १९८०

सं० ए० १२०१९/१/८०-प्रशा०-II—इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुसन्धान सहायकों (हिन्दी) को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा १-६-१९८० से ३१-८-१९८० तक की अधिकारी के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तत्वर्थ आधार पर स्थानापन्न स्पष्ट से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

१ श्रीमती सुधा भार्गव

२ श्री चन्द किरण

३ श्री ज० एन० एम० न्यागी

एम० यानवन्दन

अवर सचिव

कृति सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मनालय

कार्य एव प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक ५ जून १९८०

म० डी०-५३/६८-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो अपने प्रमाद में श्री डॉ बागची, पुलिस उप-अधीक्षक का राष्ट्रीय वस्त्र निगम (मध्य पद्धें) लि० में प्रतिनियुक्ति पर प्रबन्धक (सतर्कता) के पद पर कार्य भार ग्रहण करने हतु दिनांक १५-४-८० के पूर्वाह्न में कार्यभार मुक्त करते हैं।

दिनांक ६ जून १९८०

म० डी०-५६/६५-प्रशा०-५—नियर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री डॉ आर० नानागाव, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो दिनांक ३०-४-१९८० के प्रशास्त्र में सेवा निवृत्त हो गये हैं।

म० एम०-५२/६५-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री एम० एम० नरेन्द्र नाथ, पुलिस उप-अधीक्षक,

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को भारतीय पर्यटन विकास विभाग में प्रति-नियुक्ति पर सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने हेतु दिनांक 31-5-80 के अपराह्न में कार्यभार में मुक्त करते हैं।

की० ना० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्थान)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 जून 1980

सं० डी० एफ०-19/78-स्थापना:—निम्नलिखित उप-पुलिस अधीक्षकों/काम्पनी कमांडरों, के० रि० पु० बल (जोकि इस समय आई० टी० बी० पी० में प्रतिनियुक्ति पर है) के आई० टी० बी० पी० में 25-9-78 के स्थाई विलयन व पक्का होने के फलस्वरूप के० रि० पु० बल की नफरी से निकाल दिये हैं:—

1. श्री डी० के० शर्मा
2. श्री एन० थगयन
3. श्री गम० आर० काण्यप
4. श्री ओमपाल मिह

दिनांक 6 जून 1980

सं० पी० सात 2/76-स्थापना:—श्री मोहन छन्दवानी ने उनके कार्यालय अधीक्षक के पद पर परावर्तित होने के फलस्वरूप, अनुभाग अधिकारी का कार्यभार 30-10-1979 (ग्रपराह्न) को त्याग दिया।

सं० डी० एफ०-18/79-स्थापना:—श्री भंवर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, के० रि० पु० बल की सेवायें उनके मिजोरम पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप, मिजोरम सरकार को 9-5-1980 (पूर्वाह्न) से निवृत्ति की जाती है।

सं० ग्रो० नो-1459/80-स्थापना:—श्री ज्ञान चन्द गर्मा जो कि तत्काल स्वयं में अनुभाग अधिकारी के पद पर दिनांक 7-1-80 से 16-3-80 तक पदोन्नति किये गये थे, वह श्री गजे सिंह के छठी से वापिस आने पर, दिनांक 17-3-80 (पूर्वाह्न) से कार्यालय अधीक्षक के पद पर परावर्तित हो जायेगे।

के० आर० के० प्रसाद
महायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मई 1980

सं० 11/29/78 प्रशा०-I:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, कृषि और सहायक विभाग (सांचिकी मूल्यांकन) में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत श्री मोहर सिंह को तारीख 25 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, सीधी भर्ती द्वारा, अस्थाई

धमता में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर महर्य नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/32/79-प्रशा० I:—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पूर्व कार्यरत श्री एल० के० प्रसाद को नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्य नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. यह अधिसूचना तारीख 18 जनवरी, 1980 के अधिसूचना सं० 10/32/79-प्रशा०- का अधिक्रमण करते हुए जारी किया जा रहा है।

सं० 10/41/79-प्रशा०-I:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, समाज कल्याण मंत्रालय में अनुसन्धान अधिकारी और वर्तमान में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी के पद पर कार्यरत डा० के० पी० द्वामन को तारीख 25 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर, अस्थाई धमता में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में विशेष सेवा अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर महर्य नियुक्त करते हैं।

3. द्वामन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/4/80-प्रशा०-I:—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कन्सौल आपरेटर के पद पर कार्यरत श्री सत्य प्रकाश को उसी कार्यालय में तारीख 22 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाये, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर महर्य नियुक्त करते हैं।

2. श्री सत्य प्रकाश का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री सत्य प्रकाश को सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जायेगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को मक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बनाये रख किया जा सकता है।

पी० पदमनाभ
भारत के महापंजीकार

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 4 जून 1980

सं० 15011/3/78-स्थापना:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर शारीरिक स्वयं से अपेंगों के लिये व्याव-

साधिक पुनर्वासि केन्द्र (श्रम मन्त्रालय) में पहले कार्यरत मनोवैज्ञानिक श्री अभिजित गंगोपाध्याय को स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैंदराबाद में व्यावक्षणिक विज्ञान में रीडर (वर्ग ख राजपत्रित) के पद पर 840-40-100-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान तथा केन्द्रीय सरकार के नियमधीन मान्य भर्तों के साथ दिनांक 27-5-80 पूर्वाह्न में अस्पाई रूप से तथा अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० राय
निदेशक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होमगाबाद, दिनांक 3 जून 1980

स० डी० पी०-३/2475:—इस कार्यालय के अधिभूतना क्रमांक पी० डी० ३/१०७१ दिनांक 30-4-1980 के अगे श्री एस० के० आनन्द, महायक कार्य प्रबन्धक की स्थानापन अवधि श्री ज्वाय पीटर महायक कार्य प्रबन्धक के अवकाश स्थित स्थान पर 14-6-80 तक बढ़ाई जाती है।

ए० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवन्तपुरम, दिनांक 2 जून 1980

स० स्थाना/ए/७/९-८६/खण्ड 2/41:—इस कार्यालय के नीचे बताये स्थाई अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक लेखाधिकारियों के रूप में स्थानापन होने हेतु नियुक्त करने के लिये महालेखाकार केरल सन्तुष्ट हुए हैं।

- | | |
|--|-------------|
| 1. श्री बी० के० कृष्णन नंधुतिरी (प्रोफेर्मा) | 28-5-80 |
| | (अपराह्न) |
| 2. श्री एन० बी० रामकृष्ण अस्यर | 28-5-80 |
| | (अपराह्न) |
| 3. श्री जी० लक्ष्मणन | 30-5-80 |
| | एन० पी० हरन |

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 30 मई 1980

म० प्रशासन-१/पी० एफ० बी० पी० डी०/७९:—इस कार्यालय के स्थाई लेखा अधिकारी श्री बी० पी० डाबर, का नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन मर्यादित की सेवाओं में उप वित्तीय मैनेजर के रूप में दिनांक 1 मई, 1979 से स्थाई संविलयन हो जाने के परिणाम स्वरूप वे जामकीय भेवा में दिनांक 30-4-79 ग्राहक भेवा नियुक्त हुए हैं। उन्हें भेवा नियुक्त के

लाभ तथा अन्य मुविद्यावे नियंत्रक महालेखा परीक्षक के पक्ष दिनांक 971-जी० ई०-११/११४-७९ दिनांक 23-4-1980 के साथ प्राप्त विवरण में निहित भर्तों और अनुबन्धों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

ध्रुवचरण साहू,
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

रक्षा मन्त्रालय

डी० पी० आ० एफ० मुख्यालय मिविल भेवा,
आर्डेनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 3 जून 1980

संख्या 9/80/ए/ई-१(एन०जी०)/८०—डी०जी०ओ०एफ० महोदय, निम्नलिखित अधीक्षकों (सहायकों) से प्रोत्त्वन, की महायक स्टाफ अफसरों (वर्ग 'ख' राजपत्रित) के रूप में स्थानापन रूप में तदव्य ग्राधार पर प्रत्येक के मामने दर्शायी गई अवधि के लिये नियुक्ति की कार्योत्तर मंजूरी देते हैं:—

क्रम सं०	नाम	सं	तक
1	2	3	4
(1)	श्री समरेन्द्र नाथ मिश्र, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-7-72
(2)	श्री विश्वनाथ चटर्जी, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-4-69
(3)	श्री शम्भू नाथ सिन्हा, (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	5-10-69
(4)	श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	9-1-75
(5)	श्री धर्म चन्द्र वर्मा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	21-10-69
(6)	श्री धीरेन्द्र प्रसाद श्रीबालवा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	15-6-70
(7)	श्री अली हसन (अवकाश प्राप्त/दिवांगत)	1-3-68	4-12-70
(8)	श्री के० ए० बी० लिपाम (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	14-5-73
(9)	श्री मनोरंजन भट्टाचार्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-1-70
(10)	श्री गोविंद अनंद भट्टाचार्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77
(11)	श्री मनमोहन लाल नन्दा (दिवांगत)	1-3-68	9-1-75
(12)	श्री प्रमुल्य कुमार घोष नौधुरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-9-71
(13)	श्री रवीन्द्र नाथ बोध (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	24-3-71

1	2	3	4	1	2	3	4
(14)	श्री प्रकाश चन्द्र दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	22-11-68	(37)	श्री काली पद मुखर्जी (दिवंगत)	1-3-68	2-5-77
(15)	श्री हर पद चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	29-4-75	(38)	श्री एस० शिवरामकरन (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-1-76
(16)	श्री हरि भूषण धोप	1-3-68	30-1-72	(39)	श्री नारायण दास चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77
(17)	श्री प्रकुलनाथ मन्थाल (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	19-4-73	(40)	श्री सुबोध चन्द्र चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-73
(18)	श्री तीर्थ प्रसाद बागजी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	6-2-72	(41)	श्री गुरु प्रभाद मजुमदार (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-11-75
(19)	श्री कनाई लाल मुखर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	3-1-72	(42)	श्री अनिल कुमार दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-11-74
(20)	श्री हरिपद चटर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	2-7-72	(43)	श्री भवानी प्रसाद दत्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-1-73
(21)	श्री मनीन्द्र नाथ मोहन्ना (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	9-5-70	(44)	श्री नतिनी मोहन चटर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-78	27-5-77
(22)	श्री सिला नन्द अद्यतारी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-74	(45)	श्री सुबोध कुमार मित्रा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-10-73
(23)	श्री पुलिन बिहारी धोप	1-3-68	4-10-72	(46)	श्री सुधीर चन्द्र बोस (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-7-68
(24)	श्री सत्यश्वेत नाग (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(47)	श्री नित पावन जाना (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-74
(25)	श्री गोपाल चन्द्र दास गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	19-4-73	(48)	श्री विमपुलेन्द्र नाथ मित्रा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77
(26)	श्री तिमिर रंजन दसा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	6-5-73	(49)	श्री व्योमकेश मानिक	1-3-68	27-5-77
(27)	श्री अमिय रंजन बोस	1-3-68	27-5-77	(50)	श्रीमनी अव्रपी मजुमदार (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	26-12-72
(28)	श्री निर्मल चन्द्र सेन गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	4-11-73	(51)	श्री जीवन कृष्ण बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	14-8-68	31-1-74
(29)	श्री भूपति भूषण विश्वास	1-3-68	5-12-73	(52)	श्री दिपूति लाल बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	14-8-68	31-7-69
(30)	श्री गान्ति कुमार बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(53)	श्री नरेन्द्र मोहन गांगुली (अवकाश प्राप्त/दिवंगत)	14-8-68	31-12-73
(31)	श्री राजेश्वर मित्रा (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-12-74	(54)	श्री रघुनाथ दास गुप्ता	14-8-68	27-5-77
(32)	श्री क्षिरोद लाल सेन गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-4-77	(55)	श्री शीतल सन्द मजुमदार (अवकाश प्राप्त)	14-8-68	31-7-73
(33)	श्री अमरेन्द्र नाथ चौधरी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(56)	श्री अनिलेश्वर मुखर्जी (अवकाश प्राप्त)	11-11-68	31-12-73
(34)	श्री प्रवाश कुमार मुखर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	30-6-74	(57)	श्री महिमा रंजन धोपाल (अवकाश प्राप्त)	10-12-68	31-12-76
(35)	श्री कृष्ण लाल देवनाथ (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	27-5-77	(58)	श्री वी० बकिटेश्वरन् (अवकाश प्राप्त/दिवंगत)	10-12-68	30-11-74
(36)	श्री गुरेश चन्द्र बनर्जी (अवकाश प्राप्त)	1-3-68	31-8-70	(59)	श्री वी० कैलाशन्	6-10-69	27-5-77
				(60)	श्री पार्वती कुमार गोप्त्वामी	6-10-68	27-5-77
				(61)	श्री आनन्दा मोहन धोप	6-10-69	29-2-76
					(अवकाश प्राप्त)		

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
(62)	श्री हेमतोष कुमार नाथ (अवकाश प्राप्त)	6-10-69	31-7-75	(89)	श्री कृष्ण मोहन (अवकाश प्राप्त)	1-1-74	27-5-77
(63)	श्री अनिमेण दाम गुप्ता (अवकाश प्राप्त)	2-12-69	27-7-77	(90)	श्री जीगेण चन्द राय (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	30-9-75
(64)	श्री निर्मल चन्द दाम	15-12-69	27-5-77	(91)	श्री जौगेण चन्द मैन (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	27-5-77
(65)	श्री राधारमण चटर्जी (अवकाश प्राप्त)	25-6-70	30-9-70	(92)	श्री मनोरंजन राय (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	31-8-74
(66)	श्री प्रशान्त कुमार मल्लिक	18-8-70	27-5-77	(93)	श्रीमती रानु राजगोपालन (अवकाश प्राप्त)	11-1-74	27-5-77
(67)	श्री मध्वन विहारी सरकार (दिवंगत)	25-9-70	12-8-74	(94)	श्री मुशील चन्द्र राय	28-2-74	27-5-77
(68)	श्री मोहिनी मोहन कार (अवकाश प्राप्त)	30-9-70	30-11-70	(95)	श्री एच० बी० मैन शर्मा (अवकाश प्राप्त)	20-8-74	27-5-77
(69)	श्री रंजीत कुमार दाम	14-12-70	27-5-77	(96)	श्रीमती बललता मंजूमदार (अवकाश प्राप्त)	20-8-74	27-5-77
(70)	श्री प्रभात चन्द नाथ (अवकाश प्राप्त)	1-4-71	30-6-76	(97)	श्री तुलसी चरण दास (अवकाश प्राप्त)	20-8-74	27-5-77
(71)	श्री गणेश लाल गाँगुली (अवकाश प्राप्त)	1-4-71	31-7-73	(98)	श्री मुशील कुमार दास	9-9-74	27-5-77
(72)	श्री विभूति भूषण गाँगुली	13-12-73	27-5-77	(99)	श्री मुनीन कुमार सेन गुप्ता	20-9-74	27-5-77
(73)	श्री कालिका प्रसाद मुकुल	13-12-73	27-5-77	(100)	श्री कालिदास गुहा (अवकाश प्राप्त)	10-10-74	27-5-77
(74)	श्री सन्तोष कुमार सेन (अवकाश प्राप्त)	13-12-73	27-5-77	(101)	श्री मारायण गंगोपाध्याय	7-8-74	27-10-74
(75)	श्री मानिक लाल गाँगुली (अवकाश प्राप्त)	13-12-73	27-5-77			2-12-74	27-5-77
(76)	श्री रामतारायण प्रसाद देव	13-12-73	27-5-77	(102)	श्रीमती जयेत्सना सेन (अवकाश प्राप्त)	2-12-74	27-5-77
(77)	श्री निर्मल्य भूषण चक्रवर्ती	13-12-73	27-5-77	(103)	श्री बलराम पाइन	2-1-75	27-5-77
(78)	श्री मशितान्शु प्रकाश गोस्वामी	13-12-73	27-5-77	(104)	श्री सुधीर चन्द दास (अवकाश प्राप्त)	2-1-75	27-5-77
(79)	श्री परिमल चन्द बोस (अवकाश प्राप्त)	13-12-73	31-8-75	(105)	श्री रवीन्द्र नाथ हाजरा (अवकाश प्राप्त)	2-1-75	31-8-76
(80)	श्री शिव चन्द मरकार (अवकाश प्राप्त)	14-12-73	27-5-77	(106)	श्री प्रिय गोपाल गोस्वामी	29-5-75	27-5-77
(81)	श्री विनय भूषण चौधरी	11-1-74	27-5-77	(107)	श्री अभिय कुमार बसु	29-5-75	27-5-77
(82)	श्री दिलीप कुमार मित्रा (2)	14-12-73	27-5-77	(108)	श्री एस० एन० विश्वास	13-6-75	26-1-76
(83)	श्री प्रमोद चन्द राय (अवकाश प्राप्त)	14-12-73	27-5-77	(109)	श्री अमल कुमार माहा	13-6-75	26-1-76
(84)	श्री वारीन्द्र नाथ घोष	14-12-73	27-5-77	(110)	श्री गिरिश कुमार चक्रवर्ती	1-9-75	27-5-77
(85)	श्री धीरेन्द्र नाथ माहा	14-12-73	27-5-77	(111)	श्री विष्व रंजन गुप्ता	13-6-75	31-7-75
(86)	श्री रमनी रंजन नाग (अवकाश प्राप्त) (दिवंगत)	14-12-73	31-1-77			2-8-75	27-5-77
(87)	श्री अधीर कुमार बोस (दिवंगत)	14-12-73	14-10-75	(112)	श्री लक्ष्मी नारायण सामन्त	5-7-75	29-9-75
(88)	श्री अजित कुमार देव (अवकाश प्राप्त)	14-12-73	31-10-75			4-11-75	27-5-77
				(113)	श्री सुधीर कुमार दत्ता (अवकाश प्राप्त)	5-7-75	27-5-77
				(114)	श्री दिलीप सेन	4-11-75	27-5-77

2 उपरोक्त नियुक्तियों से होने वाला वित्तीय प्रभाव रक्षा मंत्रालय के पत्र मंद्या पी० मी० 11/9(30)/68/IV त्रि (फैसली), दिनांक 16-12-75 द्वारा मंजोरित उनके

पत्र संख्या पी० सी० II 9(30)/68/डी० (फैक्टरी),
दिनांक 27-9-75 के अनुसार दिनांक 1-1-1973 से देय
होगा।

3. इस महानिदेशालय की गजट अधिसूचना संख्या 13/76/जी०, दिनांक 13-2-1976 को जो गजट अधिसूचनाओं में संख्या 51/76/जी०, दिनांक 19-7-76, 15/76/जी०, दिनांक 13-2-1976, 27/76/जी०, दिनांक 17-4-1976, जी०, 48/76/जी०, दिनांक 14-7-1976 तथा 49/76/जी०, दिनांक 14-7-76 के द्वारा संशोधित की जा चुकी है, तदनुसार संशोधित मानी जाए।

डी० पी० चक्रवर्ती
महायक महानिदेशक, आडेनेन्स फैक्ट्रीया

बाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय
बाणिज्य विभाग

मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 31 मई, 1980
आयात तथा नियंत्रित व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/1332/80-प्रशासन (रजि०) 3444—राष्ट्रपति, श्री के० प्रकाश आनन्द, जो पहले बाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (बाणिज्य विभाग), नई दिल्ली में संयुक्त सचिव थे, अगला आदेश होने तक, उन्हें 12 मई, 1980 के पूर्वीकृति से मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित के कार्यालय में नियंत्रित आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

मणि नारायण स्वामी
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून, 1980

सं० 6/1247/78-प्रशासन (रजि०) 3433—संवाद निवृत्ति की आयु होने पर, श्रेणी 2 के स्थानापन्थ नियंत्रक, श्री डी० पी० ओरकर ने 30 अप्रैल, 1980 के अपराह्न संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित, बम्बई के कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० सी० भट्टाचार्य,
उप मुख्य नियंत्रक,
कूते मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय
वस्त्र-20, दिनांक 5 जून 1980

सं० 18(1) 77/सी० ए० वी० II—वस्त्र (शक्ति चानिना कर्मों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के

खण्ड II में रद्दत शक्तियों का प्रयोग करते हुए में, एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० ए० वी० II/वी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अनिवार्यता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम सं० 9 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रविष्टियां प्रति स्थापित की जायेंगी, अर्थात्:—

उद्योग और वाणिज्य के कर्नाटक	6, 6सी, 7ए,
अपर निदेशक तथा आधिकारिक सहकारी समितियों के पदेन अपर पंजीयक, नंगलूर।	8 और 8 ए,

सं० सी० ए० वी० 1/6-जी०/80—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं, एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ए० वी० 1/1/6-जी०/71, दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 9 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेंगी, अर्थात्:—

(1) उद्योग एवं वाणिज्य कर्नाटक

के अपर निदेशक और	12(6), 12(6ए)
आधिकारिक सहकारी	12(7ए), 12(7एए)
समितियों के पदेन	12सी और 12 ई
अपर पंजीयक बंगलूर	

(2) कर्नाटक के खाल्क कर्नाटक

एवं नागरी पूर्ति	12(7ए) और 12(7ए)
निदेशक, बंगलूर	

सं० वा० चेंबुरकर,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उधोग मंत्रालय

(आधिकारिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उधोग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून, 1980

सं० 12(56)/61-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी०, औद्योगिक विकास विभाग के आदेश संख्या 16-3-76-मतर्कता, दिनांक 14 नवम्बर, 1979 के अनुसार लघु उधोग विकास मण्डल में उर्जा निदेशक (आधिकारिक प्रबंध व प्रशिक्षण) नौनिहाल मिश्न को दिनांक 14 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न में सरकारी सेवा में बर्खास्त करने हैं।

महेन्द्र पाल गुरुत,
उपनिदेशक (प्रशा०)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

(खानविभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 मई 1980

सं० 4316वी/ए-32013(ए० श्र०)/78-80/19प०—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री पी० बी० समदार
को प्रशासनिक अधिकारी वे स्प मे उसी विभाग मे वेतन
नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-10-1200 रु० के वेतनमान मे, अस्थाई
क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक 29-4-1980 के
पूर्वान्त मे पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 6 जून 1980

सं० 4345 बी/ए-19012(आटिस्ट-आई० बी० बी०)
80/ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (डी०श्र०)
श्री इन्दु भूषण बनर्जी को आटिस्ट के स्प मे उसी विभाग मे
वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान मे
स्थानापन्न क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक 1-5-80 के
पूर्वान्त मे पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 4362 बी/ए-32013(4-डिलर०) 78-19बी-भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ नक्सीकी सहायक (डिलिंग)
श्री एम० भी० गाँगी को डिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०
रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० मे वेतनमान मे,
स्थानापन्न क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक 31 मार्च,
1980 के पूर्वान्त मे पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० ए० ए० खण्डम्बासी
महानिदेशक।

भारतीय खान व्यवस्था

नागपुर, दिनांक 5 जून 1980

सं० ए०-19011/64-70-स्था० ए०—विभागिं पदोन्नति
ममिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री आर० जी० श्रवणबाल,
उप अध्यक्ष प्रमाधन अधिकारी को दिनांक 5-5-1980 के
अस्थाई से भारतीय खान व्यूरो मे स्थानापन्न स्वस्प अस्थाई
प्रमाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/63/70-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति
ममिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एन० ए० गुब्रामनियन,
उप अध्यक्ष प्रमाधन अधिकारी को दिनांक 13-5-1980 के
पूर्वान्त मे भारतीय खान व्यूरो मे स्थानापन्न स्वस्प अस्थाई
प्रमाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/210/77-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री अमानउल्ला, महायक
प्रमाधन अधिकारी को दिनांक 6-5-1980 के पूर्वान्त मे भारतीय
खान व्यूरो मे उप अध्यक्ष प्रमाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष
नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/111/7-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री पी० एन० देवं महायक
प्रमाधन अधिकारी को दिनांक 6-5-1980 के पूर्वान्त मे भारतीय
खान व्यूरो मे उपअध्यक्ष प्रमाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष
नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/277/80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री बी० मंजीवा राव,
महायक प्रमाधन अधिकारी को दिनांक 7-5-1980 के पूर्वान्त
मे भारतीय खान व्यूरो मे उप अध्यक्ष प्रमाधन अधिकारी के
पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 जून 1980

सं० ए०-19012/98/77-स्था० ए०—संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री ए० बी० गावधेनी,
महायक अनुसंधान अधिकारी (अस्थाई प्रमाधन) को दिनांक
13-5-1980 के अस्थाई से भारतीय खान व्यूरो मे महायक
प्रमाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

नागपुर, दिनांक 7 जून 1980

सं० ए०-19011/119/76-स्था० ए० खण्ड-IV—वेस्ट
कोल फील्ड्स लिमिटेड, नागपुर मे उप अधीक्षक भूवैज्ञानी के
पद पर समाप्ति जाने पर श्री के० पी० मिहु का भारतीय
खान व्यूरो मे कनिष्ठ खफ्फ भूवैज्ञानी वे पद दा हूँ। दिनांक 31
जनवरी 1979 अस्थाई से समाप्त किया जाना है।

एस० डी० शली
कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान व्यूरो

सूचना और प्रमाण भवालय

विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली- दिनांक 5 जून 1980

सं० ए० 20012/81/70-प्र० (ए०)—विज्ञापन और
दृष्टि प्रचार निदेशक, श्री ए० सी० बरवातके को जो इस
निदेशालय मे स्थायी प्रदर्शनी सहायक वे पद पर हैं अहमदाबाद
स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय (परिवार कल्याण) मे 3-5-80
पूर्वान्त मे नवर्यं आधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्ति
करते हैं।

जनक राज लिखी
उप निदेशक प्रणाली
कृते विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1980

सं० के० 12026/29/79-एम० जे० ए० (प्रणाली-I)
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी हीना मेहता को 12
मई, 1980 पूर्वान्त मे आगामी आदेशों तक सफदरजग अस्थाई

नई दिल्ली में आंतर्राष्ट्रीय डायरेटोरियम के पद पर तदर्थी आधार पर नियुक्त किया गया है।

जामीलाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय

(गृषि और महाकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1980

सं०-॥३-८६-स्था०—श्री पी० बी० दत्त, कलाकार (वरिष्ठ) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, (कृषि और महाकारिता विभाग) में स्थानापन्थ मुख्य कलाकार, ममूह 'बी' (राजवर्ष) (अलिपिक वर्गीय) के पद पर रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु. वेतनमान से तदर्थी रूप में 21-1980 से 21-6-1980 तक श्री ईश्वर चन्द्र, मुख्य कलाकार के छुट्टी पर चले जाने की जगह पदोन्नत किया गया।

बद्रीमाथ अड्डा,
निदेशक: ब्रजेश्वर

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

करीशबाद, दिनांक 5 जून 1980

सं० ए०-१९०२३/४६/८८-प्र० त०—इस निदेशालय में अनुग्रा में उ० वरिष्ठ विभाग अधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नत होने के फलवत्ता श्री राजेश आजाद ने दिनांक 23-5-80 रु. प्रारंभ में करीशबाद में विषयन अधिकारी का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० १९०२३/६४/८८-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति (कार्य "ब") की संस्तुतियों के आधार पर श्री एस० बी० कृष्णामूर्ती जो तदर्थी आधार पर विषयन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में कार्य कर रहे थे, दिनांक 24-5-80 से आगले आदेश होने तक नियमित आधार पर मद्रास में स्थानापन्थ विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

बी० ए८० मनीहार
प्रशासन निदेशक,
कृति कृषि विषयन मलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 जून 1980

सं० प० ख प्र-८(१)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री पी० आधव राष्ट्र को

उसी प्रभाग में श्री एस० आर० गुरुस्यग, भुग्धा प्राधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 22-5-1980 के पूर्वान्तर से लेकर 30-6-1980 अपराह्न तक पूर्णतया अस्थायी तौर पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 जून 1980

सं० प० ख प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन खनन, श्री जे० जी० सोलाकी को उसी प्रभाग में 4 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन), श्री ई० य० खान प्पो उस प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के तकनीकी सहायक 'सी' (भूठेवन), श्री ए८० ए८० यर्मा को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के वैज्ञानिक महायक (सी० मैसैटिकी), श्री ई० य० भट्टाचार्य को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के वैज्ञानिक सहायक 'सी०', श्री आई० ए० शेख को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन), श्री ए८० ए८० यर्मा को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-४(२)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन), श्री बी० ए८० चौबे को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वान्तर से लेकर अगले आदेश होने

तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के तकनीकी सहायक 'सी' (भूछेवन) श्री ए० आर० खान को उसी प्रभाग में 1 फरवरी 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के तकनीकी सहायक 'सी' (भूछेवन) श्री ए० पिटर को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के (पूर्वाह्न) से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र-4(2)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा प्रभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के फोरमैन (खनन) श्री एन० जी० मुखर्जी को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जून 1980

सं० प० ख० प्र-1/23/80-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक श्री रामकान्त पुरोहित को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० 'बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनांक 22 अप्रैल 1980

सं० 10/5(37)/79-सि० ई० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नामों के आगे दिये गये पदों पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद तथा ग्रेड जिससे पद तथा ग्रेड, जिस पदोन्नति हुई पर पदोन्नति हुई
1.	श्री ए० जी० शुभेना	फोरमैन (विद्युत) इंजीनियर "एस० बी०"
2.	श्री एस० बी० यादव	प्रारूपकार ई० इंजीनियर "एस० (विद्युत) बी०"

आर० एस० सुनामण्यम
प्रशासनिक अधिकारी-1

बंगलौर-560025, दिनांक 5 मई 1980

सं० 10/5(6)/80- सि० ई० प्र० (एच०)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग थम्बा, तिवेंड्रम के प्रारूपकार-ई० श्री एन० के० वारियर की इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 1 अप्रैल 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं।

एस० बी० आर० पाण्डित
प्रशासन अधिकारी-1

पर्यटन एवं नागर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

दिल्ली-3, दिनांक 4 मई 1980

सं० स्था० (1) 00830/एस० एफ० एस०-244— ग्राम्यपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री सी० बी० बी० एस० राव, मौसम विज्ञानी श्रेणी, II की 29-12-79 से मौसम विज्ञानी श्रेणी 1 के पद पर, जबकि वह केन्द्रीय भू० जल मंडल में प्रति नियुक्त थे, प्रपत्र पदोन्नति को अनुमोदित करते हैं।

एस० के० दास

मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक
कूट मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विभाग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1980

सं० ए० 32014/4/79 : महानिदेशक नागर विभाग में निम्नलिखित विभागक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थे नियुक्ति की उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छः माह की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर जाने तक, इनमें जो भी पहले हों, जारी रखने की स्वीकृति दे दी है:—

क्रम सं०	नाम	तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एस० रावत	17-5-1980	बाराणसी
2.	श्री एन० सी० एदबोर	14-5-1980	जामनगर
3.	श्री एस० सी० जसअल	21-5-1980	नागपुर
4.	श्री औं० के० जैन	14-5-1980	अहमदाबाद
5.	श्री आर० सम्पत	25-5-1980	मद्रास
6.	श्री गुरुमख सिंह	14-5-1980	भोपाल
7.	श्री स्थामल सेन गुप्ता	14-5-1980	डम डम
8.	श्री बी० बी० दास	14-5-1980	बाराणसी

दिनांक 6 जून 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० ए०—सफवरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली के श्री बी० जी० सिंधी, वरिष्ठ विभाग क्षेत्र अधिकारी, निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के कारण 31 मई, 1980 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

विश्व विनोद जोहरी,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 31 मई 1980

सं० ए० 32013/9/73-ई० 1—राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के अधिकारी विंग कमान्डर के० के० बाबू को, स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर दिनांक 31-3-1980 से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए नागर विभाग में विभाग में उड़ान परीक्षक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 38012/1/80-ई० 1—श्री एच० डी० हुण्ड्रप्रसाद ने मूल नियम 56(के) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्त होने पर दिनांक 31 दिसंबर, 1979 (प्रपराह्न) से अंतर्गत निवृत्ति, बम्बई के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

चितरंजन कुमार वर्स
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 7 जून 1980

सं० ए० 12025/2/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विभाग में वैमानिक संचार संगठन के श्री जी० कुमार को दिनांक 17-5-80 (प्रवाह्न) से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा अग्रिम आदेश तक निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 39012/4/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय के श्री आर० चन्द्रमोली, तकनीकी अधिकारी, का त्याग-पत्र दिनांक 5-4-1980 (प्रपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 32013/1/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, सफर्टवर्जन एयरपोर्ट, नई दिल्ली के श्री जे० एल० सूरी, सहायक तकनीकी अधिकारी को दिनांक 9-5-80 (प्रवाह्न) से नवर्ध आधार पर तकनीकी अधिकारी के प्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री एन० आर० एन० अवधार, तकनीकी अधिकारी के स्थान पर, जो हिन्दी प्रशिक्षण के लिए गए हैं, तैनात किया है।

आर० एन० वास
सहायक निदेशक प्रशासन

सीमा शुल्क स्थापना

मद्रास-1, विनांक 14 मई 1980

सं० 1/80—श्री डी० पी० मन्जुनाता को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 7-5-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थाई रूप से सीमा शुल्क घर में सीधी भर्ती आफीसर विशेषज्ञ नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाईन काल में रहेंगे।

ए० सी० सलवाना
सीमा शुल्क समाहर्ता

निर्माण भवानिषेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, विनांक 30 मई 1980

सं० 1/112/69-ई० सी० 89—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नागरिक श्री ओ० पी० गुप्ता को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रूपये 700-40-900-द० रु०-40-1100 50-1300 (सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में रूपये 700/- प्रतिमास वेतन पर सामान्य नियम एवं शर्तों पर 7-5-80 (पूर्वाह्न) से उप वास्तुविद् के अस्थायी पद पर केन्द्रीय सिविल सेवा प्रू 'ए' दिनांक 7-5-80 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. उन्हें इस विभाग में सम्मिलित होने की सिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परीविका पर रखा जाता है।

के० ए० अनंथानारायण नू०
प्रशासन उपनिषेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

हैदराबाद, विनांक 29 मई 1980

"कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560(4) के अधीन सूचना" कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और

ई० वीरह्या एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राइवेट लिमिटेड (समापनाधीन),

सं० 534/समापन—यतः ई० वीरह्या एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राइवेट लिमिटेड (समापनाधीन), जिसका पंजीकृत कार्यालय, चिलमालूरपेट, जिला गुंटूर (आन्ध्र प्रदेश) है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अप्रोहस्ताक्षरी, यह विषयास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कम्पनी के कामकाज का पूर्ण रूप से समापन कर दिया गया है और यह कि—"स्टेटमेंट फ्राफ अकाउंट", जो समापन द्वारा दिए जाने के लिए अधोगित है उक्त मास के लिए नहीं दिया गया है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560(4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के समय तक "ई० वीरह्या एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राइवेट लिमिटेड" का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हैदराबाद, दिनांक 29 मई 1980

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560(4) के प्रविन सूचना¹
कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

यूनाइटेड मंसट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड (समापना-
धीन)

सं० 672/समापन—यतः यूनाइटेड इंस्ट्रूमेंट कम्पनी
लिमिटेड (समापनाधीन) जिसका पंजीकृत कार्यालय जुनलीपुरा,
खामोश है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अबोहस्ताक्षरी, यह विश्वास करने का युक्तियुक्त
हेतुक रखता है कि कम्पनी के कामकाज का पूर्ण रूप से समापन
कर दिया गया है और यह कि—‘सटेटमेंट आफ अकाउंट’ जो
समापन घारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, छः क्रमवर्ती मास के
लिए नहीं दिया गया है।

यतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की
उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद्वारा सूचित
किया जाता है कि इस सूचना कि तारीख के तीन मास के
समय तक ‘यूनाइटेड मंसट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड’ का नाम यदि
इसमें पत्रिकूल हेतु दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर
से काट दिया जाएगा और कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

बी० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
आनंद प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स एम० सी० महेता
एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, विनांक 28 मार्च 1980

सं० 7789/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स
एम० सो० महेता एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा
और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम 1956 और खासबद्धमलपुर कोलियरी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 4 जून 1980

सं० 23029/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि खासकमलपुर कोलियरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम

आज से रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
में विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोनमविया ग्राफोफोन कं.
इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 14345/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि कलमविया ग्राफोफोन कं. अफ इंडिया
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और तरुण इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 4 जून 1980

सं० 23390/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि तरुण इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज
रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो
गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री प्रकाश प्राइवेट लिमिटेड के
विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 24255/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि श्री प्रकाश प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज
रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो
गई है।

एन० आर० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और एशियन कारपोरेशन प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 4 जून 1980

सं० 19747/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दो जाती हैं नियोजित काटद्वारा लिमिटेड का नाम
ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित
हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भारत प्रोपर्टीज एण्ड फारमस
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 12355/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा
सूचना दी जाती है कि भारत प्रापर्टीज एण्ड फारमस लिमिटेड
का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जी० कुमार प्राइवेट लिमिटेड के
विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 4 जून 1980

सं० 20896/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना
दी जाती है कि जी० कुमार प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज से
रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ए० सी० चौधरी छड़बयार
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1980

सं० 19403/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना

दो जाती है कि ए० सी० चौधरी छड़बयार प्राइवेट लिमिटेड
ने ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विषटित हो गई है।

ए० आर० सरकार
रजिस्ट्रार सहायक

कम्पनी अधिनियम 1956 और आलका इलेक्ट्रोकल प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 5 जून 1980

सं० ए० ओ० 775/790-(2) 50-775---कम्पनी
अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण
में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवधान पर आलका इलेक्ट्रोकल प्राइवेट लिमिटेड का नाम,
इसके प्रतिरूप कारण दर्शित न किया जाय तो रजिस्टर से काट
दिया जाय और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956, और भारत इंजीनियरी एण्ड
इक्स्प्रेस्ट्रेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 5 जून 1980

सं० ए० ओ० 837/792(2)---कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 को उपधारा 3, के अनुसरण में एतद-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवधान पर भारत इंजीनियरी एण्ड मशीनरी इक्स्प्रेस्ट्रेट
प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिरूप कारण दर्शित
न किया जाय तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त
कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

डॉ० कौ० पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओडिशा,
कटक

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, एरणाकुलम

कोट्टीन, दिनांक 12 मई, 1980

निदेश सं० एल० सी० 411/80-81—यतः मुझे टी०
जे० मणि,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोजिकोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-७-1979
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिनु निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण विभिन्न
में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आव की बादत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
धौर/या

(ख) ऐसे किसी आव या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हे भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवर्तः:—

1. (1) श्री बालकृष्णन नायर

(2) शारदा अम्मा

(अन्तरक)

2. (1) श्री पी० पी० प्रभिदू हाजी,

(2) फसलू

(प्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेय :—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रतिरक्षाभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिमावित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Property as mentioned in the Schedule attached to document
No. 1007/79

टो० जे० मणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, एरणाकुलम,

तारीख: 12 मई, 1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 31 मार्च, 1980

निवेश सं० एच० एस० आर०/14/79-80—ग्रतः मुझे
गो, सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक ग्रायकर आयुक्त अर्जन रेंज,
रोहतक

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 433/एक्स वी० पुरानी, अनाज
मन्डी, हिसार है, तथा जो हिसार में स्थित है (और इससे उपावड
अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण छड़ से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन घिनांक सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के
पन्द्रह प्रतिक्रिया में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपग्राहा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षातः:—

1. सर्वे श्री मंगल चन्द, फूल चन्द, राम कंवार पुत्रान
श्री मुसही लाल निवासी हिसार।
(अन्तरक)
2. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री भगवान दास अप्रबाल
433/एक्स वी०-4, पुरानी अनाज मन्डी, हिसार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस मूलता के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
मूलता को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस मूलता के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

विष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 433/एक्स वी०-4 पुरानी अनाज मन्डी,
हिसार में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2105 विनांक 6-9-79
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-3-1980

मौहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निदेश सं० बी० जी० आर०/30/79-80—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी प्लाट नं० 86, सैकटर 25, है तथा
जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत प्राप्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
दब पाया गया प्रतिकर्ता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
नुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स सम्मूनाथ केमिकल्स एण्ड अलाइड इन्डस्ट्रीज लि०
12 बी० मंजिल, हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस,
18-20 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दाम को पैकेजिंग (प्रा० लिमिटेड
111 मंजूषा 57, नेहरू पैलेस, न्यू देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी अक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी अक्षियत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी प्रथ्य अक्षियत द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी प्लाट नं० 86, सैकटर 25 फरीदाबाद में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के
कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक, 6110 दिनांक 29-11-79 में
दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-4-1980

मोहर :

प्रख्य आई १ टो० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन व्यवहा

भारत सरका

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल 1980

निदेश सं० डी० एल० आई०/१४/७९-८०—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 470 वर्ग गज का है तथा जो
पानीपत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वेहली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
से अधिक । और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्ननिवित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने वा उसमें वर्ता पर्यावरण के लिए;
अपैर/प्र।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, प्रयोग्यतः—

1. श्रीमती कम्बल अरोड़ा

प्रटल टी स्टेट, वार्जिलिंग, (प्रासाद)

(प्रत्यक्ष)

2. श्री श्रीतार सिंह चावला

जी-17, बसी नगर, देहसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-ए में परिवर्तित है, वही अर्थ
होता, जो उस अदादा में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 470 वर्ग गज का जो कि 17-प्रारंभ माझल
टाउन, पानीपत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता वेहली के कार्यालय में रजिस्ट्री अमांक 562, दिनांक
28-11-79 में अंकित है ।

गो० सि० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-4-1980

मोहरः

प्रस्तुत धार्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ० न रेज रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निदेश सं० आर० टी० के० 27/79-80—अतः मुझे गो०
गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अ० न रेज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ध के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट 342 वर्ग गज, का है, तथा जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में आर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट आधिकारी के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बजाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपेक्षियों, अर्द्धांतः :—

3-126 GI/80

1. श्रीमती भगवत्त पत्नी श्रीराम जी दाग
निवासी सनातन धर्म मन्दिर गुडगांव।

(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम चन्द्र पुत्र श्री आत्मराम
निवासी मकान नं० 3/141, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घण्य अवधि द्वारा अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट जोकि 342 वर्ग गज व डी० एल० एफ० कालोनी, में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ट रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3292 दिनांक 23-11-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
नक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अञ्जन रेज, रोहतक

दिनांक: 1-4-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13प्रैल 1980

निदेश सं० एम० पी० टी० 16/79-80—प्रत. मुद्रे गो०
सि० गोपाल, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

ओर जिसकी सं० कृषि भूमि 9 कनल 4 मरले गांव बारी है
तथा जो सोनीपत में स्थित है (ओर इसमें उपबद्ध अनुसूची में
ओर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वै कार्यालय
सोनीपत में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझ यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का फँक्ष्यु प्रतिशत प्रधिक
है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रगतरण लिखित में बास्तविक रूप से फँक्षित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए
वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

उत्तर: अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अपां० :—

1 राज्य क्षी रोजराम, श्रीप चन्द्र पुत्रान, थी नोरंग
गांव बारी, जिला सोनीपत।

(अन्तरक्ष)

2 मै० सागर चन्द्र गर्ग एण्ड सन्ज,
मार्फत: श्री सागर चन्द्र गर्ग पुत्र जवाहर लाल
सोनीपत।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयिया करता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की
तामील से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी
अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधीक्षित वादी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि 59 कनल 4 मरले, जोकि गांव आजी
जिला सोनीपत में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3938 दिनांक
7-11-79 में अंकित है।

गो० मि० गोपाल
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 1-4-1980

मोहर:

प्रकृपा दाई० टौ० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अप्रैल, 1980

निदेश सं० एस० पी०टी० /15/79-80—यतः मुझे गो० सि० गोपाल सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सभान प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ओर जिसकी सं० कैश्टरी बिल्डिंग न० ई-59 इन्डस्ट्रीयल, एस्ट्रिया, है तथा जो सोनीपत में स्थित है (ओर इसे उपावद अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फ्रेंड्रु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतररक्तों) और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमुखरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ओर/या;

(ख) दूसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अन्तर्न, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षीय:—

1. श्री देवी दयाल पुत्र गोपी राम पुत्र श्री शक्तर दास जाति अरोड़ा, निवासी मकान नं० 3, मालिका गंज, देहली ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्राटो लीफ (इन्डिया)

पार्टनर सजीव कुमार सरीन,

निवासी एम-5, इन्डस्ट्रीयल एस्ट्रिया, सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, लिए कायंवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्रेक्षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मध्यस्त एक फक्टरी बिल्डिंग जोकि संकटर ई-59 इन्डस्ट्रीयल एस्ट्रिया सोनीपत में स्थित है तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3881, दिनांक 5-11-79 में अंकित है।

गो० सि० गोपाल
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 1-4-1980

मालूम :

प्रलेप प्राईंटी टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल, 1980

निदेश सं० ए० एम० बी० /10/79-80—यतः मुझे गो०
मि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा 858 नं० सम्पत्ति का जो कि
ब्लाक नं 6 है तथा जो पट्टी जाटान, अम्बाला शहर से स्थित है
(और इसमें उपावन्ध अनुमूल्य में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक भित्त्वर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पल्क्कह प्रतिशत से अधिक है और अस्वरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चौथे रो उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण से दुई कसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा, (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1 श्री राजेन्द्र गोयल पुत्र श्री कस्तूर चन्द 93, सड़क नं० 3
सेन्ट्रल टाउन, जालन्धर शहर।

(अन्तरक)

2 मैसर्सं पंजू शाह पुरुष चन्द
अम्बाला शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्विधान करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अविकारों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अम्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रबोधकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

समाप्ति नं० 858ए का 1/3 हिस्सा जोकि ब्लाक नं० 6
पट्टी जाटान (अम्बाला शहर) में स्थित है तथा ज्यादा विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3133,
दिनांक 25-9-1979 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

गारीब 17-4-1980
गोपूर,

प्ररूप बाहू^१. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० एम० वी०/११/७९-८०—अतः मुझे गो०
मि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति 858ए. का 1/3 हिस्सा जो ब्लाक 6,
पट्टी जाटान है तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इसमें उपावध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीशन अधिकारी
के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मित्रवद, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीतु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की थाग 269-ग वी० नृथाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधृति:—

1. श्री मोहिन्द्र पाल पुत्र श्री कस्तूर चन्द,
पुरानी जेल रोड, फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. मैमर्स पन्जू शाह पूरन चन्द
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

सम्पत्ति 858एका 1/3 हिस्सा जो ब्लाक 6 पट्टी
जाटान, अम्बाला शहर में स्थित है तथा पूरा विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3263, दिनांक
27-9-1979 में किया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

नारीय: 17-1-1980

मोहू:

प्रकाप प्राईंटी० ई० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० एम० बी०/12/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति 858 एका 1/3 हिस्सा ब्लाक नं० 6 पट्टी जाटान है, तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अम्बाला शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूझदान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाभूत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बूझदान प्रतिफल में, ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रदृ किसी भाव या वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बौर/शा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के न्योजनावाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री धर्मेन्द्र गोयल पुनर्श्री कस्तुर अन्द गोयल
निवासी पुरानी जेल रोड, फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पंज शाह पूरन अन्द
अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में वर्णित है, वही अर्थ होता, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति नं० 858 ए का 1/3 हिस्सा जोकि ब्लाक नं० 6 पट्टी जाटान, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकरण अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3360 दिनांक 4-10-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक
तारीख : 17-4-1980
मोदूर :

प्रकल्प शार्ट० टी० एस० एस०—
वायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1980

निवेश सं० बी० जी० आर० /15/79-80:—अत— मुझे
गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- प० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 कनाल, 2 मरले हैं, तथा जो सराय खाजा,
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लवगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यन्त (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्राप्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावजू
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में करी बरने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी बन या घन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए गा, हिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
उन्नासण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) श्री कुण्ठ चन्द नन्दियोक पुत्र श्री रमेश चन्द
निवासी 7/21, दिग्ग्याग्न, दहला
- (2) श्री दिनेश चन्द्र पुत्र रमेश चन्द
- (3) श्रीमती गीता साहनी पत्नी श्री वैद प्रकाश
द्वारा श्री कुण्ठ चन्द
- (4) श्री राकेश चन्द चन्दियोक पुत्र श्रीमति दयावन्ती
- (5) श्रीमती सुनीता वेरी पत्नी श्री रविन्द्र कुमार
- (6) श्रीमति मुख्यपाल पत्नी श्री रवि कान्त
निवासी आर०-271, ग्रेटर कैलाण, न्यू दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री शाहबुद्दीन पुत्र श्री बाशुरहीन पुत्र श्री हाजी कुर्दी
निवासी 2609 चूरी बालान, देहली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान्य 200 के
परिभावित है, वही घर्ष होगा, जो इस प्रधान्य
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 कनाल 2 मरले जो कि सराय खाजा में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लवगढ़ के
कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4156, दिनांक 4-9-1979 में
दिया गया है।

गो० सि०

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 17-4-1980

मोहर :

प्रस्तुप आदृ० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 अप्रैल 1980

निवेदण सं० एस० आर० एस०/61/79-80अतः मुझे गो० मि० गोपाल, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि 104 कनाल है, तथा जो गांव कुलाकड़ (सिरसा) में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी उसके या उससे चर्चने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री भाग गिह पुत्र श्री मूर्या गिह पुत्र श्री बहादुर सिंह निवासी कुत्ता बड़तह० व जिला रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री बचितर सिंह निवासी कुत्ता बड़, तह० व जिला सिरसा।

(अन्तरिती)

को पहुंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 104 कनाल भूमि कि गांव कुत्ता बड़ तहसील सिरसा में स्थित है तथा ज्यदाद विवरण रजिस्ट्रीकर्ता मिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4194, दिनांक 30-10-79 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 22-4-80
मोहर :

प्रस्तुत आइंटी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन भूचाल

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोक्तक, दिनांक 3 मई 1980

निवेश मं० के० एन० एल०/27/79-80—यत् मुझे गो०
सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और जिसकी स०

मकान न० 726, माडल टाउन है, तथा जो करनाल में
स्थित है (आंग डम्प उपावद्ध अनुशूली में श्रौ० जो पूर्ण स्वप्न में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1979

को पूर्वांकित सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित न० गहर्ह है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल न०, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) गे उद्दीप्तीर्थनदाता, या दूसरे
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) गे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था तथा जिस जाता चाहिए था, छिपने में सहित
के लिए,

यत् अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्डाग (1)
के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

4-126GI/80

1 श्री गुरुनन मिह पुत्र श्री जीवन वास
मकान न० 726, माडल टाउन, करनाल ।

(अन्तरक)

2 श्री नानार मिह तुम पुत्र श्री भीम मिह तुमर,
मकान न० 77, नई पोलीग लाइन्स, मैक्टर 26,
चन्डीगढ़ ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी जाक्षण्ड —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी अधिक दिवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-
बद्ध छिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सपत्ति मकान न० 726 माडल टाउन करनाल तथा
जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय
गे रजिस्ट्री क्रमांक 3353, तिथि 1-9-1979 गे दिया गया
है।

गो० मि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
गहाना आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 3-5-1980

मोहर :

प्रकृत ग्राइंडी० टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरवार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्राम्पति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 मई, 1980

निवेश सं० जे०एन०डी०/१/७९-८०—यतः मुझे, गो० सि० गोपाला, निरीक्षी, सहायक प्रायकर आयुक्ता, अर्जन रेज, रोहतक प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० आठ दुकानें 1761 वर्ग गज जमीन के साथ हैं तथा जो पटियाला चौक, जीद में स्थित हैं (और इसमें उपाबन्ध ग्रनुसूची में और जो पूरी हृषि में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वका नियमित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उसमें बचते में मुद्यधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती साक्षी देवी, पन्नी स्वर्गीय, श्री प्यारे लाल, निवासी जीद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नरेंद्रिंग गुप्त श्री गम लाल, मुनार, जीद।

(2) श्री नवारम्भीश्वर मुपुत्र श्री भागल, अध्यापक, मनान धर्म स्कूल, जीद।

(3) श्रीमती माजी रानी पुत्री श्री मरनलाल, नं० एफ/36, दरिया गंज, देहली।

(4) श्री राम स्वस्य मुपुत्र श्री मलिया गम

(5) श्रीमती मुदर्दाना कुमारी मुपुत्री श्री मुकन्दी लाल, निवासी कैथल।

(6) श्री गुलशन भारद्वाज, एड्वोकेट, जीद।

(अन्तरिती)

को यह गृहना प्रारंभ करने पूर्वी मम्पति के विषय कार्याद्विर्या करता हूँ।

उक्त गम्पति के प्रजन के मम्पत्व में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तमस्मन्धी अविक्तियों पर मूल्यना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी आक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमो अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

साठोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पति 8 दुकानें जिनके साथ 1761 वर्ग गज जमीन भी शामिल हैं, पटियाला नौक, जीद में स्थित हैं, जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जीद के कार्यालय में रजिस्टर्ड क्रमांक 1617, दिनांक 12-9-1979 में दिया हुआ है।

गो० गि० गोपाल

मम्पति प्राधिकारी

गठागक प्रायकर ग्राम्पति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 22-5-1980

मोहर :

प्रलुप माई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 मई 1980

निवेदण सं० जीद/2/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाला,
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से प्रथिक है

और जिसके मं० भूमि 2973, वर्ग गज है तथा जो पटियाला
चौक के पास, जीद में स्थित है (आँग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जीन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रथिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः—

1. श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री प्यारेलाल,
निवासी जीन्द।
(अन्तरक)
2. श्री ईश्वर चन्द्र सुपुत्र श्री लक्ष्मी चन्द्र सुपुत्र श्री खजांची मल
निवासी गांव चेटर तहसील नवाना, जिला जन्द।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनांक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी न पाप
निवित में किए जा सकेंगे।

संदर्भोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में 'परिभासा'
है, वही प्रथ्य होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2973 वर्ग गज जो पटियाला चौक के पास
जीन्द में स्थित है जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जीन्द के
कार्यालय की रजिस्ट्री संख्या 1601, दिनांक 10-9-1979
में दिया गया है।

गो० रिं० गोपाल
सम्मग्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन जरेज, चन्दीगढ़

तारीख : 22-5-1980

मोहर :

प्रकृति, मार्फिल दीप एवं एस-एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
268-ष(1) के प्रत्येक सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून, 1980

निवेश सं० बी० जी० आर०/16/79-80—यतः मुझे गो०
सि० गोपल, निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त, अर्जन रेंज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-घ
के अधीन भव्य आयकारी की, वह विभाग करन का उत्तरण
है कि इसके सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लाट नं० 29 वी०, 3926 वर्ग गज
एरिया, है, तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण स्वप्न से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपर्क के उचित बाजार मूल्य, काम के उत्तराधान
प्राप्त नहीं है एवं अन्तरिक्ष की गई है और मुझे इस विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और धर्ता भी
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह नाया गया
प्रतिशत से विनाशित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत लिखित में
बास्तविक रूप से लिखित नहीं हिया गया है ।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाष्पत, उक्त अधिनियम के प्रत्येक अंक दाता के अनुसार के इतिहास न कर्त्ता
करने या ससे वर में सुविधाव लिए वरया

1. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री ज्ञान मिह
निवासी गांव डिबडवा तह० बिलासपुरा,
जिला रामपुर (य० पी०)

(अन्तरक)

2. मैसर्स ईस्ट इंडिया कॉटन मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लि०
राजस्टर्ड कार्यालय 38, नेताजी मुभाष रोड, कलकत्ता
फैक्टरी 17, एच० इन्डस्ट्रीयल परिया एन आई टी०
फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यपादिता साधा है ।

उक्त संविधि के अर्जन के संबंध में नाः सी व्याख्येः—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिव्रिधि या उससे अधिक दो पर मुचना
की तारीख से 30 दिन की प्रतिव्रिधि, जो भी प्रतिव्रिधि
बाद साप्त छोटी होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों
में से किए गये व्यक्तित्व द्वारा;

(ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में किए गये जिसी
अन्य व्यक्तित्व द्वारा, अधोदृश्यतावाही के पास लिखित
में किए गये अर्कम् ।

स्वावरण—डामें प्रदृश शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रतिविधि के अध्याय 20-क में
परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्यय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रीयल एरिया, प्लाट नं० 29 वी० जो कि
एन० आई० टी० फरीदाबाद, में स्थित है जिसका पूरा विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4205,
दिनांक 7-9-79 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-6-1980

मोहर :

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अशोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृत प्राइवे टो० ए० एम० -----

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के पद्धोन सूचना

प्रारंभ भरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निदेश स० बी० जी०आर०/42/79-80—ग्राम मुद्दे गो० मि० गोपाल, निरीक्षण सहायक प्रायकर आयुक्त, अर्जन रेज, रोहतक

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 15वाँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पद्धोन सक्षम प्राप्ति, 11, पठ विश्वास करने का कारण है नि स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक 2

श्रीराजिसकी म० हिम्मा घ्लाट न० 29-बी, 4318 वर्गगज इंडस्ट्रियल एरिया, है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (श्रीराज इसमें उपावढ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्णांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मृद्दे यत्र विभाग करने का चाहा है नि 'पूर्णांकित वसानि का उचित बाजार मूल्य, उपरीदूर तात प्रतिक्रिया ने ऐसे उद्देश्यान्वयन प्रतिक्रिया के पल्लव प्रतिशत अधिक है श्रीराज अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रबन्धण के लिए, तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रबन्धण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है' 2

(क) प्रभारण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्: बत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुपरा दे, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-प की उपचारा (1) अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अधीत ।—

1. श्री राम निह पुत्र श्री तत्था सिंह डब्ल्यू० सी०- 34, रोनक बाजार, कोट बहारवर्धन जानवर,

(अन्तरक)

2 मैमर्स ईम्ट इंडिया काटन मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड रजिस्ट्री कार्यालय, 38, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता फैक्टरी, 17 एच, इन्डस्ट्रियल एरिया, एन० आई० टी० फरीदाबाद । (अन्तरिक्षी)

को वह सूचना जारी करके दूर्बल सम्पत्ति के अवैतन के लिए सार्वजनिक रूप से उपयोग करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के नम्बर में 301 भी प्राप्तेः—

(क) इस प्रवास के प्रवृत्ति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाल होनी हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र ने वकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवढ़ हिस्से प्रत्यक्ष अस्ति द्वारा, प्रोडस्टाभरी के पाय निश्चित में लिए जा सकेंगे ।

संषोधन:—इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन 23-क में परिभासित हैं, वही पर्याप्त नहीं, जो उक्त प्रश्नाएँ में दिया गया है ।

अनुसंधान

सम्पत्ति घ्लाट न० 29 बी, 4318.6 वर्ग गज जोकि इंडस्ट्रियल एरिया एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है व जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4206 दिनांक 7-6-1979 में दिया गया है ।

गो० मि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 7-6-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निवेश स० बी० जी०आर०/43/79-80—अत मुझे गो०
सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सपांत जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु संभव है

और जिसकी स० हिस्सा प्लाट नं० 29 वी 4318. 6 वर्ग गज,
इंडस्ट्रीयल एरिया, है तथा जो एन० आई० टी० फरीदाबाद में
स्थित है (और इसमें उत्तरद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण स्वप्न से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लवगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संर्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह गाँव डिबड़ावा
तहसील बिलासपुर, जिला रामपुर (यू० पी०)
(अन्तरक)

2 मैसर्स ईस्ट इंडिया काटन मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड
रजि० कार्यालय 38, नेता जी सुभाष रोड, कलकत्ता
फैक्टरी 17-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, एन० आई० टी०
फरीदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आकौप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 29-वी 4318 6 वर्ग गज जोकि
इंडस्ट्रीयल एरिया, एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है
तथा जिनका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लवगढ़ में के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक 4207, दिनांक 7-9-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 7-6-1980

मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निदेश मं० वी० जी० आ० / 17/79-80—अतः मुझे गो०
सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयकर, अर्जन रेज़,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर गंपति जिगका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जमकी मं० हिम्मा प्लाट नं० 29-वी, जोकि 5182 . 34
वर्ग गज है तथा जो एन० आई० टी० फरीदबाद मे स्थित है
(और इसमें उपावस्थ अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट मे वर्णित है)
रजिस्ट्रीकिंता अधिकारी के कार्यालय बल्लवगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मित्सवर,

1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई० किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व मे
कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
नों, जिन्हे भारीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने मे सविदा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती असर कौर पत्नी श्री नत्था सिंह,
डड्यू० गी० 34, रोनक बाजार, कोट बहादुर खान,
जालनथर ।

(अन्तरक)

2. गैरमू ईम्ट इन्डिया कार्पोरेशन मैनूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड
रजिस्टर्ड कार्यालय 38 नेताजी मुंगाम गोड, कलवाला
फैक्टरी 17-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, एन० ग्राई० टी०
फरीदबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों मे गे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपति मे हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहसाक्षरी के
पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 29-वी, जोकि 5182 . 34 वर्ग गज है
नया जो एन० आई० टी० फरीदबाद मे स्थित है नथा पूर्ण
विवरण रजिस्ट्री कर्ता बल्लवगढ़ ने कार्यालय मे रजिस्ट्री क्रमांक
4208, दिनांक 7-9-1979 मे दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

मध्यम प्राधिकारी
भारतीय आयकर अध्यक्ष, (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, रोहतक

तारीख: 7-6-1980

मोहर:

प्रबन्ध आई० ३३ एस० ८३०-०-

प्राकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

१०९-व (१), बदल सूचन

गरन मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जून 1980

निदेश सं० एच० एन० एस०/१३/७९-८०—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज,
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) /जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा २६९-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारों का, विवाह करने का विवाह ३ फि
स्तार सम्पत्ति विवाह विवाह प्रारा २५,०००/- के द्वारा
अधिक है

और जिसकी सं० दुमंजिली दुकान नं० २९६/११ सदरबाजार है
तथा जो हांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हांसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्णतः अनुसूचित के उचित बाजार मूल्य से अब तक दृश्यमान
प्रतिक्रिया नहीं जी पहुँच है और पूर्ण विवाह करने का
कारण है कि प्रथमांक विवाह का उचित बाजार मूल्य, उपके
दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रदृढ़ प्रतिक्रिया
से अधिक है और अन्तर (अन्तरहों) और अन्तरी
(अन्तरीयों) के दोनों दृश्यमान के लिये ना पाया जा
प्रतिफल विवाहित उद्देश्य से उक्त विवाह विवित रूप
वाली रूप से इसी रूप से दिया गया है।

(क) अन्तरन न हुई किसी घाय की बाबन उक्त
अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरके
शब्दों में दमा करने या उपमे बचने में प्रविष्ट
के लिए धौर/गा

(ख) ऐसी फिसी वारा या निसी घार या अन्य आसि जो
दो दिने वाली धायकर अधिनियम, 1922
(1922 वि ११) द्वारा अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1927 (1927 वि ११) के
विवाहान्वय उन्नीसवाँ द्वारा प्रदृढ़ किया
गया था या किसी दृश्यमान का छिपाने
में मुविधा लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा २६९-ख के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की घारा २६९-व की उपधारा (१) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

१. श्री सुरेण कुमार उर्फ सुरेण चन्द्रपुत्र श्री दिलबाग राव
पुत्र श्री लाला शम्भू द्व्याल, हांसी।

(अन्तरक)

२. श्रीमती गुमानी देवी विधवा श्री हजारी लाल
माफेत श्री फूल सिंह सुनार,
सदर बाजार, हांसी।

को प्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय दिलबाग राव करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से ४५
दिन की अवधि या अत्यंवदी अवधियों तक सूचना का
तामील में ३० दिन का प्रबाध, जो भी प्रबाध बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से। कर्व
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितबद्ध
मिल व्यक्ति द्वारा विवाह विवाह के लिये दिलबाग राव
के लिए धौर/गा

स्पष्टहेतु:—इसक अन्दरूनी धौर परा जा, जो उक्त अधिनियम के अनुसार २०-क में प्रवर्तित है, वही
अवधि होगा, जो उक्त प्रदान में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुमंजिली दुकान नं० २९६/११ सदर बाजार, हांसी
में स्थित है तथा पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक १५८१, दिनांक २६-९-१९७९ में दिया गया
है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 7-6-1980
मोहर.

प्रस्तुप् आहू. टी. एन. एम.—

1. श्री मोका वेंकटेश्वर राज
विजयवाडा।

(अन्तरक)

2. श्री गालंपाटि दुर्गा वेंकटा प्रमादाराव्,
विजयवाडा।

(अन्तरिति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1980

सं० 1042—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26-35-970 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी आय की दावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के कार्यालय में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

विजयवाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-10-79
में जंगीहृत दस्तावेज नं० 6990 में निर्मित अनुसूची संपत्ति।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 5-5-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-116GI/80

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 1043—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-47 है, जो पितापुरम, में स्थित है (और इससे उपांवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पिटापुरम, में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धाति:—

1. श्री अवमठाला मंगपतिराव,
बंगलूरु।

(अन्तरक)

2. श्री रायावरपु माहसि जगन्नाथ राव,
काकिनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

पितापुरम, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-9-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7185 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 5-5-1980

मोहर:

प्रह्लद शाह० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 1044—यह: मुझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 26-6-26 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबूद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकरण
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रतिरिक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के द्वितीय एवं अन्तरक के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उत्तरण से उक्त अन्तरक
लिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी घाय की वाचत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी उक्त वा उससे उक्त में सुविधा के लिए;
और/या

(छ) ऐसी किसी घाय या किसी वाचत या अन्य प्राप्तिकों
को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट भर्ती किया
गया वा या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यह: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, उक्तव्य :—

1. श्री वोनेपुडि वैकटय्या चौकरी,
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण दास बंग
- (2) कमल नयन बंग
- (3) कृष्ण कुमार बंग और मधुसूदन बंग
2 से 4 मैनरस गार्ड्यन पिता राम कुमार बंग।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रयोग में दिया गया
है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पालिका अंत 31-10-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7012 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 5-5-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ईन० एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निरेण सं० 1045—ग्राम: मुझे के० के० वीर
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18/50 है, है जो विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
निवित्र में वास्तविक रूप में नहीं नियत नहीं निया गया है :—

1. श्री भागवतुल्ला बेंकटामा शर्मा
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री नन्नापनेनि नारस्या, विजयवाड़ा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरान्वी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
निवित्र में हिए जा सकें।

दण्डोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 15-10-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6713 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-5-1980

मोहर:

ग्राम: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अस्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 1046:—अतः मुझे, के० के०
बी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23-11-4 है, जो राजमंड़ी में स्थित है (और
इससे उपांच अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिमंडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:

1. श्री आर० अकबर राव बापूजी नगर,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. एवांजि लिस्टरन हैल्पिंग हैंड, बोम्बे
रिप्रेजेंटेड बाई पि० जनरल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीही दरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ जन्मायी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

मनुष्यों

राजमंड़ी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-9-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4525 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के० बी०
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखः 5-5-1980

मोहरः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगाचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

प्रकृष्ट प्रधानमंत्री एवं एस०-----
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
 269-ष (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 1047—यतः मुझे के० के० वोर
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ष के अधीन सक्रम, प्राधिकारी को उह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिमकी सं० 2-27-14 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्षीय (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अनुरक्ष के वायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. (1) श्री एम० वीररामु
 (2) पि० हरिकृष्णरामु
 काकीनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्रोमती नेश्कंटि रंगनाथकम्मा चुंदु राजा कात्यानि देवी मैनर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के संबंध में कोई भी व्याप्ति ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिध बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रमुख घट्ठों और पट्ठों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 15-9-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7029 6993 और 7003 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

के० के वोर
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 5-5-1980

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०--

1. श्री पिंग सुर्योदास, काकिनाडा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० सूर्योदास या स्टरेट,
काकिनाडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 1048—पतः मुझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० 19-10-4 है, जो काकिनाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निर अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरक) और प्रत्यक्षी
(अन्तरितियों) के ग्रीन रेटे अन्तरग के निर तर पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कृतित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरग ने हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देते के अन्तरग के शायित्र में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(२) एसो हिसी प्राप्त या हिसी धन या अन्य आस्तियों
से, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-
ता अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या हिसा जाना चाहिए था, छिनने में
मुविधा के लिए;

आ. मत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुपरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबाया (1) के
अस्तीन निम्नलिखित वाकिनयों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बिति के अर्जन के

लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्बिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रत्यापन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में उत्पात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;

(इ) इस सूचना के राजनव में प्रत्यापन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध फिसी अन्य अविक्षित द्वारा अधीक्षिताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उद्धृती नाम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

काकिनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-10-79
में पंजोहृत दस्तावेज नं० 8179 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० बोर
सम्म प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख : 5-5-1980

मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1980

सं० आर० ए० सी० नं० मे० 1048—पतः मुझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-42-37 है, जो बाड़ीपेट, गुनटूर में स्थित है
(और इससे उपावड़ घनसूची में और ओ पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाड़ीपेट गुनटूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्हूं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्थत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती गुजाला राजेश्वरी देवी;

5-78-40 अशोक नगर, गुनटूर।

(2) श्री गुजाला गनभोरेडी रेलवे स्टेशन के पाय,
नरमा राजपेट, गुनटूर जिला।

(अन्तरक)

2. श्री पानडेश्वर केशव राऊ, पिता जनार्दन राऊ

5-42-36 बाड़ीपेट गुनटूर। (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहूद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति रजिस्ट्री की गई है गुनटूर उप रजिस्ट्री कार्यालय में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5195/79 और 5185/79 में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5 मई, 1980

माहूर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्रो मिन्धु मनोहर भंडारकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रो गुणवंतराय राम चन्द्र त्रिवेदी और श्रीमती
विद्युला गुणवंतराय त्रिवेदी
(अन्तरित)

भारत सरकार

3. संलग्न अनुसूची के अनुसार
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई
बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० ए० आर० II/2832.5/मितम्बर 79—अतः मुझे,
ए० ए० ए० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रन्तिसम प्लाट नं० 65 टी० पी० एम० नं० 3
सी० टी० एस० नं० 281/1.2.3 एच वाई नं० 6785 1 ए,
स्ट्रीट नं० 54-ए है तथा जो सान्ताकूड़ (पूर्व) में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्वप्न भे अर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री करण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-9-79
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मं० एम० 500/79 उप रजिस्ट्रार
द्वारा दिनांक 28-9-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ए० ए० तेजाले
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31 मार्च 1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उल्लंघन (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रेरणा आई० टो० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31-3-1980

तिवेग नं० ए०प्रा०-II/2861.7/सितम्बर-79—प्रतः
भुमि, ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसके सं० ए० स० नं० 58-एलाट नं० 1 हिस्सा नं० 1 है तथा
जो ए० स० छ्ह० रोड, गोरे गांव (प०) में स्थित है (और इससे
उपांबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन कर्ता
अधिकारी के कार्यालय बांद्रा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-9-1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. अलोक इस्टेट

(अन्तरक)

2. मधुवन प्रिमाइसिज को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा गएगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में संशोधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वाले सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पायोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1452/79 जीहंट उप
रजिस्ट्रार द्वारा विनांक 10-9-1979 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

ए० एच० तेजाले
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31-3-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुत प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा,
269-व (1) के प्रधोन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, पश्चिम आवाहन आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 अप्रैल, 1980

निर्देश सं. ए०आर०-१/ए०पी० 132/80-४—ग्रत: मुझे,
पी० एल० रूंगटा

आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के विरुद्ध न तन प्रतिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. सी० एस० न० 686 आफ मलबार और खंबाल।
हिल है, तथा जो मलबार और खंबाल हिल में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूचे में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-७-७९ विलेख संख्या
नं. 2746/78/बम्बई
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिक्रिया के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसमें दृष्टिकोण प्रतिक्रिया के दृष्टिकोण से
प्रभृति प्रतिक्रिया से अधिक है और मन्त्रक (अनुरक्त)
और प्रतिरित (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के तिर
ताप याद गया प्रतिक्रिया, निष्ठलिखित उद्देश्य से उक्ता प्रतिरित,
निष्ठित में शास्त्रिय करने कीवित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिक्रिया में दृढ़ हिसों याद की बाबत, उक्त प्रति-
क्रिया के अवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी हिसों याद या नियी धन या घर्य घासितियों
की बिन्हें भारतीय प्राय-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुरिती द्वारा प्रहट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, डिमाने
में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा (1)
के अन्तीम, निष्ठलिखित प्रतिक्रियायों, प्रर्थत :—

1. सीना रमनीक लाल झावेरी

(प्रत्यक्ष)

2. दरब बोमानजी दुभाश

(प्रत्यक्षी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेप :—

(क) इस सूचना के राजत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाम में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवड़
किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताकारी के पास
निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही ग्रन्त होता, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं. 2746/78 बम्बई उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-७-७९ में रजिस्टर्ड किया
गया है।

पी० एल० रूंगटा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 23-4-1980

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० ए०आर० 11/2904. 32/दि० 79—ग्रन्त:
मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सत्रम प्राविक री को पृथृ विषवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 198 और सी० टी० एस० 539 है तथा जो सान्ताकुञ्ज में स्थित है (और इससे उपावड़ प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक 10-12-79 विलेख संख्या नं० एस० 1514/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री पी० वी० रहेजा कती और मैनेजर आफ ज्वाइंट हिन्दू फैमिली नोन कूज रहेजा सन्स (एच० य० एफ०) के अंतर्गत आन विजनेस अंडर द आफ तिल्पति विल्डर्स।
(अन्तरक)

2. केनारा बैंक,

(अन्तरिती)

3. श्री पी० वी० रहेजा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू-बड़ निम्न प्रकृति द्वारा अधिवृत्स्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1514/79/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 10-12-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 2 बम्बई

तारीख : 5 मई, 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रवृत्त सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 मई 1980

निवेश सं० ए० आर०-II/2825. 3/सन्दे० 79—प्रतः मुझे
ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रवृत्त संतर प्राविहारी को, यह विश्वाप करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपला उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हजार ने प्रधिक है
और जिसकी सं० एन० ए० नं० 96 सी० टी० एस० नं० सी०/
1342, सी०/1343 और सी०/1344 है, तथा जो बांदरा में स्थित है
(और इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण हूँ भूमि है)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-79
विलेख सं० नं० एस० 1714/79 है को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूषयमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे ये;
विश्वाप करने का कारण है कि यथाप्रौढ़। सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूषयमान प्रतिफल से, ऐसे
दूषयमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य पुरुष उक्त प्रन्तरण निवारण में रास्तदिश भरने के
लिए किया गया है:—

(f) प्रमाण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के
प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(g) ऐसी इसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे, भारतीय आयकर आयुक्तियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपस्थाता-
1 के प्रवृत्त निम्नलिखित अधिकारीयों अधीन:—

1. मिसेज शिरीन नोशिरवान पेटिगर, श्री कावस नोशिरवान
पेटिगर।
(अन्तरक)
2. डि. पालि हिल नवरोज प्रिमायसिज को-आपरेटिव
सोसायटी लिमिटेड।
(अन्तररक्त)
3. मिसेज शिरीन नोशिरवान पेटिगर मि० कावस
नोशिरवान पेटिगर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवृत्त के प्रमाण में काई भी ग्राहा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें अधिकारीयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सद्गुरु हरग---इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रयोग होगा, जो उन प्रधान 20-क में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० एस० 1714/79/बम्बई
उक्त रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 7-9-79 में रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० एच० तेजाले
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई

तारीख: 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 मई, 1980

निर्देश सं० ए०प्रा०र०- /2932.5/जन०-80—आत. मुझे
ए० एच० तेजाले
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०टी० एस० नं० 567, फाइनल प्लाट नं०
107 है, तथा जो सांताकूज (प) मे स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय बादरा मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-1-80 विलेख संख्या नं०
359/78 है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे डृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मे वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मगनलाल पुरुषोत्तम दास अमिन

(अन्तरक)

2. सांताकूज सरयु प्रिमायसिंज को-आपरेटिव सोलायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना ज्ञारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिकाव भी भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० 359/78 ज्वाइट
सब रजिस्ट्रार-4, बादरा द्वारा दिनांक 29-1-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० एच० तेजाले
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 15-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारं
268-ष (1) के प्रधीन गुरा।

भारत सरकार

कायौन्य, रक्तांश ग्राविटर आवृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं०III-396/ग्रर्जन/80-81— अतः मुझे जयोतीन्द्र
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
26(८-ब) के अधीन सभी प्राधिकारी ने, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय मण्डल, जिसका उचित आदार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिस की सं० होलोडिंग नं० 686, बाई नं० -VII बी० है, तथा
जो वर्दमान कम्पाउंड, ग्राम-लोका, थाना लखपुर, जिला रांची
में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूचि में और पूरी रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कायलिय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29-9-1979

को पूर्वों का संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवार्द्धन वांचित हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिष्ठित से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच देखे प्रन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्ननिखित उद्देश से उक्त प्रन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से रुपित नहीं किया गया है :-

(क) प्रस्तरण ऐ दुई किसी आवाज की आवाज उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के प्रस्तरण के दिवित्र में कभी करने या उपर बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी प्राप्त गत विषयी धन पा अथवा आस्तियों को, जिन्हें सारीं प्राप्ति प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता गया है था, लिंगाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र. उक्ता प्रधिनिवेदन की धारा 269-गे के प्रत्युत्तरण में, मैं उक्ता प्रधिनिवेदन की गांग 263-वर से उत्तराय (1) के अधीन प्रधिनिवेदन अवधि गे, पर्याप्तिः—

- (1) श्रो भर्त्येन्द्र कुमार घोष, पिता स्व० चाहू बन्द्र घोष
344/2, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-47
(ग्रन्तरक)

(2) श्रोभतो गोतारानी मजुमदार पट्टनी—श्री प्रकाश चन्द्र
भजुमदार 89, वर्दमान कम्पाउण्ड, थाना—लालपुर
जिला—राँची
(ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां रखता है।

उक्ता धनति के प्रवर्जन हे उपचार में कोई भी व्याश्रय :-

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रवाणित की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरन-द्वन्द्वी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में घटाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत अविकल्पों में से किसी अविकल्प द्वारा;

(४) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उन स्थावर संरचि में हित-पत्र हिती अंत तक द्वारा प्रयोगशाली के ग्रन्तिदार में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधि-
नियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अठाराएँ में दिया गया है।

अलमणी

जमीन का रक्षा 2 कठा 4 छटांक तिमंजला मकान जो वर्षमान कम्पाउण्ड कोका, रांची में स्थिति है तथा पूर्ण रूप से बसीका नम्बर I 5018 दिनांक 19-9-1979 में वर्धित है तथा रजिस्ट्रार आक एम्योरेन्स कलकत्ता के द्वारा निर्वधित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
मत्तम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर आयुवन (निरीक्षण)
अर्जन परिषेत, पटना

विनाक: 14 मई 1980

मोहर :

प्रकल्प प्राइंट दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रधानमंत्री आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 13 मई 1980

निवेश सं० III-397/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वाला है, कि व्यापर मानन, वित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० होल्डिंग नं० 686, रांची म्यूनिसिपलिटी का बाईंनं० VII बी० है, तथा जो वर्दमान कम्पाउंड, ग्राम—कोका, थाना—लालपुर, जिला—रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कायलिय कलकत्ता में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और यु० से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रतिक है भीर प्रत्यक्ष (अस्तरकों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उससे यस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से लिखत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन वार देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या प्रथ्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरत में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित विविधों, पर्याप्त :—

(1) सत्येन्द्र कुमार घोष, पिता—स्व० चारू चन्द्र घोष 344/2, नेताजी संभाष चन्द्र बोम रोड, कलकत्ता-47 (अस्तरक)

(2) श्रीमती गीताराम॑ मजुमदार पत्नी—श्री प्रकाश चन्द्र मजुमदार 89, वर्दमान कम्पाउंड, थाना—लालपुर, जिला—रांची।

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी दरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या उत्तमव्यव्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि वाले में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य विविध प्रतिक्रिया या उत्तर द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रबंधि द्वारा जो उस प्रधायाय में विवा गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्षा 2 कट्ठा 4 छटोंक तिमंजला मकान जो वर्दमान कम्पाउंड, कोका, रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसीका नम्बर 15014 दिनांक 18-9-1979 में वर्णित है तथा रजिस्ट्रार आफ एन्वेरेन्स कलकत्ता के द्वारा निर्वाचित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, पटना

दिनांक : 13 मई 1980

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एव० एम०--

शायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 13) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीयता, सदाचार शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 मई 1980

निकेश सं० III 399/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतिन्द्र
नाथ

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर भव्यति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है

और जिस की सं० सौजा नं० 7-वाँ नं०-II (पुराना) आई० नं०
III (नया) होलिंडग नं० 255 (पुराना), 85 (नया) है, तथा
जो धनबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्चर अधिकारी के क्षायक्षणिक
धनबाद में रजिस्ट्रेक्चर अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 18-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मरणीत का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इई किसी माय की ददत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आप या हिसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, विन्दे वर्ती आपहर प्रदिनित, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम ही धारा 269-घ के अनुसूचणा
में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति—
7-126GI/80

(1) श्री मुन्धा कृष्ण मिरियर (2) श्री जयकृष्ण मिरियर
(3) श्री गोपे कृष्ण मिरियर, यत्तदान—स्व. गौर
मोहन मिरियर (4) श्रीमती जगतारनी मिरियर
पत्नी —स्व० गौर मोहन मिरियर मा०—हृगपुर,
जिला—धनबाद।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स घोष स्टेट प्राइवेट लिमिटेड मा०—हृगपुर,
जिला—धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अंजन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन से अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तानी के
पास लिखित सें किए जा सकें।

संबोधीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अड्याय 20-क में परिमाणित
हैं, कही गयी होगा जो उस अड्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्रति गांडी विभाग व्यौग वर्षों का नम्बर 6972 दिनांक
18-9-1979 में वर्णित है तथा जो जिला अवर निवाय
धनबाद के द्वारा पजाकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ
मक्षम प्राधिकारी
गहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, पटना

दिनांक : 13 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निवेश मं० IJI-400/अर्जन/80-81—अन्: मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस को मं० म्पूनिमिपल प्लौट नं० 2627 सब ऐट नं० नं० 25 बाई नं० IV है, तथा जो अनन्तपुर (मिरामटोली) गंगा-में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गंगा, में रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गौरीं चटर्जी जौजे, श्री राजेश्वर चटर्जी मौजा अनन्तपुर गंगा।

(अन्तरक)

2) श्री कमला दे, नपन कुमार दे, कल्याण कुमार दे विश्वनाथ दे ग्राम—ग्रन्तपुर (मिरामटोली) राज्य।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सहित जमान जो अनन्तपुर गंगा, में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वर्गिका नम्बर 7607 दिनांक 18-9-79 में वर्णित है और राज्य जिला निवन्धन पदाधिकारा द्वारा निवन्धित है।

ज्योति, न्द्र नाथ
मकान पदाधिकारा
महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना
दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सशाक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० III-401/अर्जन/80-81--प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस को मं० तौजों नं० 5587, खाता नं० 183 प्लॉट नं० 963 इत्यादि है, तथा जो प्राम खजूरा थाना गर्दनियाँग पटना में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुमुक्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अद्योत दिनांक 25-9-1979 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है प्रोटर अन्तरक (मन्त्रकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरस्तियों) के बाब ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सहित प्रत्यरण विभिन्न में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय जी बाबु उमत अधिकारियम के अधीन को देने के प्रातरक के इयत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीद्या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य बास्तियों का, जिसे आयकर आयुक्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्नासी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम का आदा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियम, अन्ति:-

(1) श्री मो० समा० बलद अब्दुल लतीफ (2) अनवार रसीद बलद खान साहेब मो० रसीद (3) मो० मोहसून रजा बलद डा० मो० हसन रजा (4) खोरसीद हमत बलद अब्दुल अजीज मीजा खाजपुर थाना गर्दनियाँग पटना

(अन्तरित)

(2) श्री अशोक चन्द्र जैन बलद मानिक चन्द्र जैन माँ रा कदमकुमारी थाना कदमकुमारी पटना।
(अन्तरित)

उक्त सम्पत्ति के प्रवेन के संबंध में छोड़ भी प्राप्ते :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना का सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में रामात्स होती हो, के स्रोतर पूर्वोत्तर सम्पत्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितवद किसी प्रथा अविक्त द्वारा, प्रधोरनागरी के पाप निविद में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण : --इसमें प्रपुक्त गंदों प्रोटर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व अधिकारियम के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जर्मान का रकवा 8 कटाठा 6 धूर 8 धूरकी जो मो० खाजपुरा थाना गर्दनियाँग पटना में स्थित है तथा पूर्ण व्यापक वासियों नम्बर 6204 दिनांक 25-9-79 में वर्णित है तथा जो पटना जिला निवंधन प्राधिकारी द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिषेक, विहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० 111-402/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसके गठनात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, पूर्ण विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० वार्ड नं० 13, संकिल नं० 30 सीट नं० 86 म्यूनिसिपल सर्वे प्लौट नं० 1434 होल्डीग नं० 4 है, तथा जो पुरन्दरपुर थाना परिवहीर पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-9-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में लास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्यक्ष आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमिक घोष वल्द श्री समीर कुमार घोष संयुक्त सचिव सिंचाई विभाग विहार निवासी 183-वी श्री कृष्णपुरी पटना वहसियत मोख्यनार श्राम श्री निर्मल मय घोष श्रामज महेन्द्र नारायण घोष पुरन्दरपुर थाना—परिवहीर जिला—पटना (अन्तरक)

(2) श्रीमती शशि खेतान जीजे श्री ओम प्रकाश खेतान साकिन व थाना वाराहार जिला—भागलपुर हास बाकरगंज सालिमपुर अहरा थाना गांधी मैदान पटना (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के गम्भीर में कोई भी व्यक्तिपत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध की गयी व्यक्ति द्वारा प्रशोद्धताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

संश्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 3611 वर्गफीट वो मंजिला मकान सहित जो पुरन्दरपुर अजिमावाद थाना परिवहीर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णस्पष्ट से वसिका नम्बर 6110 दिनांक 22-9-80 में वर्णित है तथा जो पटना जिला निर्वधन पदाधिकारी द्वारा पंजिकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिषेक, विहार, पटना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रख्य प्राई ० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० 111-403/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० होल्डीग नं० 147, संकिल नं० 25,
वार्ड नं० 9 (पुराना) 16 (नया) है, तथा जो बिहारी लाल
भट्टाचार्य रोड (मखनिया कुआं रोड) पटना में स्थित है
(और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-9
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आजीवा प्रत्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के घन-
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के (1)के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुशीला बोस, विधवा स्व० ज्योतीन्द्र नाथ
बोस (2) सुश्रांसु कुमार बोस बल्द स्व० ज्योतीन्द्र
नाथ बोस निवासी 50ए रिट्वी रोड कलकत्ता और
सुनील कुमार बोस बल्द स्व० ज्योतीन्द्र नाथ बोस
निवासी 104 सर्कीट हाउस एरिया जमशेदपुर।
(अन्तरक)

(2) डा० अर्णु कुमार सिन्हा बल्द स्व० पशुपति कुमार
सिन्हा निवासी —रोड नं० 6ए राजेन्द्र नगर
पटना-16 थाना कदम कुआ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त गम्भीर के प्रभाव के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्षियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त अवक्षियों में से
किसी अवक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवक्षित द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राठ आन हिस्सा मकान में जो बिहारी लाल भट्टाचार्य
रोड (मखनिया कुआ रोड) पटना में जिसका होल्डीग नं०
147, संकिल नं० 25 वार्ड नं० 9 (पुराना) 16 (नया) इत्यादी
में स्थित है तथा पूर्णरूप में नमिका नम्बर 5893 दिनांक
13-9-79 में वर्णित है जो पटना जिला निवन्धन पदाधिकारी
द्वारा निवन्धीत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
(सक्षम पदाधिकारी)
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायत आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० 111-404/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उचित जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- ह० से अधिक है

और जिस की स० होलिङ न० 147, सर्किल न० 25 बार्ड न० 9 (पुराना) बार्ड न० 16 (नया) है, तथा जो बिहारी लाल भट्टाचार्य रोड (मखनीया कुआ रोड) पटना में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-9-1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकारि विविध उद्देश्यों उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से नाथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से त्रुटि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरोक्त में सुविधा के लिए; और;

(घ) ऐसा किसी आय या गिरी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित अविनयों, ग्रहीतः—

(1) डा० निमाई दास बसु बल्द स्व० फनीन्द्र नाथ बसु मौजा बिहारी लाल भट्टाचार्य रोड (मखनीया कुआ रोड) थाना परिवहीर पटना।

(अन्तरक)

(2) डा० अरुण कुमार सिंह बल्द स्व० पशुपति कुमार सिन्हा रोड न० 6 ए राजेन्द्र नगर थाना कादम कुआं पटना

(अन्तरिती)

(3) डा० निमाई दास बसु

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 1 कट्ठा 17 घूर जो बिहारी लाल भट्टाचार्य रोड (मखनीया कुआ रोड) थाना परिवहीर जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप में वसिका नम्बर 6150 दिनांक 24-9-1979 में वर्णित है और पटना जिला निवन्धन प्राधिकारी द्वारा तिवन्धीत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 14 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुत भाई० दी० एन० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
249-ब (1) से प्रधीन सूचना

मानव सरकार

कार्मालग, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, विनाक 13 मई 1980

निदेश सं० 111-405/अर्जन/ —अत मुझे ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चा० 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249-ब
के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
में प्रधिक है

और जिस की स० खाता संख्या 104, खसरा संख्या 67,
70 तथा 82 है, तथा जो मौजा मकान, थाना नारापुर जिला
मुगेर में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुगेर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनाक 22-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये ग्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार रूप, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरहो) और पर्यायी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नतिविन उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वालाहि लाले रखा तरी किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिस्सी आय या हिस्सी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 249-ब के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 249-ब की उपलादा (1) अविक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नारायण प्रसाद महासेठ द्वारा श्री राम जानकी जी
पुत्र श्री सत लाल महासेठ पवालय चौवारा मध्यनी
हाल मुकाम मौजा मकान जिला मुगेर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मूनेवा देवी धर्मान्नी श्री जनार्दन प्रसाद
भिंड महल्ला पवालय मिरजापुर, जिला मुगेर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्पर्यी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अन्तर्ध वाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव
किसी प्रन्य अविक्त द्वारा, मध्यहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा देंगे।

स्पष्टदोक्टरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रचंडोग, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

7 एकड़ 65 डिसम्बर जमीन जो मौजा मकान थाना
नारापुर जिला मुगेर में स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज
संख्या 5251 दिनांक 22-9-79 में वर्णित है तथा अवर
निवधक मुगेर में पजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ
मध्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनाक 13 मई 1980

मोहर :

प्रलेख प्राई ० टी० एत० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० III-406/अर्जन/80-81—प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० थाना नं० 350 वार्ड नं० 6, सकिल नं०
1 ए, खाता नं० 248 आदि है, तथा जो सा० रसुलपुर
जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (ओर इससे उपलब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-9-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल तो पढ़द्दू प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यरोप (प्रन्तरकों) और प्रत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रत्यरोप के लिए उम पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कमी होने या उसमें बचने में मुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी गांग या जिसी प्राप्ति या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें माल्तीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

(1) श्रीमती मन्दिरा मुखर्जी जोजे स्व० अधिन्द्र चन्द्र
मुखर्जी सा०—जोगेन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड़, महला
ग्रामीणोना, जिला—मुजफ्फरपुर

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रदेव सिंह वल्द श्री महादेव सिंह सा०—
महाराजी चौक, जुरन छपरा, मुजफ्फरपुर स्थावी
पता :— सा०—फुलकाहाँ गोविन्द, थाना—कांटी,
जिला मुजफ्फरपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नवसंवृद्धि व्यक्तियों पर सूचना की
रापीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्तिद्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित
म किए जा सकेंगे ।

लप्तांकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क म परिभाषित है, वही
अर्थ दोगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 कट्ठा 15 धूर जमीन मय मकान जो साकिन रसुलपुर
जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका विवरण
दस्तावेज सं० 12753 दिनांक 14-9-79 में पूर्णतया वर्णित
है। इसका पंजीयन जिला अवर निवासक मुजफ्फरपुर में हुआ
है।

ज्योतीन्द्र नाथ
मक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

दिनांक : 14 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निदेण सं० III-407/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका नियन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी खाता नं० 248 (नया) खसरा नं० 59 (पु०), 478 (नया) आदि है, तथा जो सा०-रमुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमाध्यमे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्यतयों, अर्थात् :—

8—126GI/80

(1) श्रीमती गणिता मुखर्जी जीजे रम० प्रचिन्द्र चन्द्र मुखर्जी सा०- जोगेन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड, मुहल्ला आण्डीगोला, जिला—मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरक)

(2) राम पुकार सिंह बल्द श्री महादेव सिंह (2) श्री प्रमोद कुमार सिंह बल्द श्री मधुरा सिंह सा०- फुलकाहा गोविन्द, थाना—कोटी, जि०—मुजफ्फरपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर मूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्यतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अस्त्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रमुख प्रब्लेम्स और पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20वा में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 कट्ठा 10 धूर जमीन मध्य मकान जो साकिन रमुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 12891 दिनांक 17-9-79 में पूर्णतया वर्णित है। इसका पंजीयन जिला अवर निवंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है ।

दिनांक : 14 मई 1980
मोहर :

ज्योतीन्द्र नाथ
मध्यम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन, परिक्षेत्र, बिहार, पटना

प्रस्तुप आई० ई० एव० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंत्रालय का आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

५-८० दिनांक 14 मई 1980

निरेग म० III-408/अर्जन 80-81--प्रत. मुझे ज्योतीन्द्र
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के प्रधोन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० वार्ड नं० 6, भर्किलनं० १५, छत्यादि है, तथा जो
मा०--रसुलपुर जिलानी, जिला--मुजफ्फरपुर में स्थित है
(और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीबिन्नी अधिकारी के बार्यालय मुजफ्फरपुर में
रजिस्ट्रीफरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 26-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) प्रत्यरूप से हूटे किमो आय की वाचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व
में उपरान्त या उम्मीदनमें में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-वर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्भुक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती मनिदेवा मुखर्जी जौजे-स्व० अचिन्द्र चन्द्र
मुखर्जी मा०--जोगन्द्र चन्द्र मुखर्जी रोड, महल्ला
आन्दी गोला, जिला--मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गौरी शंकर सिंह वल्द स्व० कमलेश्वरी सिंह,
मा०--जगन्नाथ बर्मंत, पवालय--लालगज. जिला--
बैशाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1 कट्ठा 6 धूर जमीनमय मकान जो भाविन रसुलपुर
जिलानी, जिला--मुजफ्फरपुर में स्थित है; जो इस्तावेज सं०
13497 दिनांक 26-9-79 में पूर्णतया वर्णित है। इसका पंजीयन
जिला अवर निबंधक मुजाफ्फरपुर गे दुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ

स्कूल पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक: 14 मई 1980

मोहर:

प्रलेप अर्थात् टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार,

पटना, दिनांक 14 मई 1980

निवेदण सं० -409III/अर्जन/80-81—अतः मुझे उपोतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-वा के प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की संख्या नं० 248 (नया), खमरा नं० 59 (पु.) , 478 (नया) होल्डिंग नं० 128 इत्यादि है, तथा जो सा०/मुहूला रसुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (आँख इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

12-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पांचहां प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यरुप (प्रमत्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्वरूप के जिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्वरूप विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है।—

(क) अस्वरूप से हुई किसी प्राव भी वाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रमत्तर के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवर्ततः—

(1) श्रीमती मन्दरा मुखर्जी जीजे—स्व० अचिन्द्र चन्द्र मुखर्जी, सा०—जोगेन्द्र चन्द्रमुखर्जी रोड, महला-प्राणदी गाला, जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तर्क)

(2) श्री केदार नाथ मिहू वल्द—श्री चन्द्रदेव सिह सा०/ महला—रसुलपुर जिलानी, जिला मुजफ्फरपुर।
(अन्तर्कर्ता)

ना यह सूचना नारो हरके पूर्वांक गमति के अवैत के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्भावित के अवैत के निवारण में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अनुसन्धान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापन में विवरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौहस्तावतों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 कट्ठा जमीन मय मकान जो सा०/ महला रसुलपुर जिलानी, जिला—मुजफ्फरपुर में स्थित है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 12695 दिनांक 12-9-79 में पूर्णतया वर्णित है। उक्त पंजीयन जिला अवर निवारण के मुजफ्फरपुर में हुआ है।

उपोतीन्द्र नाथ
मकान पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना
दिनांक : 11 मई 1980
गांद्र :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कापूलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना
पूना, दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सी० ए० 5/मावल/दिसम्बर 79/473—यतः मुझे
ए० सी० चंद्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन संथान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

ओर जिस की संख्या नं० 115/1, म० नं० 119/3 है तथा जो
कुवेता मावल में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
दुर्यम निबंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79

को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदर्दि किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री कृष्णराव डी० भेगडे (2) श्री हरिभाई एच०
सोलंकी (3) श्री प्राणा एम० शेलार, (4) श्री बम्बू
भाई एच० राठोड़, (5) श्री काशीनाथ एम० होलार
(6) श्री दत्तात्रेय एम० होलार, तलेगांव—दामाडे
ता० मावल जि० पुने ।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्म हैपी हैली कारपोरेशन पार्टनर्स (1)
श्री नरेन्द्रमिश्जी एम० चुडाममा (2) डा० स्थामराव
कान्तमाळी, (3) श्रीमती मुनीता वाय त्रिवेदी (4)
श्री मवाइनाल संकी (5) श्रीमती बी० आर० पटीन
केराफ पूना काफे हाउस, 1250 जे० एम० रोड़,
पुने-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृथ किसी अन्य व्यक्तित्व द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 115/1, और 119/3 कुने
गांव ला० मावल में स्थित हैं और जिसका क्षेत्र 2 हेक्टर
172 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीशन बिलेख अ० 1388 जो 1 दिसम्बर
79 को दुर्यम निबंधक मावल जि० पुने के दफ्तर में लिखा है।

ए० सी० चंद्रा
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक: 3 जून 1980

गोट्र:

प्रकरण शाई ८० एन० एस० —————

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 3 जून 1980

निवेंग सी० ए० 5/मावल/दिसम्बर 79/474—यतः मुझे,
ए० सी० चंद्रा,

ग्रामकर-प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिस की सं० नं० 120/2, सं० नं० 135 है तथा जो कुनै
ता० मालव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भी
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
दुर्घात निवास कावन में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-79

को पूर्वोक्त संस्थि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे पन्द्रहण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें आस्तीय- प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं
अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए।

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपबारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अधीकृत ।—

- (1) श्री हुण्डाव डी० भेगडे, (2) श्री हरिभाई एच०
- (3) श्री आण्णा एम० होलार (4) श्री बच्चूभाई
एच० राठोड़, (5) श्री काशीनाथ एम० होलार
- (6) श्री दत्तात्रेय एम० होलार।

(अन्तरक)

- (2) मेमर्स हैपी लैली कारपोरेशन, पार्टनरस (1) श्री
नरेन्द्रभिंगजी एम० चुडाम्मा (2) डा० श्यामराव
कलमाडी, (3) श्रीमती सुनीता वाय त्रिवेदी (4)
श्री मवाइलाल भट्टी (5) श्रीमती बी० ग्रार० पटेल
कौरक पुना कफे हाउस, 1250 जे० एम० रोड़,
पुने-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रतिवाइ में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अ॒य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुनी जमीन जो सं० नं० 120/2 और 135 कुनै गाव ला०
मावल में स्थित है। और जिसका ओत 3 हैक्टर 106 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 1389 जे० 1 दिसम्बर 79 को
दृश्यम निवंधक मावल जि० पुने के दामार में तिला है।)

ए० सी० चंद्रा,
सक्षम प्रधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज पुना

दिनांक 3 जून 1980

गोट्टे :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पना, दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सं० II 5/मावल/डिसबर 79/475 ओ० सी०
चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० नं 116 पार्ट है तथा जो कुले लाँ० मावल
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम
निबंधक मावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधीनियम की धारा 269-व की आपाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कृष्णराव डी० भेगडे (2) श्री हरिभाई एच०
सोलंकी (3) श्री आण्णा एम० शेलार (4) श्री
बच्चूभाई एच० राठोड़ (5) श्री काशीनाथ एम०
शेलार (6) श्री दत्तात्रेय एम० होलार : तलेगांव
दामाडे लाँ० मावल जिं० पुने ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हैपी हैली कारपोरेशन पार्टनरस (1) श्री
नरेन्द्रामिंगजी एम० चुद्रासमा (2) डा० श्यामराव
कलाडी (3) श्रीमती पु मुनीता वाय त्रिवेदी (5) (5)
श्री मावाइलाल सेठी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल
केराफ पूना काफे हाऊस 1250 जे० एम० रोड़
पुने-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या दृश्यमानी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

युनी जमीन जो सं० नं० 116 (पार्ट) कुने गांव ताँ०
मावल में स्थित है और जिसका क्षेत्र 4 हैक्टर 33 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख अं० 1390 जो 15 दिसम्बर
79 को दुर्घम निबंधक मावल जिं० पुने के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० अंद्रा

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 3 जून 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना दिनांक 3 जून 1980

निर्देश सं०४० 5/मावल/क्रिम्बर 79/476—यतः मुझे
ए० सी० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 116 पार्ट है तथा जो कुने ता० मावल
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम
निवंधक मावल में रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों
को, जिहूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारितः—

(1) श्री द्वाणराम दी० भैगडे (2) श्री हरीभाई पाच०
मोलंकी (3) श्री आण्णा एम० शेळार (4) श्री
बच्चूभाई पाच० राठोड़ (5) श्री काणीनाथ एम०
शेळार (6) श्री दनानवय एम० शेळार नेगांव
दामाडे ता० मावल जिं पुने।

(अन्तरक)

(2) मेमसे हैपी ह्यूली कारपोरेशन पार्टनर्स (1) श्री
नरेन्द्रसिंगजी एम० चूडामाना (2) डा० श्यामराव
कलमाडी (3) श्रीमती सुनीता आय निवेदी (4)
श्री सवाइलाल सेठी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल
केराक पूना काफे हाऊस 1250 जे० एम० रोड़
पुने-4।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1391 जो 1 दिसम्बर
79 को दुर्घम निवंधक मावल जिं पुने के दफ्तर में लिखा है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 116 (पार्ट) कुने गाव ता०
गावल में स्थित है। और जिसका क्षेत्र 4 हेक्टर 0 आर है।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1391 जो 1 दिसम्बर
79 को दुर्घम निवंधक मावल जिं पुने के दफ्तर में लिखा है।

ए० सी० चंद्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना

दिनांक : 3 जून 1980
मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना
पूना दिनांक 3 जून 1980

निवेश सी०ए० 5/मावल/दिसम्बर 79/477—यतः मुझे
ए० सी० चंद्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं 129, 109, 118/6, 133/2 है तथा जो
कुने ता० मावल में स्थित है (और इसमें उपायद्र अनुसूची
में श्रीरपूर्ण द्व्यप्त में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
दुर्घम निबंधक मावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-79 को

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कृष्णसाह नी० शेगडे (2) श्री हरिहराई एन०
सोलंकी (3) श्री अण्णा एम० शेलार (4) श्री
बच्चूभाई एच० राठोड़ (5) श्री काशीनाथ एम०
शेलार (6) श्री दत्तात्रेय एम० शेलार
(अन्तरक)

(2) मेसर्स हैपी हैली कारपोरेशन, पार्टनर्स (1) श्री
नरेन्द्रभिंगजी एम० चूलेसमा (2) डा० श्यामराव
कलमाडी (3) श्रीमती सुमिता आय त्रिवेदी (4)
श्री सवाइलाल सेठी (5) श्रीमती बी० आर० पटेल
केराफ पूना काफे हाऊस, 1250 ज० एम० रोड,
पुने 4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमेटिक:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 129, 109, 116/6, 133/2
कुने गांव ता० मावल में स्थित है। और जिसका क्षेत्रफल 2 हैक्टर
191 आर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न॰० 1392 जी० 1 दिसम्बर
79 को दृश्यम निबंधक मावल जि० पुने के दफतर में लिखा
है।

ए० सी० चंद्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 3 जून 1980

मोहर :

प्रकृति: भारतीयोपनिषद् ०८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश नं० पं० आरा० ९९२ ए० मा० क्य० २३-१/७९-८०—
अतः मुझे, एम० सं० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाछात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राविकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० ६३ ए है तथा जो भगेतीनगर को-श्रो० हाउसिंग सोसायटी राजकोट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-९-७९

को पृष्ठोंवाल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषण प्रतिशत से अधिक है और भानुरक (अन्तरको) और भानुरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नक्शे में उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से रूचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में बूझे किसी आय को बाबा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया या या किया जाना चाहिए था, १८८० में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुमरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों परवति:—

9-126GI/80

(1) श्री भरतकुमार फरमाशीभाई खारेवा (2) श्री दुर्गामुमार फरमाशीभाई खारेवा 12, भगेतीनगर स्टेशन प्लॉट राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री लोलाधर फुलचन्दभाइ मैहता रेमकोर्स रोड
"मधुवन बडीदा"

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत अधिकारों में से किसी अधिकता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूष किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोइस्तानीरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एडीशन:—इसमें प्रपूर्व लाखों पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचायित है, वही बर्च होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान भवतीनगर को-श्रो० हाउसिंग सोसायटी राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० ५४९७ में दिनांक 10-९-७९ के रोज़ रजिस्टर्ड की गई है।

एम० सं० पारि
मान्यम प्राधिकारी
महायम: आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-। अहमदाबाद

दिनांक: 21 अप्रैल 1980

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश मं० पी०आर० नं० 993 ए०मी०क्यु 23-१/७९-
८०—अतः मुझे एम० सी० परीक्ष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपीकृत बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिस की सं० प्लौट नं० 319 है तथा जो भान्फुभारीपुरा
धोराजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी; ;
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती व्यावाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने से मुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ झै उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

1. श्रीमतो जयाबेन छग्नभाइ, पड़ोलोआ रामकृपा निवास
धोराजी।
(अन्तरक)

2 (1) जयाबेन विठ्ठलजी मावानो
(2) लीलाभार विठ्ठलजी मावानो
पावर ग्राफ श्रावार्नी आँचुनीलाल विठ्ठलजी भावानी
मारफत पल्लालाल द्रेडर्स ग्रान्ट रोड, बोम्बे-27
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन लौ अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान सोट मं० 319 है जो भान्फुभाजीपरा
धोराजी में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
धोराजी में नं० 1084 में दिनांक 28-९-७९ के रोज़ रजिस्टर्ड
की गई है।

एम० सी० परीक्ष
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक 21 अप्रैल 1980
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

पी० आर० नं० 994 ऐ०सी०क्य० 23 प्राई०/79-80—
अतः मुझे ऐस० सी० पारिख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है

और जिसकी सं० ऐस० सी० नं० 451 प्लाट नं. 19 है तथा जो भगदादा प्लाट राजकोट में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कार्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिको नियम, 1908 (1908 का '16) के अधीन 7-9-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिक्षत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें मालीक आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपरांत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:—

1. श्री धीरजकुमार मनोहर साल कोठारी द्वारा बेंक श्राफ़ इंडिया बारा बाजार राजकोट (अन्तरक)
2. श्री सुभाषचन्द्र एन० भगवेष राजहंस सोसायटी सबूथा रोड राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आलेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में विद्या एवा है।

प्रनुसूची

मकान और जमीन नं० 951 प्लाट नं० 19 हैं जो भगदादा प्लॉट राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 5115 से दिनांक 5-9-1974 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एम० सी० परीख

वधुग प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 21-4-1980।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 प्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 995 एसीय० 23-आई०/79-80—अतः
मुझे, ए० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2 पैकी जगन्नाथ प्लाट नं० 4 है। तथा जो सेन्टल आफिस ए० जी० आफिस राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

1. श्री लक्ष्मीभाई भगवानभाई पटेल राजेश सोमाइटी ग्लैक्सी टाकीज के पास राजकोट (अन्तरक)

2. श्री बहेथरभाई लक्ष्मणभाई पटेल स्वामीनारायण गुरुकुल के पीछे रामजी विला प्लौर राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रश्नस्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो ३५ प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान प्लौर नं० 1—2 है जो जगन्नानाथ प्लौट 4 सेन्टल आफिस ए० जी० आफिस राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में दिनांक 6-9-1979 के रजि० नं० 5453 से रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीखः 21-4-1980

मोहरः

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निवेश मंप०प्रा०आर०न० 996 ऐसीक्य० 23-आई/79-80—अतः

मुझे, एस० सी० पारीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधीनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन संभाल प्रधिकारी को, यह विश्याल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाप्रार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 319 है तथा जो भान्कुभाजीपुरा धोराजी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 1979

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्ट्यगान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, किम्बलिखित छहरेष्व से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधीनियम या धम-कर प्रधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधीनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधीनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन लिखित वर्कियों, अवैत।—

1. श्री हीराभाई गोरघनभाई धरचान्डीशा मोबतपुरा ता० कुटीयाना जिला जूनागढ़। (अन्तरक)

2. (1) श्री जयबेन विठ्ठलभाई भावानी (2) लीलाधर विठ्ठलजी भावानी दोनों का पावर शाफ एटार्नी श्री चन्नलाल विठ्ठलजी भावानी है द्वारा पन्ना लाल ट्रेडर्स ग्रान्ट रोड बोम्बे। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यशालियी करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

ग्रन्ति

जमीन प्लॉट नं० 319 है जो भान्कुभाजीपुरा धोराजी में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धोराजी में नं० 1083 से दिनांक 28-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकरायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 21-4-1980

मोहर :

प्रकाश प्राइंट दी० एन० एव०-----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अनंत रेज-ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1980

निदेश स० पी० आर० न० 1013 एसीओ-23-I/-79-80—अत्.
मुझे, ऐस० सी० परीक्षा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० रेवेन्यु सर्वे न० 4-1-1 पैकी प्लौट नं० 2 है तथा जो क्लब रोड जामनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-9-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भव्यता का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौरुषा

(ब) ऐसी किसी आप या निसी वन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम प्रो धारा 269-ग के बनासरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपरामा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्पति ।—

1. श्री रामजी मेधजी शाह आर० बी० मेहता रोड घाटकोपर, बोम्बे ।
(अन्तरक)

2. श्री कपूरचन्द रायसीशाह महावीर एपार्टमेंट्स, जामनगर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिकतम द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अधिकारी द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एप्लीकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग किया जाएगा, जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान रेवेन्यु सर्वे न० 4-1-1 प्लौट मं० 2 है जो सुमर क्लब रोड जामनगर में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में दिनांक 11-9-1979 के रोज न० 2118 से रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , अहमदाबाद

दिनांक : 23-4-1980
मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1980

पी०आर० नं० 1014 ए मी क्यू 23-I/79-80—अतः मुझे
एस० सी० पारिख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पासवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 371 हिस्सा 54 टी०पी०एस० 25 प्लॉट नं० 464 है तथा जो खोखरा मेहमदाबाद अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सेप्टेम्बर 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण गे दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देते के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के तिम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यतः:—

1. मुखीन हेमल को० श्रो० हाउसिंग सोसायटी सलाहकार (1) हिमान्मु विजयकुमार घट्ट 18, अम्मीला सोसायटी गजीनगर इम्ट अहमदाबाद-8, (2) भावीना रमेशभाई पटेल चिवकुटे स्वामीनारायण मंदिर के सामने अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री महनजी गोपाल रथारी, (2) श्री मालजा नाशुभाई रवारी विगाटनगर इमनपुरा अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टांकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान एस० नं० 371 एफ० पी० नं० 464टी०पी०एस० नं० 25 हैं जो मनीश सोसायटी मजीनगर अहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में नं० 4311 से मित्मंबर, 1979 में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमदाबाद

तारीख: 23-4-1980
मोहर:

पत्र आई० ठी० एन० एम०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 925ए०सी०ख० 23-II-/79-80—
अतः मुझे, एस० सी० पारीख,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1060(पी) ईस्ट पौर्सन वार्ड नं० 13 है तथा जो आदर्श सोसायटी सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति नीरंजना किंगोरत्नन्द्र झवेरी 20, गोरखन एपार्टमेंट गोपीपुरा, सूरत।

(2) मलाकार प्रकार बफुभाई झवेरी बनासारी बफुभाई झवेरी, 52 बी-डी-रा पन्ना एपार्टमेंट पीडीर रोड बॉम्बे। (अन्तरक)

2. श्री चीमनलाल देशाईभाई व्यास इन्द्रेखा आदर्श सोसायटी के पास अट्टवा लाइन्स सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन संखे नं० 1060 (पी) है जो आदर्श सोसायटी सूरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3421/79 में दिनांक 26-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)
अर्जन रेज-, अहमदाबाद

तारीख : 3-5-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 926 एस० क्य०
23-II/79-80—प्रतः मुझे, एस० सी० परीख

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० बोध नं० 586 वार्ड नं० 9 है तथा जो
वाडी कलीया सूरत में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन तारीख 25-9-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रश्नरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
मही किया गया है :—**

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अल: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—126GI/80

1. (1) श्री लोभोवनदास मन्त्तराम, (2) श्री मंगलकास
लिभोवनदास नवापुल राजाधाड सूरत (अन्तरक)

2. (1) श्री वीपक कुमार मनुभाई देसाई (2) वीरसति मनु-
भाई देसाई (3) भानुमति किशोरकन्द देसाई (4) जयश्री अजयभाई
गाह (5) हेमलता यशवन्तभाई देसाई (6) लता मनुभाई देसाई
(7) उपावन आसुकाङ्गारी, स्टोर शेरी वाढी फलीआ सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वाहिती करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबढ़ किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

दण्डीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधारा 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
बच्चे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंद नं० 586 वार्ड नं० 9 है जो वाडी
फलीया सूरत में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में नं० 3461 से दिनांक 25-9-1979 के
रोज रजिस्टर की गई है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1980।

मोहर :

प्रस्तुप श्रीई० टी० एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1980

निदेश नं० पी० आर० नं० 927 एसीक्य० 23-II/79-80—

अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रतीत उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास तरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 4 गांव अली, है तथा जो भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निकित में वासनविक रूप से उल्लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रमुख श्री गुमानसिंह भीमसिंह राणा फरशन चाचा खड़की द्वारा श्री संतोष को० ओ० हाउसिंग सीसायटी ली० भरूच ।
(अन्तरक)

2. श्री भुसाभाई हासा इस्माइल मेटी डुंगरी, भरूच ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन एस० नं० 4 है जो गांव अली में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में नं० 120८/79 से दिनांक 3-9-1979 के रोज रजिस्टर की गई है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1980 ।
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

1. श्री तुलसीदास प्रमजीभाई नानाशंठ मुख्य रोड सूरत
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मई 1980

सं० पी० आर० नं० 928 एसीक्यू 23-II/79--80--ग्रत:
मुझ एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 1892 बार्ड नं० 5 है तथा जो
रामपुरा चोरखाना चकला, हाथुपुरा, सूरत में स्थित है (और
इसे उपायदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

2. (1) वालीबन ठाकुरदास (2) चन्द्रबेन जो ठोकोर
दास नागरदास की लड़की (3) मनाबेन उर्फ मनीबेन ठाकोर
दास नागर दास रामपुरा हाथुपुरा स्वामीनारायण मंदर के पीछे
सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंद नं० 1892 बार्ड नं० 5 है
जो रामपुरा चोरखाना हाथुपुरा सूरत में स्थित है और रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3314 से दिनांक
10-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 6-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एनेस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1980

पी० आर० 1018 एसीए० 23-J/9-80—अतः मुझे
एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 61, 62 और 63 एफ० पी० नं० 749 एस० पी० 15 है तथा जो छाड़ावाड़ हीराबाग आम्बाधाड़ी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 6-9-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पब्लिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या फिरो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्त :—

1. (1) श्री भरतकुमार हंसमुखलाल शाह (2) श्री पंकज कुमार हंसमुख लाल शाह उबल्यू/2 दास बंगलो गवर्नरमेट आफिसस कोलोनी गुलबाहू टेकरा आम्बावाड़ी अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) हर्षदकुमार मुकुन्दराय ठाकोर (2) श्रीमति जालीनी-बेन हर्षदराय ठाकोर आनंद लायब्रेरी आबापाड़ी अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सीधे व्यक्ति द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराय 20-त में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रधाराय में दिया हुआ है।

प्रमुख

खुली जमीन का प्लौट नं० एस० नं० 61, 62 और 63 एफ० पी० नं० 749 एस० पी० नं० 15 का टी०पी०एस० 3 है जो हीराबाग आम्बावाड़ी अहमदाबाद में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में नं० 10365 से दिनांक 6-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० पी० परीख
सधाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 29-4-1980।
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सदाशिव प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1980

निदेश सं० पी आर० नं० 929 ऐसीक्यू 23-II/80-81—
अतः मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 29/1 है प्लॉट नं० 2 है तथा
जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्या-
लय अड्डोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन सितम्बर, 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिनिधि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निभित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम को बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य ग्राहितियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. (1) श्री रमेशचन्द्र छगनलाल सुरती (2) श्री जगदी
चन्द्र छगनलाल सुरती बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. शाह हंसमुखलाल मूलजीभाई बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामीण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख ने
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना] की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदोषों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन टीका नं० 29 है प्लॉट नं० 2 है जो बड़ौदा
में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा
में नं० 4790 से दिनांक सितम्बर 1979 के रोज रजिस्टर
की गई है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-5-1980

मोहर :

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) से प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 8 मई 1980

पी० आर० नं० 930 एसीकू० 23-II/80-81—अतः
मुझे एस० सी० परीक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 7 है तथा जो गांव अली
171 भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का
16) के अधीन 11-9-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के पश्चीम कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, किपाने
में सुविधा के लिए;

उक्त उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्दातः:—

1. श्री पूनमभाई एस० प्रजापती म० न्यू अम्बीका कार्पोरे-
रेशन के भागीदार भरूच

(अन्तरक)

2. (1) श्री इस्माईल उम्मर (2) श्री इब्राहीम अली उम्मर
(3) श्री आबद्दली उम्मर (4) बाई हरी इसप वाली उम्मर (5)
बाई बीबी दादु वली की ओरत, मोटी डुंगरी भरूच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घायलः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की प्रधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को ताम्रोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रथम द्वोगा, जो उस व्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन आर० एस० नं० 7 है वां अली जिला भरूच में
स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरूच में
नं० 1256 से 1259 दिनांक 11-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड
की गई है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 8-5-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 7 मई 1980

पी॰आर॰ 1019 प्रसीक्यू 23-I/80—81—ग्रन्त: मुझे
एस॰ सी॰ पारिख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर समाति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस॰ नं. 367 368 पकी प्लौट नं. 273
है तथा जो भफती नगर स्टेशन प्लौट नं. 12, शाकोट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 14-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद भरने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदृश
प्रतिभाव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्त-
विक रूप से निर्णय नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी रिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरित बारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, तिनाने में सुविधा
के लिए;

घरत: घब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष के अनुसर
में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, घरत:—

(1) श्रीमति जयगांगोरी नानजीभाई मिन्गाला (2)
श्रीमति ज्योत्सनावेन राघोड़ सिन्गाला "स्पासा" गोपाल नगर
गली नं. 3 राजकोट

(अन्तरक)

2. श्रीमति बंगालगांगोरी राघवजीभाई बोम्बे
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभ्रष्ट हैं, वही व्यञ्ज होगा जो उस
प्रध्याय में विद्या गया है।

ममुसूची

जमीन और मकान एस॰ नं. 367, 368 पकी प्लौट
नं. 273 है जो भक्तिनगर राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं. 554 से दिनांक
14-9-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस॰ सी॰ पारिख
सकाम प्राधिकारी
सहायक याकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 7-5-80।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1980

वी० आर० नं० 1020 एसीक्य० 23-I/80-81—अत
मुझे एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० एस० नं० 358, 642-I 642—2 सब
प्लाट नं० 3 और 5 हैं तथा जो वार्ड के पास अहमदाबाद में स्थित
हैं (और इसमें उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 न्यू मध्यन्द आनन्द नगर को०-ओ० हाउसिंग मोसायटी
आग्रारा माला के सामने, नया बाड़ अहमदाबाद-13
(अन्तरक)

2 श्री ठाकोरलाल नटवरलाल चानाई, फैदर गारडेन लोटे
गोवं रोड, बोम्बे-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लक्ष्य में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भाषास्त्र में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान सब प्लॉट नं० 526 एस० नं०
358, 648.1 और 648.2 हैं जो नया बाड़ अहमदाबाद
में स्थित हैं और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-
बाद में स्थित हैं और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में न० 10465 दिनांक 10-9-79 के रोज
रजिस्टर्ड की गई है ।

एस० सी० पारिख
सभम प्राधिकारी
सहायक आयर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

दारीख 7-5-1980 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 7 मई 1980

पी० आर० 1021 एसीक्य० I/80—81—अतः मुझे
एस० सी० पारिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी एस० नं० 395, 411, प्लौट नं० 80 है तथा
जो हापा जामनगर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1979
को प्रवृक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे इह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक छूट और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—126 GI/80

1. श्री बद्रदीन खानभाई खानबग्धु उद्योग का द्रम्टी हापा,
जामनगर
(अन्तरक)

2. श्री शांतालाल दमजी गुंगारीआ मुख्यात्यार श्री प्रागजी
फानजी भान्डीआ हापा जामनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या स्तंष्ठनार्थी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

जमीन और मकान एस० न० 395, 411, से 414 है
जो हापा जामनगर में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जामनगर में दिनांक 17-9-1979 के रेंज न०
2176 से रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० सी० पारिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख: 7-5-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1980

निवेश सं० 1022—प्रतः मुझे एस० सी० पारीख
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० नंबर 212/1, 212/5/1 और 212/6
टी० पी० एस० 23 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (प्री
इससे उपरबढ़ अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (2908 का 16) के अधीन 3-9-79
को पूर्खोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमाकांत रसिकलाल पटेल पी० ए० होल्डर श्री
नरेंद्र गिरधारी लाल पटेल श्री श्रविंद कुमार गिरधारीलाल पटेल
श्रीमति डाहीबेन गिरधारीलाल पटेल और पल्लीबेन गिरधारीलाल
पटेल अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. श्राम्भिनगर को० ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
कर्ता-चेयरमन—श्री शीवाभाई खोदाभाई पटेल नारनपुरा,
घाटलोडिया अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के श्रजन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा जो 684 स्क्वेयर मीटर है। जिस
का (नंबर) एस नं० 212/5 और फाईनल प्लोट
नंबर 884 टी० पी० स्कीम नं० 23 है जो अचीयर सिटी तालुक
अहमदाबाद में प्रस्तुत है और जिसका वर्णन शेल डीड रजिस्ट्रेशन
नंबर 10225 ता० 3-9-79 में अंकित है।

एस० सी० पारिख
मकाम प्राधिकारी
महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-5-1980

मोहर :

प्रृष्ठ प्रृष्ठ बाईं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 अप्रैल 1980

निदेश मं० 1024—अतः मुझे एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन राज्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट नं० 2 जगन्नाथ; छठी नं० 15
है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-9-1979।

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कार्यालय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यांकर प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मसर्स वोहरा कस्टडीकरण कम्पनी मैनेजिंग पार्टनर नाना-
लाल मकनजी बोहरा; 7, जगन्नाथ प्लॉट, राजकोट (अंतरक)

2. श्री नीरमलाबेन मेघजीभाई मघट और गार्डियन
माइनर राजीव गोपालाल टेक 15, जगन्नाथ प्लॉट, राजकोट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांकरा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वुली जमीन का टुकड़ा जो 155.5 प्लॉट नं० 2, जगन्नाथ
शेरी राजकोट में स्थित है। जिसका पूरा वर्णन मेल
डीड रजिस्ट्रेशन नंबर तासें: 1-9-1979 से अंकित किया गया
है।

एम० सी० पारिख
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख 13-5-1980।

मुहर:

प्रृष्ठ पा. ४० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1980

निवेश सं० 1025—अतः मुझे एस० सी० परीख-1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 जग्नाथ सेठी 15 राजकोट
है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 1-9-79
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैसर्स बोहरा कन्ट्रूक्शन कंपनी मेनेजिंग पार्टनर
नानालाल मकनजी बोहरा 7, जग्नाथ प्लाट, राजकोट
(अन्तरक)

(2) नीरमलाबेन मेघजीभाई मदर और गार्जन माईनोर—
राजीव गोविन्दलाल टेक, 15 जग्नाथ प्लाट राजकोट
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा जो 155-5 स्केयर यार्ड्स है।
जो जग्नाथ शेरी 15, राजकोट में आया हुआ है। जिसका
पूरा वर्णन सेल डीड रजिस्ट्रेशन में रजिस्ट्रर नंबर 5356
तथा 1-9-79 में अंकित किया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अहमदाबाद।

दिनांक: 13-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के पश्चीम गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० 1026—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के पश्चीम सकाम प्राप्तिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि हारार उत्तरति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 जगन्नाथ शेरी नं० 15 है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-79 न्यू पूर्णा सम्पत्ति के उन्नीस बार भूमि यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिवान यूप्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्येक प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरितण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर ही किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अस्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त 1961-न्यूम, या धन-क-शधिनियम, 1857 (1857 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत. प्रग, दस्त अद्वितीय हो गए 280-7 के प्रनु-
सरम में, वे, उस अधिनियम की वादा 269-ब की उपस्थाता
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नानालाल मकनजीभाई बोहरा मेनेजिंग पार्टनर
मैसर्स बोहरा कन्स्ट्रक्शन कंपनी जगन्नाथ शेरी
राजकोट

(अन्तरक)

(2) नीरमलाबेन मेघजीभाई 15 जगन्नाथ, राजकोट
(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए नार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त पंचति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस मूचना के रानीद में बड़ावा को तातोऽ से 45 दिन की अवधि या तस्वीं अवधियों पर मूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवधिन बारा:

(ख) इस मूचना के रानीद में बड़ावा की तातोऽ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिंग-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहम्ताशरी के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूचना

खुली जमीन का टुकड़ा जो 150-6-0 स्केयर यार्ड्स है और जो जगन्नाथ शेरी नं० 15 राजकोट में आया हुआ है। जिसका पूरा वर्णन सेल डीड में रजिस्ट्रेशन नंबर 5355 नारीख 1-9-79 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

दिनांक—13-5-1980

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एस. —————

(1) श्री एस० गोपाल रत्नम 2. एस० वेंकटरत्नम
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री पी० के० नटराजन चेट्टीयार
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1980

निदेश सं० 5 सेप्ट/79—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसबे परचात् 'उपतं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 154/1 नामं वेली स्ट्रीट है, जो मदुरे
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण स्वप्न से बाणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमडपम स्टाक नं०
1586/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1586/79 एस० श्रो० पुदुमडपम, मदुरै
भूमि और निर्माण डोर नं० 154/1, नोर्थ वेली स्ट्रीट, मदुरै
ओ० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास ।

दिनांक—29-4-1980

मोहर:

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

प्रश्न प्रारंभिक एवं एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास
मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० 24 सेप्ट/79—यतः, मुझे, ओ० आनंदाम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22 जवाहर रोड, है, जो मदुरै में स्थित है
(ग्रोर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० ओ०-१ मदुरै स्टाक
नं० 3288/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 भितम्बर 1979
को पूर्वोत्तर मध्यस्थिति के उत्तिन वातावर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथाप्रकृति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये यथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उत्तर अनुरग लिखित में
वाहाविन रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(1) श्री ई० वंकटविजयन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० चितामनी आची

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तर
के लिए कार्यकान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों वें से निसी अवेन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्राचार 20-ए० परिणामी
हैं, वहाँ अंग द्वारा, जो उस अधिकार में
सिवा गया है।

(क) अनुरग से कई किसी आय की आवत उत्तर
अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के
बायित्व में कमी करने वा उक्से बचने में सुविधा क
लिए; ग्रोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आवित्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922-11-11) द्वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजमान्य
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने परे सुविधा के लिए।

अमुसूची

ठाकुमेट नं० 3288/79 जै० एस० आर० ओ०-१ मदुरै, भमि
ग्रोर मिगानठ—झोरनं० 22, जवाहर रोड, मदुरै।

ओ० आनंदाम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास

दिनांक—29-4-1980

मोहर:

अतः धर, उत्तर अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री ई० वेकट विजयन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-पृष्ठा (1) के अधीन सूचना

(2) चितामणी इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लि०

(अन्तर्भूती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल, 1980

निर्देश सं० 25 सेप०/79—यतः, ममे, श्रो० आनंद्राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-पृष्ठा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 जवाहर रोड़ है, जो मदुरे में स्थित है (और इससे उपावन्द में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, जै० एस० आर-१ मदुरे (डाक नं० 3289/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16) सितम्बर 1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्राम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तर्रामीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है;—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3289/79 जै० एस० आर०-१ मदुरे भूमि और निर्माण—डोर नं० 22, जवाहर रोड, मदुरे।

श्रो० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास

दिनांक : 29-4-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-पृष्ठा के, अन्तरण ग्रंथ, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-पृष्ठा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रलेप प्राप्ति दी १९ एन० ६८०-----

(1) श्रीमती जे० इडा

(भन्नरप्प)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्ति

(2) श्री ए० ए० ए० ए० नविनतुल्ला

(अन्तरिती)

269 व (1) के योग्यता सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1980

निर्देश सं० २७/सितम्बर/७९—यथा, मुझे, ओ० आनंद्राम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उत्तम प्रधिनियम' कहा गया है), की प्राप्ति 269-व
के अधीन प्रभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उत्तरार्द वर्तमान, निवास उत्तिवार मूल्य 23,000/-
ह० में अधिक है।

ओर जिसकी सं० 25 जवाहर रोड है, जो मधुरे में स्थित है
(ओर इससे उपावड़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है),
राजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, तलाकुलम, मधुरे (डा०
नं० 3478/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1979
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमाणण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए विवरादिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के एवां में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर उसमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर ५पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विश्वास
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तात्री के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों ना, जो उक्त अधिनियम के गठाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अद्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई हिसी अथ की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रभीन करदेने के प्रत्यरक के वायित्व
में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी अय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3478/79 ए० आ० तलाकुलम,
मधुरे भूमि ओर निर्माण भोर नं० 25, जवाहर रोड, गांधीनगर,
मधुरे।

ओ० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
महाराज आगकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
श्रीजन रेज मद्रास,

अन: ६३, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपलाभ (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

12-126 GI/80

दिनांक: 29-4-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 30/न० 10/79--पन:, मुझे, ओ० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीरजिपकी सं० 21 बेसंट रोड है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर.
इसमें उावड़ में और पुर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
श्रीरामी के भारतीय, मदुरै (ड.कु० नं० 4098/79) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रतिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 16 मित्रम्बर 79

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमती आर० अनंतरेन्द्र अम्माल ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती गुलाम हुसैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकमेंट नं० 4098/79 एम० आर० ओ० मदुरै भूमि और
निर्माण छोर नं० 21 बेसंट रोड, मदुरै:—

ओ० आनंद्राम,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 29-4-1980

ओहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना
भारत नगरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1980

निर्देश सं 32/मित्र०/79—पत., मुझे, औ० आनंद्राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति रियल उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं टी० एस० नं 29/1 831/1 ए० पटेल रोड है, जो विरुद्धनगर में स्थित है (और इसमें उपाकम्भ में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, विरुद्धनगर (डाक नं 1857/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16) मितम्बर 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पाछ ह प्रतिशत से अधिक है यो० धनराज (धनराज) और अन्तरिती (पन्नरितीयों) के बीच ए। अन्तरण के लिए तय ए० गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अवशिष्टी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

पा, आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृ० ।—

(1) मैनर्स चल्लीम एक्सप्रोट्र प्राइवेट लिं०।

(अन्तरक)

(2) वी० पी० एस० अम्बेहमाल नाडार ए४८ संस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्भाति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नतम्बन्नी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिविकारद में प्रमाण होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी ने से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इन्होंने :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डॉकुमेंट नं 1857/79 एस० आर० औ० विरुद्धनगर शुभ्र और कमातुड़ दिवार—टी० एस० नं 29/1, 29/1 ए०, पटेल रोड, विरुद्धनगर।

दिनांक—29-4-1980

मोहर:

ओ० आनंद्राम
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास।

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 5 मई, 1980

निर्देश सं० 47/मित०/79—यह, मुझे, आ० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन संबंधमें प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर मंत्रिति विभाग उक्त वाचार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० पुराना डोर नं० 71 (मबुत पोरशन) है,
जो उपर्युक्त स्ट्रीट, पल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिष्ठात्री के
कार्यालय, ज० एस०, आर०-7 मद्रास नोर्थ (डाकु० नं० 3708/79)
में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन 16 मित्रवर 79 को

पूर्वी गम्भीर के उचित वाचार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिविवाद की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त घास्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वाचत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले अन्तरिती
धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नविवित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री जी० डी० नरेन्द्रन ।

(अन्तरक)

(2) श्री प॑म० कुपुसार्गी नायुङ०

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिष्ठि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति यों पर
सूचना हो गयी तो 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रतिष्ठि दाता में पाया होता है, के सीनार पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, व्यापौद्धताकारी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3708/79 ज० एस० आर०-1 मद्रास नोर्थ
मूले प्रोट निर्माण पुराना डोर नं० 71 (मबुत पोरशन) सक्षी
स्ट्रीट, पल्ली।

श्री० आनंद्राम,
सक्षम प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 5-5-1980
मोहर.

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री जी० डी० नरेन्द्रन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री के० जनकराजन

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी घासेपः—

निदेश सं० 48/प्र०/79 — यत्, मुझे, आ० आनंद्राम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी मं० पुराना डोर नं०-71 (नार्थ पोरशन), सम्बद्ध स्ट्रीट, है, जो पलनी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आ०-र०-1, मद्रास नार्थ (डाक नं० 3709/79) में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 अं० अव० 16 सितम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐ०, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐ० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से दुई किसी आप को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3709/79 जे० एस० आ०-1 मद्रास नार्थ मूले और निर्माण पुराना डोर सं० 71 (नार्थ पोरशन) सम्बद्ध स्ट्रीट, पलनी।

श्री० आनंद्राम,
सक्त प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेज, मद्रास

अतः, यद्युपर्याप्त अनुसरण से बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ष की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्जातः --

दिनांक : 5-5-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जी० डी० नरेन्द्रन

(अन्तरिक्ष)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० गुनसेकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निम्नोंग्रंथ सं० 49/सित०/79—यत्, मुझे, ओ० आनन्द्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सन्तत पायिन्हारों को, यदि विश्वास होते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० 71 (पुराना न०) (मिडिल पोरशन) है, जो सभदी स्ट्रीट, पलनी से स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर-1 मद्रास नार्थ (डाक न० 3710/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 सिनम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया गाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कायवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में वराप्त होनी हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस यूवता के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिं-बढ़ किसी व्यक्ति द्वारा अवोहनशक्ती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वतंत्रता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत, प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः—

डाकुमेट नं० 3710/79 जे० एस० आर-1 मद्रास नार्थ भूमि और निर्माण डोर न० 71 (मिडिल पोरशन) सभदी स्ट्रीट, पलनी।

ओ० आनन्द्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास।

दिनांक : 5-5-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०---

(1) श्री ए० श्रीनिवास राव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तर्गत)

269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० ग्रशोका

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निर्देश सं० 34/नवम्बर/79—यन्, मुझे, श्रो० आनन्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग (1) के अधीन पक्षप्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित आजार मूल्य 25,000/- है, से अधिक है।

और जिपकी सं० 5/222, स्टेट बैंक कालोनी है जो सेलम अंकणन मेन रोड, सेलम में स्थित है (और इसमें उपाख्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, ज० एम० आर० ओ०-१ सेलम (डाक नं० 5 733/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्राप्ति से विभिन्न है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) पन्नर्ग से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

पाठ्यची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रो० आनन्द्राम,
मक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयवत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाख्या (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-5-1980
मोहर :

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.—

(1) फौनटन हेड होमस (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) स्वाती कनस्ट्रक्शन (प्रा०) लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मई 1980

निवेश सं० 7566—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 109/1, है, जो हेलोस रोड,
मद्रास में स्थित है (और इसे उपाकृति में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर
(डाकुमेंट सं० 1335/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या संस्थानिक व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इप्पोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करते या उससे बने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि वेल एट्सटरा—प्रा० एम० सं० 109/1, हेठोस रोड,
मद्रास (डाकुमेंट सं० 1335/79)

राधा बालकृष्णन्
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास।

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः—

दिनांक—2-5-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री राम सोमसुन्दरम् ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० कलावती

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मई 1980

निवेश सं० 7568—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 32, कादर निवासकान रोड़ है, जो मद्रास
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय' टी० नगर (डाकुमेंट
सं० 1366/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
16—126GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोक्षस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—32, कादर नवास रोड़, मद्रास (डाकुमेंट
सं० 1366/79)

राधा बालकृष्ण,
मक्रम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास।

दिनांक—2-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० शिवसनकरन चेट्टियार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हरिकृष्ण और वामुदेवन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मई, 1980

निर्देश सं० 7634—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 23, पुराना नगर मेन रोड है, जो मुनिधमपाखम
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर,
(डाकुमेंट सं० 1359/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 सितम्बर 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकर्ता का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और
अन्तरण (अन्तरतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी छूटने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-
सरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकरण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अद्यसूची

भूमि और निर्माण-23, पुण्यानगर मेन रोड, मुनिधमपाखम
मद्रास (डाकुमेंट सं० 1359/79)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास।

दिनांक—12-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई, 1980

निवाश सं० 8715—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०टी० एस० सं० 6081/एस०/44, राजधानी-
पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, [पुठुकोट
(डाकुमेंट सं० 2224/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) 16 सितम्बर 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापकोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरोग में हुई हिसी आय को बाढ़ा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब्ल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मुरुघप्प चेटियार और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामनानन सेखे और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—टी० एस० सं० 6081/एस०/44, पबरनर
रोड़ राजधानीपुरम पुठुकीरै (डाकुमेंट सं० 2324/79)

दिनांक—8-5-1980

मोहर:

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आपूर्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री मोति राजधापाल

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० आलयनतार

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निवैश सं० 8759—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 38, आनंदकणी मैदान है, जो दिल्ली-1 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं०
4469/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 सितम्बर 79
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

ममुसूची

भूमि और निर्माण-38, आनंदकणी मैदान बीमनगर, दिल्ली-
1 (डाकुमेंट सं० 4469/79) ।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट पहरी किया
गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजII, मद्रास ।

दिनांक : 8-5-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रसुप आई० टी० एन० एस०—

(1) ए० मुस्तेया, ए० अमाधप्तन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) आर० चेल्लम

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मई, 1980

निर्देश सं० 8760—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 27 है, जो 11 फ्रास स्ट्रीट तिलै नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 4826/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 सितम्बर 79

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीकृत करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत्व दिल्ली किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

मनुष्यजी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

भूमि और निर्माण-2711 फ्रास स्ट्रीट, तिलैनगर, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 4826/79)

राधा बालकृष्ण,
सक्रम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 3-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०--

(1) श्री राम धनपति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्रीमती कें शान्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई, 1980

निर्देश सं० 10330—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10, सेनतिल लै० अकुट है, जो सेनघनूर
कोयमबद्दुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयमबद्दुर
(डाकुमेंट सं० 2559/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-10, सेनतिल नगर सेनघनूर (डाकुमेंट
सं० 2599/79)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

प्रतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प को उघारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-5-1980
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10383—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6/39, है तथा जो घोपाल स्ट्रीट, सायबाना मिशन, कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, घादिपुरम (डाकूमेंट सं० 2864/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहवां प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और प्रतिशती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छब्बी या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिशती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा 1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री ए० सी० बाबू (अन्तरकः)

2. श्री ए० सी० बी० कुनजाप्पु (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

उत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधानाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही व्यंग्य होगा जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 6/39, घोपाल स्ट्रीट, सायबाना मिशन, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2864/79)।

राधा बालकृष्ण
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
प्रजेन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निधेश सं० 10397—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 8/16, है जो वी० सी० के० लेप्रवुर
ट्रीवी रोड, अकररपालयम, कोयम्बटूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्टर्स अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर में (डाकूमेंट
भ० 4896/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
[ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण अधिकतम में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री पी० गोपालकृष्णन् (अन्तरक)
2. श्री वी० बालननकेगवरी अम्माल (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुच्छेदी

भूमि और निर्माण—8/16, वी० सी० के० लेप्रवुर,
ट्रीवी रोड, अनुपपरपायम कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4896/
79)

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री हमेलन बी० (अन्तरक)

2. श्री मरताल (अन्तरिक्षी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशेप:—

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10399—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० 28/30, है, जो सी० बी० डी० लेअवुर
सुम्मनियपुरम, कोयम्बटूर में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
भूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि ओर निर्माण 28/30जी० बी० डी० लेअवुर
सुम्मनियपुरम, कोयम्बटूर-40 (डाकूमेंट सं० 2629/79)।
राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

अस: प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, प्रायकर प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 मई 1980

निदेंग सं० 10401—पतं मुझे, राधा बालकृष्णन्, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्री० जिन्होंने सं० 28/76 है जो राबरटमन रोड कोयम्बटूर में मिल दै (श्री० इम० उपाध्य यनुकूली में और पूर्ण रु० पे वॉगर है) गे भारतीय रजिस्ट्रीररण अधिनियम, 1908 (1903 व 16') के अधीन, नारीब मितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न परण निकित में वास्तविक रूप से नियन्त्रित किया गया है :—

1. श्री जी० रमनातन (अन्तरण)
 2. श्री पलनियम्मला (अन्तरिती)
- को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोलिखित के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बच या अन्य सामिलियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रत्युत्तर में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों वर्णन :—

अनुसूची

भूमि और निम्हांग 28/76 राबरटमन रोड, कोयम्बटूर (डॉकमेंट सं० 2621/79)।

तारीख: 5-5-1980
मोहर:

राधा बालकृष्ण
सभ्य प्राधिकारी,
स्थापक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास,

प्रकाश प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अञ्जन रेंज-II, मद्रास

मंग्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेश सं. 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे सं. 5 ए और 8 ए है, तथा जो आनंदली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट प्राधिकारी के कार्यालय आनंदली (डाकूमेंट सं. 954/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की वही है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में क्षय करने या उसमें बचने में मुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्धा के लिए;

प्रतः धब्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि अनमज्जैस और निलम्बित पलमेटेशनस कमानी।
(अन्तरक)
2. श्री नाघप्प अश्वपुरनी पलमेटेशनस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अञ्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अञ्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं; वही पर्यंत होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 5 ए और 8 ए आनंदली—(डाकूमेंट सं. 954/79)।

राधा बालकृष्णन्
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)
अञ्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रख्य प्राई. टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रबोन्ह सूचना

भारत सरकार

कर्यालय, उद्योग आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यत्. मुझे, राधा बालूजन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के प्रबोन्ह सकार प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8 ए है, तथा जो आनमलै में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में अणित है), रजिस्ट्रीर्हत अधिनारी के कार्यालय, आनमलै में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रबोन्ह कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुचरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनियों, अर्थात् :—

1. डि आनमलैम और निलियिरिस पसनटेशनम कम्पनी (अन्तरक)
2. श्रीमती ए० मीनाक्षी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सूचना के प्रज्ञन ने गम्भीर में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8 ए आनमलै (डाकूमेंट सं० 955/79)।

राधा बालूजन,
सकार प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्रकाश प्राइंटरी, दो. १३० एस, -----

1. वि. नीलगिरीज और नीलगिरीज प्लानटेशन्स कम्पनी
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

289-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संस्करण प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मर्वे सं० 5ए है, जो आनमले में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रोजद्वीर्णा अधिकारी के कार्यालय, आनमले (डाकूमेंट सं० 956/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1979 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिफल प्रतिविन है और पन्तरक (अन्तर्की) और प्रमत्रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित त्रैश्य से उक्त समस्त निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी दाय की बाबत उक्त अधिनियम, के धारीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कभी कर्त्ता या उसे बदलने वे सुविधा के लिए; प्रो/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या इकाया आया आहिए था। छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 5ए, आनमले (डाकूमेंट सं० 956/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-व के अनुसार मेरे उक्त अधिनियम की धारा 289-व की उपलब्धता, (1) से अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् :—

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. दि श्रानमलैस और निलगिरीज प्लानटेशन्स कम्पनी
(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० एन० अम्बपूर्णी आचि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेश सं० 10405—यतः मुद्यु, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8ए है, जो ग्रानमलै में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्ण रजिस्ट्रीकर्ता प्रविधारी के कार्यालय, ग्रानमलै (डाकूमेंट सं० 957-79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उक्तव्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 8ए, ग्रानमलै (डाकूमेंट सं० 957-79

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रूरुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8ए है, तथा जो अनमलै में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनमलै (डाकूमेंट सं० 958/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितंबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. दि आनमलैस और निरलविरिस पलेनटशनस कम्पनी
(अन्तरक)

2. ए० पेरियकजप्त
(प्रतिरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी या पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ऊब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8ए, आनमलै (डाकूमेंट सं० 958/79)

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस०————

1. दि श्रानमलैस और निलघिरिस कम्पनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एन. अनामलै। (अन्तरस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनाक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10405—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 5ए है, जो आनमलै में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, आनमलै
(डाकूमेंट सं० 959/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितंबर, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 5ए, आनमलै (डाकूमेंट सं० 959/79)

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुनिश्चि के लिए;

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तरीख : 5-5-80

मोहर :

प्रस्तुत आई, टी एन एस -----

(1) दि आनमलैस और निलिथिस पलेनटेशनस कम्पनी
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती ग नागपण चेटियार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 मई 1980निदेश मा० 10405—यत मम्मे, ग्रामा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक हैऔर जिसकी मा० मवें सा० 5ए है, जो आनमलै में स्थित
है (ग्रामीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै (डाकू-
मेट मा० 960/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1979को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ़्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः धब्ब, उक्त वक्षिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

15—126G1/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बकृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि मवें मा० 5ग आनमलै (डाकमेट मा० 960/79)

ग्रामा बालकृष्ण
मक्षम प्राधिकारी
महायज आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्र० पूर्ण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश स० 10407—यत्. मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है
और जिसकी स० 149 और 150 है तथा जो विक बाजार
स्ट्रीट, दारापुरम में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के
कार्यालय, दारापुरम (डाकमेट स० 3061/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मिस्राम्बार, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसा अन्तरण के लिए तापाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य र उक्ता अन्तरण निवित में वास्तविक रूप में ऊपरित
नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण न हुई जिसी आय की बाबा उक्ता अधि-
नियम, के प्रधीन द्वारा इसे के अन्तरक के दायित्व
में रासी नहीं या उपर बजाए में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या किसी धन या ग्रन्त आमितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालकृष्ण चेट्टियार (अन्तरक)

2. डॉक्टर जी० पारथमारती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्त वर्गित द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पाय लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
प्रथम होगा, जो उम प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 149 और 150 विक बाजार स्ट्रीट
दारापुरम (डाकमेट स० 3061/79)

राधा बालकृष्ण
मद्रास प्राधिकारी,
मद्रास आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख 5-5-1980
मोहर:

प्रारूप आई० ट्र० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10413—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 197 है जो नेताजी रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड में (डाकूमेंट सं० 4161/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तत्परा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तराल के वायिसव में कमी करते या उससे बढ़ते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, श्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० सनकरलिङ्गम और अवर्से (अन्तरक)

2. श्री डॉक्टर कालियम, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्मं वैधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 197 नेताजी रोड, ईरोड। (डाकूमेंट सं० 4161/97)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 जून, 1980

निदेश सं० 10415—यत् मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9, पूसारी चेन्नियप्पा है, जो घौड़र स्ट्रीट ईरोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकमेंट सं० 3987/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब ताया गया प्रातकर, निम्नलिखित उद्देश्य न उठा प्रान्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्रीमती प्रभा मुन्दरम। (अन्तरक)
2. श्रीमती एस० सरस्वती (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-र में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

भूमि और निर्माण —9, पूसारी चेन्नियप्पा घौड़र स्ट्रीट ईरोड। (डाकमेंट सं० 3987/79)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश स० 10420—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० 1/231 सी० डी० ई० एफ० और० एच० है, जो सूलूर तिळपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूलूर (डाकूमेंट स० 1483/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षम्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री के० पी० धनपती चेट्टियार और अदसे (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी दुरधा मिल्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 1/231 सीमें डी० ए० एफ० और एच० सूलूर। (डाकूमेंट स० 1483/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भूमि और निर्माण की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णतः——

तारीखः 5-5-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निवेश सं० 10391—यस., मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

ग्रौंर जिमकी सं० 54, तिरुवेनकटस्वामी रोड़ है, जो कोयम्ब-
टूर में स्थित है (ग्रौंर इसमें उपावढ़ अनुसूची में ग्रौंर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकमेंट सं० 4770/79) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रौढ़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपशारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितरणों, अर्थात्:—

1. श्री सी० एम० रामामिरतम सायिकृष्णन।

(अन्तरक)

2. श्री के० राजन, पाण्पायी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वदी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वच्छोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ वर्द्धी का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
वर्णा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 54, वेस्ट तिरुवेनकटस्वामी रोड़,
कोयम्बटूर। (डाकमेंट सं० 4770/79)

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-5-1980

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निदेश सं० 10391—यत्, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यद्युविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 54, वेस्ट नियैनकटस्वामी रोड है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख भित्तम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण है जिसका बाजार मूल्य प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के उक्त नियमों विविध रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन गरंट देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा हिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस ग्राना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित उक्तियों, प्रर्षतः—

1. श्री मी० एम० रामामिरतम साथी कृष्णं ।
(अन्तरक)
2. श्री के० राजन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधीनुसाक्षरी ; पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 54, वेस्ट नियैनकटस्वामी स्ट्रीट, कोयम्बटूर। (डाकमेंट सं० 4769) ।

तारीख : 8-5-1980

मोहर :

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्रलेप आई० टी० एम० एम०--

1 श्रीमती सरोजिनी पाठियन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती नूरुशिसा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सार्वजनिक, पश्चात्यायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निदेश सं० 10389—यतः, मृगे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6, II स्ट्रीट है, जो चेरियन चर्च रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेट सं० 4799/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण निविन में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3-6, II स्ट्रीट, चेरियन चर्च रोड, कोयम्बटूर (डाकूमेट सं० 4799/79)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980
मोहर:

प्रकल्प शाही० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० 10389—यतः, मुझे, राष्ट्रा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6, II स्ट्रीट है, तथा जो चेरियन चर्च रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4800/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुरित की गई है और भुग्ते यह विषयास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रमाण प्रतिक्रिया अधिक है और प्रत्यक्षरक (प्रमाणरकों) और प्राप्तरिती (प्रत्यक्षरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण निवित में वास्तविक रूप से कठिक नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक का विवरण एवं कमी करने या उससे बचने जैसी कानूनी क्रिया के लिए; और/या

"(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्द-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के प्रयोगार्थ घन्यिते दाग प्रकट नहीं किया गया था। क्या इन आहिए था, जिनमें में सुधिका के जिम;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) के अधीन; निम्नलिखित अधिकारों, अवधारितः—
16-126GI/80

1. श्रीमती सरोजिनी पाठियन। (प्रत्तरक)

2. श्री महबूब खान। (प्रत्तरिती)

जो यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवज्ञन के संबंध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियी अविक्तियों पर पूर्वोक्त की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अबोहस्ताकारी के पात्र निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय 20-क में परिचालित हैं, वही पर्व होगा, जो उक्त अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 3-6, II-स्ट्रीट चेरियन चर्च रोड, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4800/79)।

राष्ट्रा बालकृष्ण
सक्षम प्राविकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-81

मोहर:

प्रकर प्राई० श्री० एन० एम०-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेश सं० 10385—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/96 और 2/97 है, जो विषेशासम्पालयम
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुभूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
मेट्रोपालयम (डाकूमेंट सं० 1924/79) में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और युक्त एवं विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में ही फिसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 239-व के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के प्रश्नों, निम्नलिखित अस्तियों, प्रतीक्षा:—

1. श्रीमती एस० तारा। (अन्तरक)
2. दि घलबरन एस्टेट्स लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के
लिए कार्यालयाद्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरी हाउग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम ने अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 0.75 सेंट्स 2/96 और 2/97' विषेशासम-
पालयम। (डाकूमेंट सं० 1924/79)।

राधा बालकृष्णन
संस्थापन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

वायकर-प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 10335—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर-प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 32/11, पोननैयराजपुरम है, जो राजम्माल से अद्वार, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4358/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कि आय कीबाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर भौमि और निर्माण 32/11, पोननैयराजपुरम राजम्माल लअऊट, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4358/79)।

1. श्री पोनम्माल । (अन्तरक)

2. श्री ए० कोमारस्वामी चेट्टियार और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधिया पर सूचना को तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त अधिकारियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सारांश में द्वितीय किसी अन्य अधिकारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —इसमें प्रमुख गढ़ों और पश्च हो जो 'उक्त प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में विस्तारित है वही 'अर्थ होग' जो उस अठ वर्ष में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 32/11, पोननैयराजपुरम राजम्माल लअऊट, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4358/79)।

राधा बालकृष्णन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

ओहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री पोम्पमाल ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० कोमारास्वामी चेट्टियार और अन्य ।

(ग्रन्तरिप्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेश सं० 10335—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 22/11 है जो पोम्पराजपुरम राजमाल
ले अवृ, कोम्पटूर में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कोम्पटूर (डाकूमेंट सं० 4579/79)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिप्ती
(ग्रन्तरिप्तियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरक से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ ग्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और अवधि 32/11, पोम्पराजपुरम कोम्पटूर।
(डाकूमेंट सं० 4579/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

1. श्री मति रंगनायकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्री वी.० सरसवती ।

(प्रस्तावित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निवेश सं० 10336—यतः भूमि, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 436/1ए है, जो सौरिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्तिसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 4685/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरी प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरी प्रतिफल से, ऐसे दूसरी प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ग्रन्तिसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 436/1ए, सौरिपालयम (डाकूमेंट सं० 4685/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-5-1980

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिस्तः:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेद सं० 10332—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इथाहर ममता जिता हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नेनगनूर है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकू-मैट सं० 2660/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का प्रद्वय प्रतिशत ८ प्रांशक है और अन्तर ८ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की ओर ऐसे प्रत्यारूप के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य वे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन नहीं करने के अन्तरक के वापिस्त्र में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीत :—

1. श्रो अम्मासई गौड़र ए० वेलुस्वामी (अन्तरक)
2. श्रीमति एन० सुन्दराबाई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंचाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई चो वालोप !—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी अधिकारी पर सूचना को नामीन म 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में प्रमाण द्वारा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त प्रधार सम्पत्ति में हित-बद्ध निम्नी धन्य अधिकत द्वारा अजोहस्नाकरा के पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टोहरण :—मैं प्रमुख आदों श्रीर दों रा, जो उक्त अधिनियम के प्रधार 20-स में परिवायित है, वडी प्रथ द्वेष, जो उक्त प्रधार में विद्या गया है।

अनुसूची

मूल ०.६३ सेट्प नेनगनूर। (डाकूमेट सं० 2660/79)

राधा बालकृष्ण

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-5-1980

मोहर :

प्रदूष प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेश सं० 10332—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रामकर' कहा गया है), की बारा 269-ख
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

ग्रोर जिमकी सं० सेनघटूर है, जो कोयम्बूर में स्थित है
(ग्रोर इसपे उगबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीर्ड प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बूर (डाकूमेंट
सं० 2661/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दृढ़ तकां ग्राम की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी ग्राम या किसी धन या अध्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः ग्राम, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त प्रधिनियम को बारा 269-प की उचित (1)
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अवैतः:—

1. श्री मुतुस्वामी गोडेर (अवैतरव)

2. श्री टी० लक्ष्मली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों कारता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप:—

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नस्मन्द्री अविकल्पों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रदृष्टि, जो भी
अवधि बाद में यापन होती हो, न भीतर पूर्वोक्त
अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मा.म 0.56 सतठम मेनगनूर (डाकूमेंट सं० 2661/
79)

राधा बालकृष्ण
सकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IIद्र मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 मई, 1980

निवेश सं० 10332—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सेनगनूर है, जो कोयम्बटूर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुण्य रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकू-
मेट सं० 2662/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1979

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरिद्ध की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल से,
इस वृथमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिगत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्भी (अन्तरेति तों) के बीच ऐसे
घमरणके निम्नतय पाया गया प्रतिफिल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त पत्रारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है;

(क) उक्त पत्र के दुई किसी व्याप की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षके वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी व्याप या किसी दून या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्यक्षान्तर्यामी घनमित्रा द्वारा गफ्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रवितियम को बारा 269-व की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविळियों अधीन।—

1. श्री पू० आर० रामस्वामी गौड़रक (अन्तरक)
2. श्री एम० मारादा। (अन्तर्भी)

को यह नूचा जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के उचित करने के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त मम्पति के उचित के संबंध में छोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक्ससंबंधी अविळियों पर सूचना
की नामोन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविळियों में
से किसी अविळि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इति-
बद्ध किसी अन्य अविळि द्वारा, पूर्वोक्त सूचना के
पास निविष में किए गए सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्डाय 20-क में नहि-
भाषित, हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त प्राप्ताय
में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रमि 0.56 नेटटम सेनगनूर कोयम्बटूर। (डाकूमेंट
सं० 2662/79)

राधा बालकृष्ण
मकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1980

निवेश सं० 10332—प्रतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० धनपती है, जो कोयम्बटूर में स्थित है 'और इससे उपाखद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2712/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे पृथमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और प्रदृढ़क (प्रदृढ़कों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रदृढ़ण के लिए तय प्राप्त गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षिती नियमों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रदृढ़ण से ही किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रदृढ़क के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्त या छिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

परतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
17—126 GI/80

1. श्री अम्मासे घौड़ंर (प्रन्तरक)
2. श्री प्रार० वेंकटेस मुदलियार (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोस्त्खाकारी के पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

ग्रन्तुसूची

भूमि—जनपती कोयम्बटूर 11 सेन्टम (डाकुमेंट सं० 2712/79)।

राधा बालकृष्ण
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 5-5-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रावकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हार्डीन, सहायक आयकर भाषुख्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निदेश सं० 8120—अतः सुन्ने राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रधीन प्रभाव प्राविलारी को, उह विवरण करने का कारण है कि स्थावर उन्निति निकाल उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है।

और जिमकी सं० है, जो विल्लयनूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1480/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1979

को प्रबोचन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रभावित हो गई है और इसे उह विवरण करने का कारण है कि वारूर्गेन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृष्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरितों (बन्तरियों) के शोब्दों पन्द्ररण के लिए तथा पाया गया अंतिक्रिया तिमतिवित उद्देश्य में उक्त अवगतरण उचित में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) प्रगतरक से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन बारे देवे के प्रभारक के वायिल्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के प्रभारक में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपलाई (1) के प्रधीन, तिमतिवित व्यक्तियों, पर्वातः:—

1. श्री पदमावती और सरसवती (अन्तरक)

2. श्री वेपव पेरुनदेवी और देपव मादवन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्वत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तस्वीरन्वार्ता व्यक्तियों पर सूचना की गामीन से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधिया वार्ता में प्राप्त होती हो, के मोनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोनर उक्त स्थावर संरक्षित में हिल-प्रद किमी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रधोरुप्ताकारी के राम निवास में किए जा सकेंगे।

एवं दोहरा ——इसमें रुक्त शब्दों द्वारा पर्वत अधिनियम के प्रद्याय 20-व में परिवाप्ति है, वही वर्व होता जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विलियन (डाकुमेंट सं० 1480/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अध्यक्ष (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 12-5-1980
मोहर :

प्रखण्ड पाई० टी० एन० एस०-----

1. श्री रामनातम चन्द्रसेकरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री देव विजयललशमी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निवेश सं० 8720—अतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रतीत उक्त गांधीजारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो ग्रादियमबट्ट विल्लियनूर में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1479/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रश्नियम की धारा 269-प के प्रन्तरण में, मैं, उक्त प्रश्नियम को धारा 269-प को उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई भी ग्राहण :—

(क) इस सूचना के राजांत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तो अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजांत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वितीय अन्तरिती द्वारा, ग्राहकस्तान्त्रों के गात निविन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें शुक्रवार शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधि नियम के अध्यात्र 20-वां में गरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रादियमबट्ट, विल्लियनूर (डाकुमेंट सं० 1479/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख 12-5-1980

मोहर :

प्रत्येक आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निवेश सं० 8720—अतः मुझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो श्रोदियमबृ० विल्लयनूर में स्थित है (और इससे उपावदू में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाँडुचेरी (डाकुमेंट सं० 1478/79) में भर्तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से युई किसी आप को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम्हा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयनर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

- | | |
|--|----------|
| 1. श्री पदभावती सरसवती | (अन्तरक) |
| 2. श्री देवव तिरुवरन सेलवन देवव कुमारन (अन्तरकी) | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रुमि श्रोदियबृ० विल्लयनूर (डाकुमेंट 1478/79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तरीख : 12-5-1980

मोहर :

प्रस्तुति प्राइ० टो० एन० १० -----

1. श्री विजयवानी रेडी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० सेराम्मा

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास-II, दिनांक 13 मई 1980

निवेश सं० 7572—श्रतः मुझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है, जो नारत बोग रोड मद्रास 17 में
स्थित है (और इससे उपावद में और पूरी रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत
(डाकुमेंट सं० 1446/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रहेंगे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रभुरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया
बाका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सृष्टि में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवार्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा अघोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि और निर्माण — 32, नारत बोग रोड, मद्रास-17
(डाकुमेंट सं० 146/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 13-5-1980

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई 1980

निदेश सं० 7659—ग्रतः मुझे राधा बालकृष्णन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7, II मेयन रोड है, जो कि घावि
नगर मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, से-
पेट (डाकुमेंट सं० 2626/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अमृसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एचमिनिस्ट्रेटर जनरल आफ आफिंशियल ट्रस्टी
(अन्तरक)
2. श्री राम दास रुकमनी और अदरस (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजगत में प्राहाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या उक्त संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्राहाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिस्त्रौ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी
के पास निवित में फिये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रते का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

भूमि और निर्माण—7, II मेयन रोड, घाविनगर, मद्रास-
20 (डाकुमेंट सं० 2626/79)।

राधा बालकृष्णन
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 8-5-1980।

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

1. डॉक्टर रघुनात पानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री वीरलक्ष्मि यूनियन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निवेश सं. 8756—प्रत: मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम गांधी तारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 33, सोलंतानठवन रोड है, जो कुरिचापाखम में स्थित है (और इससे उपावढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाकु-मेंट सं. 1681/79), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अबट्टबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भमि और निर्माण-33, सोलंतानठवन रोड, रिचीपाखम (डाकुमट सं. 1681/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 17-5-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, विनांक 21 मई 1980

निवेश सं० 8805—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 160, 161 और 162 है, जो नटेसन नगर पाइचेरी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलुकुर (डाकुमेंट सं० 975/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

- | | |
|-------------------------------|------------|
| 1. श्री के० नयानमूरती और अदरस | (अन्तरक) |
| 2. पेठम लियोन मेरी रानजल | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदृ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 160, 161 और 162 नटेसन नगर पाइचेरी (डाकुमेंट सं० 975/79)।

राधा बालकृष्ण,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख : 21-5-1980।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 मई 1980

निवेश सं० 8804—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घ्लाट सं० 111, 112 और 113, है, जो नटेसन नगर, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलुखरे, (डाकुमेंट सं० 976/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्ण, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिन्हत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा अन 269-ग के सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवाद्यतः— :

18—126GI/80

1. श्री के० नायनपूर्णी और अदरस (अन्तरक)

2. श्री मार्गिनाथ मेरी ग्रायकर ग्रायुक्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नायनपूर्णी

घ्लाट सं० 111, 112 और 113, नटेसन नगर पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 976/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
महायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 21-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं 8761—प्रत मुझे, राधा बालकृष्ण
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं 82, है, जो राजा कालोनी ट्रिची में स्थित
है (और यदि इसमें उपावड़ से और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिची (डाकुमेट सं
4660/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए घन्टरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों)
और प्रस्तरिसी (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी भाय या फिसी बा या प्रथा प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वाग पाठ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम ली धारा 269-व के ग्रन्तमरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात् :—

1 श्री यगननारायण

(अन्तरक)

2 श्री तनकवेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो उक्तके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तस्वीरी अक्षितियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड
किसी प्रथा अक्षित द्वारा, अन्तरिती के पात
निवित में किए जा सकेंगे।

इन्हींकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रथ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

भग्नि प्रौद निर्माण —82, राजा कालोनी ट्रिची
(डाकुमेट सं 4660/79)।

गधा बालकृष्ण,
मध्यम प्राधिकारी
महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख 17-5-1980
मोहर :

प्रलेप पाई० टी० एन० एस०----

1. सुन्दरम इन्डस्ट्रीज

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

2. श्री अव्यप्ति पोली इन्डस्ट्रीज

(अन्तरिती)

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 1980

निदेश सं० 7569—अतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के भ्रष्टोन सख्त संकेत कारण का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 147, कारापाखम है, जो सेयनट योग्य मौट में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सोबृह (डाकुमेंट सं० 1639/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिरूप के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिरूप से, ऐसे दृश्यमान प्रतिरूप का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय आय गया प्रतिफल निम्नलिखित तरह से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्रमुखस्थी

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भग्न, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपलाय (1(अधीन, के निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके प्रवासन भवित्व के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों शुल्क फरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिकता ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूत किसी अन्य अधिकारी, प्रधानमंत्री के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जौ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और निर्माण-14, कारापाखम ग्राम मद्रास-96।

(डाकुमेंट सं० 1639/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 17-5-1980।

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

1. श्री भारत अनंदलोक भूमि

(अन्तरक)

2. श्री आरो एन० पोडुबल

(अन्तरिती)

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1980

निदेश सं० 7561—अतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28, फरस्ट अवेन्यू, शास्त्री नगर है, जो मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट, (डाकुमेंट सं० 2264/79) में भरतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

का पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—28, फरस्ट अवेन्यू शास्त्री नगर,
मद्रास-20 ।

(डाकुमेंट सं० 2264/79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज II मंद्रास
मंद्रास, दिनांक 20 मई 1980निदेश सं० 7564—अतः मुझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन इकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 11, कासि साहिब स्ट्रीट रोयपेटा, है, जो
मंद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापलापुर
(डाकुमेंट सं० 1546/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1979को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हटहट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बैठे के अन्तरक के सार्वत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बोर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति आयशा बी० (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण रेही (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यावारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।एकांकिकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-11, कासिम साहिब स्ट्रीट, रोयपेटा,
मंद्रास।

(डाकुमेंट सं० 1546/79)।

राधा बालकृष्णन
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मंद्रास

तारीख 20-5-1980।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० 7602—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39, है, जो सिंगराचारी स्ट्रीट, मद्रास में
स्थित है (और इससे उपावड़ में अतुसुची और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पलिकेन (ज्ञाकृ-
मेंट सं० 761/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979।

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्री जी० एन० बावामी और 14 अदरस (अन्तरक)

2. श्रीमति मीनाकशी कनकसुन्दरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—39, सिंगराचारी स्ट्रीट, मद्रास
(कुड़ा मेंट सं० 761/79)।

राधा लालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-5-1980

माहूर:

प्रलेप प्राइंटी टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के पश्चीन मूच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 मई 1980

निदेश सं० 7625—अतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है दुकान जो कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट 2, असर ग्राम है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय सेवापेट (डाकुमेंट सं० 2409/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के फिरे प्रमरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमरितों (प्रमरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्लिखित उद्देश से उक्त प्रमरण लिखित में वास्तविक ना न किया नहीं निया गया है :—

1. श्री के० जयचंद्र रेडी के० कट्टी रेडी (अन्तरक)

2. श्री एम० विजयलक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 60 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के सीनार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहरताकारी के पास लिखित में लिए जा सकें।

ध्येयोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाप 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाप में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० 2, असर ग्राम
(डाकुमेंट सं० 2409/79)

(क) अन्तरण से दुर्लिखित किसी प्राप्त को बाबत, उक्त अधिनियम के पश्चीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी भाव या फिसो घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के पश्चीन रिम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 21-5-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० 2107—अन्तः मुझे बी० पए०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मण्डी बेरीबाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य व उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से उठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नप्रधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणि:—

1. श्री राम परशोत्तम पुत्र नानक चन्द्र पुत्र गोविन्दराम
बाणी श्री चन्द्र मोहना, ममता, रुविता वासी बेरीबाला तह-
सीन कोटकपूरा
(अन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह, मेहर सिंह, गुरचरत सिंह सुपुत्र
गुरदित सिंह पुत्र चनन सिंह दुकान नं० 343 मण्डी बेरी
बाला तहसील मुक्तसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में दिया है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में, सचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2033 दिनांक मुक्तसर 1979
अक्टूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा
है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-4-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2108—ग्रन्त: मुझे बी० एस०
दहिया

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूल्यी में लिखा है है तथा
जो मकान नई आवादी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यगत प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी श्राव की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उसमें बचने में मुश्विधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रावकर प्रधिनियम, 1922
(1922 ना 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के
प्रयोजनाथं अस्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्विधा के लिए;

ग्रन्त: श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
गत में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19—126GI/80

1. श्री शशांक हश मुमुक्षु घगीड़ा राग बोहरा
वामी मानसा मण्डी (अन्तरक)

2. (1) मास्टर बलजीत सिंह पुत्र बीर सिंह, गवर्नरमेंट
हाई स्कूल लड़कियों का मानसा (2) श्रीमति अमृत प्रकाश
मानसा (2) श्रीमति अमृत प्रकाश कौर पत्नी बलजीत सिंह
गवर्नरमेंट हाई स्कूल लड़कियों के लिए मानसा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह अविक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

जैसा कि विलेख नं० 3269 दिनांक दिसम्बर 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मानसा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-4-1979।

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० 2109—अत्. मुझे बी० ए०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन मतभ प्राधिकारी ने, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपालपुर, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1979 फो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकृत में, ऐसे दुश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण विभिन में वासनविक रूप में करित नहीं हिला गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की धावन उका अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उसमें वक्तों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या हिला जाना चाहिए था, छिगो में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों प्रक्षर्ता:—

1. श्री लक्ष्मण पुत्र हुंग राज माझन, 10, शिला नगर, जालन्धर। (अन्तरक)
2. मैरम हंस फोरड म्पोरिंग गड्ज प्राईवेट लिमिटेड, जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैमा कि ऊरनं० 2 में दिया है (वह अभी तिराय अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेतः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त के द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधितरा:—इत्तर्वे प्रत्यक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयोग होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 5505 दिनांक अक्टूबर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-4-1980

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2110—अतः मुझे, बी० ए० म० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोपालपुर, जालन्धर में स्थित है (और इसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरोज महाजन पत्नी चन्द्र महाजन 19—21 शक्तिनगर जालन्धर। (अन्तरक)
2. मैसर्स हंस कोरेड स्पोर्टिंग गुड्स प्राइवेट लिमिटेड टी०जी० रोड, जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैमा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—दूसरे प्रयुक्ति शब्दों और तर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अधार 20 फ में परिभासित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5506 दिनांक अक्टूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

बी० ए० म० दहिया
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

नामांक : 25-4-1980
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 1 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2111—अन्तः मुझे बी०
एस० वहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती मशीन्रत, जीरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आविष्यों, अव्याप्ति:—

1. श्री रजिस्ट्र कुमार पुत्र मुकुन्द लाल पुत्र करता राम,
मनोप रानी पुत्र तुलसी राम द्वारा रविन्द्र भूषण पुत्र चड़
प्रकाश मुख्यार ए आफ जीरा अमरजीत कौर पुत्री मतनाम
मिह वासी जीरा-जाजा राम पुत्र किरण राम वासी मोगा,
हरबन्ध कौर पत्नी हरचरत मिह वासी तलवन्डी नपाला
तहमील जीरा (अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार, ग्रलोक कुमार, विजै कुमार पुत्र
हंस राज पुत्र चुनी लाल, हंस राज पुत्र चुनी लाल पुत्र
वहादुर मल वासी फिरोजपुर (अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके, अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो अविक्त संपत्ति में नचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रदर्शन में कोई भी व्यक्तियों—

(क) इस मूच्चा के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर
गूवना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाया-20क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 3151, सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

बी० एस० दहिया
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्थर

दिनांक: 1-5-1980

गोप्ता:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्दर

जालन्दर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं 2112—अत. मुझे, वी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं ० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव लसाड़ा
तहसील फिल्लोर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय फिल्लोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अतरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अतिरिक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1)
अधीन, लिखित आविष्यां, अपति :—

१ श्री गुरबखण सिह पुत्र श्री मुन्दर मिह गाव लसाड़ा,
तहसील किल्लोर। (ग्रन्तरक)

२ श्री मनपाल हरवन्नम लाल रजिन्द्र कुमार मुपुन
मोहन लाल वासी नंगल तहसील फिल्लोर द्वारा गरीब दाम
पुत्र महगा गाम गाव अटा, तहसील फिल्लोर। (अन्तरित)

३ जैसा कि अपर नं २ में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४ जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उन्नत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं २५३४ सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी फिल्लोर ने लिखा है ।

वी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्दर

तारीख : ८-५-१९८०
गोप्ता

प्रलेप आई० दी० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निवेदण नं० ए० पी० नं० 2113—ग्रतः मुझे बी०
एस० दहिया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूल्य में लिखा है तथा जो
गांव लमाड़ा तहसील फिलौर में स्थित है (और इसमें उपा-
वन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जाधारा
(1) अधीन निरीक्षण दीर्घांत्रिम गवर्नर :—

1. श्री गुरवदेश सिंह पुल मुन्दर सिंह गांव लमाड़ा तहसील
फिलौर।
(अन्तरक)

2. श्री मत्त पाल, हरवन्स लाल, रजिन्द्र कुमार सपुत्र मोहन
लाल वासी नंगल तहसील फिलौर द्वारा श्रीमति रुक्मिनी
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रीमतीहस्ताक्षारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के मध्यन्द में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तदसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रीमतीहस्ताक्षारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुमूल्य

जाया कि विलेख नं० 2673 मितम्बर को रजिस्ट्री-
कर्ना अधिकारी, फिलौर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980
मोहन

प्रस्तुत आश्र्व. दी. पृ. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2114—अतः मुझे, बी० ए० म०
दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव भगाना तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्तम्बर,
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गांगा मिह पुन शीशात नाम एवा श्रीमति
भुरजीत कोरपाल्ट आगा मिह वासी फगवाड़ा। (प्रन्तरक)
2. श्री कन्धारा मिह प्यारा सिह, मल्क मिह सपूत्र
खड़क मिह गांव भगाना। (अन्तरिती)
3. जैमा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1020 सितम्बर 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ---

आयकांग अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं. ए. पी. नं. 2115—अतः मुझे बी. ए. स.
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
नारग-शाहपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1979
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोन मिह, जोगियड़ गिर, मुपुल उधम मिह
वासी नारगशाहपुर, पोस्ट ऑफिस हृदिबाद फगवाड़ा
(ग्रन्तरक)

2. श्री जगवार सिह पुत्र शाम मिह गंव नारगशाह-
पुर पोस्ट ऑफिस हृदिबाद फगवाड़ा (ग्रन्तरक)

3. जैसा कि नं. 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में श्री इस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं. 1233, मितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी. ए. स. दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 6-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2116—अतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

श्रीरजिसकी सं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो गली
किशोरी लाल मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

20—126GI/80

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी रुद्रिया
तहसील मुक्तसर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति उषा रानी पत्नी रमेश कुमार (2) नीलम
रानी पत्नी विजय मोहन मार्फत मैसर्ज दीप चन्द विजय
मोहन, राम बाजार मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीशीर्ष करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 2356, दिसम्बर 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख : 6-51980।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय पंडापक आयकर प्राधिक (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 217—अतः मुझे बी०
एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
सुनहरी रोड होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक
कारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन मोहन पुत्र रामनाथ कोठी नं० 3063 सेक्टर-
27 चण्डीगढ़/सुनहरी रोड होशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री फकीर चन्द्र पुत्र बन्ता राम मकान नं० बी-III
150/4 सुनहरी रोड होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है 'वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
फिसी अर्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि लिखेख नं० 2799, दिनांक सितम्बर, 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख : 6-5-1980।

मोहर :

प्रकृप प्राई० दी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1980

निवेश सं० ए० पी० 2118—अतः मुझे, बी० एस०

दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गली गोजल जीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में चार्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भल्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मिलखी राम पुत्र राजा राम, पूरन चन्द्र वासी 262 फिरोजपुर रोड लुधियाना मार्केत रविन्द्र कुमार पुत्र बाल किशन पुत्र मिलखी राम। (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार, अशवनी कुमार, रमेश चन्द्र सुपुत्र राज कुमार जीरा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3945 सितम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आजन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1980

मोहरः

प्रकृष्ट आहू. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निम्न सं. ए० पी० नं० 2119—अतः मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जबाहर बाजार शाहकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर
1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री साधु सिंह पुत्र करतार सिंह गांव वाली चरमरी
तहसील तकोदर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव बिहु गुरमेज बिहु सुखविन्द्र सिंह मुमुक्षु
दिलीप सिंह पुत्र अण्डा सिंह गांव बड़ान वाल तहसील
नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्त
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अङ्गाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उन व्यापार में
विया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1178 दिनांकसितम्बर 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाह कोट में लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))

अर्जन रज जालन्धर

तारीख : 8-5-1980 ।

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 2120—ग्रतः मुझे, बी०
एस० दहिया,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा
जो गाव लडाना क्षिका तहसील नवांशहर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) वा० अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतन सिंह पुत्र माया सिंह वासी गोन लडाना
क्षिका तहसील नवांशहर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री प्रेम सिंह पुत्र माया सिंह (2) अवतार सिंह
बहादुर सिंह सुपुत्र गुरदेव सिंह (3) विशना पुत्र
प्रेम सिंह वासी गांव लडाना क्षिका तहसील नवांशहर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस मूच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3210 सितम्बर 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया,
सभम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 9 मई 1980

मोहर :

प्रकृप आई० ई० एन० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० पी० नं० 2121:—यतः, मुझे, जे० एस० अहलवालिया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि इवाबर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो महल्ला मैहना, भटिणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त

सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री हरबन्स सिंह पुत्र महां सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी भटिणा।

(अन्तरक)

2. श्री बिशन दास पुत्र दयाल दास पुत्र भाना राम, 2239, मैहना महल्ला, भटिणा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त बाजार सम्पति में हितबद्ध किसी घम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 3328 दिनांक अक्टूबर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिणा में लिखा है।

जै० एस० अहलवालिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-80

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० पी० नं० 2122:—अतः, मुझे, जे० एस०

अहलुवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोठी नं० 80-आर०, माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री राधा किशन पुत्र छज्जू राम, वासी 80-आर, माडल टाउन, जालन्धर (मर चुका है) (अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कोर पत्नी गुरमेल सिंह, 80-आर, माडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि थार में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4467, सितम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एस० अहलुवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-80

मोहर :

प्रस्तुत प्राइ. टी. एन० एस०—
पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कर्यालय

जालन्धर दिनांक 14 मई, 1980

सं० ए० पी० नं० 2123:—यतः मुझे जै० एस० आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोठी नं० 80 आर० माडल टाऊन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख सितम्बर, 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्जह प्रतिक्रिया अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिय हर से उपर्युक्त नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं प्रत्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवृत्त:—

1. श्री राधा किशन पुत्र छजू राम वामी 80 और माडल टाऊन जालन्धर (मरचुका है)।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरमेज कौर पत्नी महिन्द्र मिह वामी 80-आर माडल टाऊन जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वीकृत है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ही प्रत्यधि या तत्स्वागती अविकार्यों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रत्यधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकार्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख न. 4438 सितम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० एस० अहलुवालिया
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 14-5-80

मोहर :

प्रृष्ठ पाईं ० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1980

सं० ए० पी० नं० 2124—यतः मुझे जै० एस०
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मकान नं० 151 (बी०-XI-45 बस्ती दानिश मन्दा जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

21—126GI/80

1. श्री राम उिह पुत्र नरेन सिंह वासी डब्ल्यु एन 151
बस्ती दानिशमन्दा जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी राम सिंह वासी डब्ल्यु
एन 151, बस्ती दानिशमन्दा जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है।)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लालौपेः—

- (क) इस दूसरी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस दूसरी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जैसा कि बिलेख नं० 5054 सितम्बर 1979 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० एस० आहलुवालिया
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः 24-5-80
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई, 1980

एस० ए० पी० नं० 2125:—यतः मुझे जै० एस०
आहलुवालीया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा
जो सनी साईड कपूरथला में स्थित है (और इससे उपायदृ
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप में कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री भारत द्वितीय पुस्तक विद्यालय, खुद अमरती
अन्तरक साईड सनी साईड दी माल कपूरथला
(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार, सुनील कुमार सुपुत्र हसन खाल
सामने डी० सी० बंगला जालन्धर रोड कपूरथला
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय रूप करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समांधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1904, सितम्बर 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

जै० एस० आहलुवालीया
सक्रम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-5-1980

ओहर:

प्रस्तुत आई. टी. एम्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 मई 1980

निवेश सं० ए० पी० नं०० 2126—यतः मुझे जे० ए०
आहलुवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
न्यू गरेन मार्कीट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
कृप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धब्ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को संपादा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सरस्वती देवी विधवा परभानन्द जी० क्यु-
36 पक्का बाग जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती चान्द रानी पल्ली किशोरी लाल 104 न्यू
गरेन मार्कीट जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयितां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० 4477 सितम्बर 1979 का रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० ए० आहलुवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14-5-80

मोहर :

प्रकल्प भार्ड० टी० एक० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2127—यतः मुझे, जे० एस०
आहलुवालिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सर-
कुलर रोड नई बालसीकी गेट जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरण (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की द्वापद्धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अपेक्षियों, अर्थातः:—

1. श्री बृज मोहन पुन राम चन्द, न्यू लक्ष्मी पुरा प्लाट

नं० 1 जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामा रानी पत्नी हरवन्स लाल पम्मी एन०
के० 422/423 जटपुरा जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रदृष्ट गम्भीर फदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रछायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रछायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4937 सितम्बर 79 को रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एस० आहलुवालिया
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-80

मोहर :

प्राप्त हो आई ० टी० एस० एस०—

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 16 मई, 1980

सं० ए० पी० नं० 2128:—यतः मुझे जे० एस.

आहलूवयलिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का लाभ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- है वे में अधिक है।
ओर जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फैट
नं० 14 इण्ड एरिया फगवाड़ा में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908
(1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृपित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रन्त, उक्त अधिनियम ने धारा 269-व के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र रामधन वासी जी० टी० रोड
फगवाड़ा
(अन्तरक)
2. श्री मैसर्स श्री गणेश रघुस वास और जनरल मिल
फ्लैट नं० 14 इण्ड० एरिया फगवाड़ा ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 ; है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में लूच रखता है।
(वह व्यक्ति, उपजनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
(जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधायार 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1159 दिनांक सितम्बर, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

जे० एस० आहलूवालिया
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16-5-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायज्ञ प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 16 मई, 1980

सं० ए० पी० न० 2129:—यतः मुझे जे० एस०
प्राहलूवालिया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय
से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
फ्लैट न० 14 इण्ड० एरिया फगवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नवम्बर
1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त अन्तरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या द्वन्द्व-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री अमर सिंह पुन रामधन वासी जी० रोड रोड
फगवाड़ा।
(अन्तरक)
2. मैसर्ज श्री गणेश रईस बाल और जनरल मिल फ्लैट
न० 14 इण्ड० एरिया फगवाड़ा।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित
मैं है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी न के पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

स्पष्टीकरण ।——इसमें प्रमुख शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
जैसा कि विलेख न० 1470 विनांक नवम्बर 1979
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, जालन्धर

तारीख 16-5-1980
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, 15 मई 1980

स० एस० एन० जी०/५१ ए०/कैप्प/७९-८०:—ग्रन्तः
मुझे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल सं 2 विगे 13 बिस्त्रे³ विस्वासी
है तथा जो कम्बो माजरा खुरद तहसील संगलूर में स्थित
है (जिससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगलूर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/79,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निए तत्पर आया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री सुचा सिंह पुत्र श्री खुशल सिंह निवासी कम्बो
माजरा खुरद जिला संगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री भजन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी गांव
कम्बो माजरा खुरद जिला संगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वृद्धि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षिया द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 विगे 13 बिस्त्रे 3 विस्वासी जो गांव क्षेत्रों माजरा खुरद, संगलूर में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगलूर के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 1720 सितम्बर 1979 में दर्ज है।)

सुख देव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, लुधियाना।

तारीख: 8-5-1980

मोहर:

प्रह्लप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई, 1980

सं० एल० डी० एच०/362/79-80—यतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० हिसा ईमारत नं० बी-XIX 909-2 है तथा
जो टैगोर नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितंबर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया विभिन्न प्रतिफल निम्नलिखित उक्त सम्पत्ति प्रस्तरण
सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
ब्रतान्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः इब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसार
में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धी
(1) के अवीम, निम्नलिखित विविधों, अर्थात्:—

1. श्री जय दीप सिंह (माईनर) पुत्र श्री गणपत्पुमन
सिंह द्वारा बर्जिदर एस० डी० सिंह माता व गाड़ियन
निवासी 73 सैक्टर 9-डी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रत्नजीध कौर पत्नी श्री अब्दुल सिंह निवासी
किसाना बिल्डिंग, राजपुरा रोड लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई योग्य प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रम्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हितबद्धकरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया
किया है।

अनुसूची

हिस्मा ईमारत नं० बी-XIX2-909/2, क्षेत्रफल 202 वर्ग
गज, टैगोर नगर लुधियाना। (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं०
2929 सितंबर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-5-1980

मोहर:

प्रक्षेप आई० ८०० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269वा (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, तदात् प्राप्ति वा. १५१ (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आयकर भवन, नुधियाना

नुधियाना, दिनांक 15 मई, 1980

सं० पी०टी०ग०/४२३/७९-८०/कम्पलैन्टः—यह: मुझे,
सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को प्रारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, पूर्ण रूप से उक्त अधिनियम का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति शान्ति मूल्य २६,०००/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 318/3, है तथा जो फील
खाली रोड, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1979
को पूर्णकृत सम्पत्ति के आधार व्यवाय सूचने कम के दृश्यमान
प्राप्ति के अन्तर्गत नहीं दिया गया है योरु मुझे यह विवरण करने
का कारण है कि यापूर्वीकृत अस्तित्व वा जाति गूढ़, उक्ते
दृश्यमान प्रतिफल में, एम दृश्यमान प्राप्ति का पूर्वह प्रतिशत
अधिक है पौर अन्तरक (भास्तरका) योरु प्राप्तियाँ (अन्तरिक्षियों)
के बीच इसे अन्तरण के साथ वापाया गया प्रतिकूल, निम्नान्तरण
नहीं या उक्त अन्तरण विवित वास्तविक काय से कृषिय महीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से इन विसी रात न गया। उक्त अधिनियम के अन्तर्गत इन के अन्तर्गत के दायित्व
में कमी करने वा उससे बचने में विविध के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी घन या अन्य आवेद्यों
को, जिन्हे तारीख १५-५-१९८०, १२२ (1922 का १११ वा अधिनियम, ना० ४४-कर
अधिनिया०, १९५८, १९५७ का २१) के प्रयोजन पूर्व
नस्तार्ता द्वारा दहा किया गया था या किया
जाना चाहिये वा इसका के लिए;

अतः अब, इन विविधों की वाया २६९-वा अधिनियम
में, उक्त अधिनियम को गया २६३-वा की उपाया (1) के
अधीन विनान्तरण अविक्षयों, अवैति:—
22—१२६ GL/80

1. ईशर मिह पुत्र श्री सरनाम सिह द्वारा जनरल
अटारनी श्री रंजीत मिह पुत्र श्री ईशर सिह निवासी
गुरु नानक गली, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री माधू मिह पुत्र श्री खालीला मिह निवासी चान्दनी
चौक वेहारा रोड, पटियाला और श्री जसवन्त सिह
पुत्र श्री माधू मिह निवासी लोयर माल रोड,
पटियाला।

(अन्तरिक्षी)

3. श्री सुरजीत मिह मिस्त्री पुत्र श्री किरपाल सिह
निवासी २७०/३, चान्दनी चौक, पटियाला या मकान
नं० ३१८/३, फल खाली रोड, पटियाला।

श्रीमती केसर कौर, पत्नी श्री ईशर सिह, गुरु नानक
गली, पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

प्रक्षेप नं० ११२ के सम्बन्धतः इन दो शास्त्रोपः—

(ल) इस सम्बन्धतः इन दो शास्त्रोपः की तारीख से ४५
दिन की प्राप्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
का दर्शाव ८०० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती है, के भावात पूर्वावत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस प्रभाव के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पात्र
विविध रूप किये जा सकेंगे।

प्रधोहस्ताकरण:—इन्हें प्रयुक्त गद्दों और गदा का, वो उक्त
अधिनियम के मध्यांग २०-के परिवारित
त, रहो रहे होंगा, जो उप अध्याय में विवा
गया है।

प्रमुखसूची

मकान नं० 318/3, जो फील खाली रोड, पटियाला
में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी)
पटियाला के कायलिय के विलेख संख्या नं० ३२७०, सितम्बर
1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नुधियाना

तारीख : 15-5-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं. चण्डीगढ़/233/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इकल पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ग के प्रधीन मूल्य प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थानीय मम्पति, जिमका उचित बाजार मूल्य २३,०००/- ८० में पर्वत है

और जिसकी सं. रिहायशी प्लाट नं. १३४५ है तथा जो सैकटर ३४-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है ((और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे उक्त विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पतिकल से, ऐसे दृश्यमान पतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया, पतिकल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तित्व रूप से स्थित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर ८० के सैकटक के कार्यालय में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी उत्तरण पर्याय यादियाँ को जिसके आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धृति अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदान नहीं हुया गया या किया जाना शहिर ८०, छिं १ में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्राधानयम को धारा 269-ग की उल्लासः (1) के प्रधीन, निम्ननिवित अधिकारी, वर्षातः :-

(1) सकै. ली० अशोक कुमार सेतीया पुत्र स० वलराज कुण्डल सेतीया निवासी ३६/३५, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री साधू सिंह पुत्र श्री नरोता सिंह गांव बड़ाकबाला घड़शां, तहसील खरड़ जिला रोपड़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाऊं करके पूर्वोक्त मम्पति के अज्ञन के लिए कार्यवादियाँ पूरु जरण हुए ।

उक्त मम्पति के प्रज्ञन के पद्धति में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन भी अवधि या तस्मान्यसी अविकल्पों पर उत्तरां का तामील में ३० दिन की अवधि, जो भी अन्तर तात्रे में अमान्य शीतों हो, ए भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविकल द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हिताब्द दिनों तथा व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एप्लीकेशन :—एन्स पर्याय शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, तभी पर्यायोग, और उस प्रधान्य में विद्य गया है ।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं. १३४५ सैकटर ३४-सी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या १३६२, सितम्बर १९७९ में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लूधियाना

दिनांक : 15 मई, 1980

मोहर :

प्रका० १० टो०एस०प०५०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सहायक भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/219/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 54 है तथा जो सैकटर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तावत की गई है और मुझ यह इस सफरने का कारण है कि व्यापूर्वकता सम्पत्ति पर उक्त बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल म.एस. दृष्यमान प्रतिफल का उक्त प्रतिक्रिया से अधिक ३ घात गत्तरक (गत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रतिक्रिया त्रिक्षित में बास्तविक रूप से कायस नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय भन्ना तीर्ता द्वारा उक्त उक्त नहीं, या गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री बलराम दत्त पुत्र श्री बोध राज दत्त, 178-डी शिलमिल कलोनी शाहदरा दिल्ली-32, द्वारा जनरल पावर आफ आटारनी श्रीमती प्रबेश वृत्ता पत्नी श्री मंगत राम वृत्ता निवासी 1267 सैकटर 21-बी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर दास भण्डारी पुत्र श्री वाबू लाल 2175, सैकटर 27-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो फरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए नारंगाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत नं० १११ में कोई भी आक्त —

(क) इन सूचना के राजपत्र व प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन का अवधि या नस्तबधी अवधियों पर उक्त तथा तामील में ३० दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद व समाप्त होती है, के भीतर (१९८८ अक्टूबर में) किसी आक्त द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र व प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू रिमी अन्य अवधि द्वारा, प्रधोहस्तानी व या प्रतिवित भूमि में किये जा सकेंगे।

संबोधन—इसमें उपर्युक्त गोर्ं वा पदों का, जो उक्त गोर्ं वा पदों का अधिकारी २०-के मा प्रभावित है, उक्त वर्ष द्वारा जा उक्त अध्याय प्रदिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 54, सैकटर 33-ए, चण्डीगढ़ ।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेव संख्या 1256, सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुभवण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, वर्णातः—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/221/79-80—यतः भुजे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1145 है तथा जो सैक्टर 34-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्नसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रशाप्ति तत्त्वात् वा उचित बाजार
मूल्य, उम्मीद दृश्यमान प्रतिफल, एवं उचित दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त संपत्ति
के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्दर आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष (1) के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम वाली धारा 269-ष (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

(1) कैप्टन द्वारका नाथ आनन्द पुत्र श्री हीरा नंद आनन्द
निवासी बी-72-ए शक्तरपुर एक्सटैनसन, दिल्ली-51
(अन्तरक)

(2) श्री हाजारा सिंह पुत्र श्री छोटा सिंह, निवासी
1145, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस नूर्जा, उक्त संपत्ति की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्नसूची

प्लाट नं० 1145, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1269, सितम्बर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लूधियाना
लूधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश स० डेरा बसी/64/79-80—यत्, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
भारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि म्पावर मम्पास्त, जिसका उचित
बाज़—मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 70 बीघे है तथा जो गाव
बरताना तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अन्यस्वामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्टूबर 1979

को पूर्वोन्नत सम्पत्ति उचित गाव मूल्य से कम के
दृष्टिभाव प्रतिकाल के लिए अनुरित की गई है और मुझे
यह विश्वास उनके का १००% कि एकांतर्कृत सम्पत्ति
को उचित गाव मूल्य, या १००% प्रतिकाल के
दृष्टिभाव प्रतिकाल के १००% प्रतिकाल से अधिक है और
अन्यरक (भन्नरकों) और अन्यरित (भन्नरितियों) दो बीच
में प्रत्यरोग के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित
दोष से उक्त अनुरित लिखित में वास्तविक रूप से उचित
महों किया गया है :—

(क) प्रत्यरोग से हुए किसी पाय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्यरक के
उत्तिष्ठ में कमों करने या उसमें भी मुविद्धा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय का जो उक्त अधिनियम, 1922
का (१९२२ का ११) १९२२ अधिनियम, 1922
के प्रयोगार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः श्रव्य उक्त अधिनियम का छारा 269-व के
अनुसरण में मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व
की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदार सिंह उर्फ सरदारा सिंह, अर्जेंब सिंह,
बाबू सिंह, लाभ सिंह उर्फ भाग सिंह पुत्र श्री
मनुषा सिंह निवासी बरताना तहसील डेरा बसी
जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह, सेवा सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर
सिंह व श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री अरुर सिंह निवासी
मनी भाजरा यू० टी०, खण्डीगढ़ ।

(अन्तर्विती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अंतर्वित
के लिए शार्यवाहियी हरना ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के मंबद्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
भूमि की नामीन स ३० दिन की अवधि,
जो भी प्रवधि था उसकी अवधि द्वारा, अधोहस्ता-
धरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे;

(ख) इस सूचना के गतिविधि में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में इनकाल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
धरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—ठार्डै प्रयुक्त शारीओं पर, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर २०-वा में परिवारित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 70 बीघे जो गाव बरताना, सब तहसील
डेरा बसी, जिला पटियाला ।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी
के कार्यालय के विलेख संख्या 810, अक्टूबर 1979 में
दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० नाभा/140/79-80—अतः ममे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इमर्गे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संधार प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से पर्याप्त है।

और जिस की सं० भूमि खेतफल 4 कनाल 5 मरले हैं तथा जो नाभा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पूर्वानु इमर्गे के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित का गई है और ममे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल म ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ठानु प्रतिगत अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से सहज पर्याप्त विविध में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरग से दुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन 269-व के प्रस्तरके वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें वार्ताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोरनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिसमे में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रस्तरण मे, उक्त अधिनियम जो गारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत :—

(1) श्री हंस राज, कुलवंत सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी नजदीक ग्रेन मार्कीट मलेरकोटला रोड नाभा।

(प्रस्तरक)

(2) श्री बलैती राम पुत्र श्री राम जी दास श्री केवल कुण्ड पुत्र श्री बलैती राम निवासी बी० के० ओ०, नवीन बस्ती, नजदीक सिनेमा रोड, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानु सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के संबंध में कोई भी धार्षण :—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वार्दी व्यक्तियों पर मूल्यानु की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर युवांकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकरणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पा अधिकृत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनसूची

भूमि खेतफल 4 कनाल 5 मरले, नाभा में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1550 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्ररूप मार्फ़ाटी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/234/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 1868 है तथा जो सैक्टर 22-बी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या दृश्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

आ: अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

(1) श्री मोहन लाल पुत्र श्री शिवसरन दास निवासी
124/2 लोअर माल, शिमला।

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत कुमार खुल्लर पुत्र श्री हरवंस लाल
खुल्लर निवासी मकान नं० 1868 सैक्टर 22-बी
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री सैमसन बैकनार्ड
श्री नंद लाल

निवासी मकान नं० 1868 सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1868 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1372 सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रमुख पाइल ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 अ(1) के अन्त में

। लृप्त

शार्यनिति, द्वाष्टाव आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० अमलोह/94/79-80—अतः मुझे, मुख्यदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘‘ निरीक्षण’’ जैग गया है), की धा० 16-ख के अधीन सबम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरचना जिसने उक्त आयकर मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिस की स० भूमि क्षेत्रफल 2 बीघे 12 बिस्त्रे है तथा जो गाँव नसराली, नहसील अमलोह में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1979 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आयकर व्यवस्था से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष जो १६८ लौह और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि प्रतिवर्षीय सम्पत्ति तो उचित रागार भूमि, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल म, ११ दृश्यमान प्रतिफल का उच्चन् प्रतिशत से प्रतिशत अतः उत्तरक (अन्तरको) और अन्तर्निती (अन्तर्निती) के भावों से अवधारण के लिए उपयोगया जाए । अतः निरीक्षण उक्त आयकर के वास्तविक व्यवस्था से उक्त अन्तरण निरीक्षण वास्तविक व्यवस्था से अवधारण की जाएगी ।

(क) अन्तरण से हीर्छे किसी व्यवस्था की बाबत उक्त अन्तरण के अधीन कर अन के अन्तरक के दायित्व में देखा करने या उससे बचने वे अन्तरण के लिए; १०८/१

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, उत्तर भारतीय उत्तर अधिनियम, 1923 (1923 का 17) उक्त अधिनियम, या घन उत्तर अन्तरण 17 (1 का १) के अनुसार अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं हुए गया या यह द्वारा दृश्यमान नहीं हुए था, जिसमें सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा १५-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की शारीर 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निरीक्षित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री हरचन्द सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह, निवासी गाँव नसराली, तहसील अमलोह ।

(अन्तरक)

(2) श्री महर सिंह, प्रीतम सिंह, शिंदर भिंह, श्री गामं सिंह, पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, श्री शेर सिंह, श्री केहर सिंह पुत्र श्री अछर सिंह निवासी गाँव रसलुरदा तहसील समराला । मार्फत गुरु अंगद स्टील डंडस्ट्रीज, खजा ।

(अन्तरिक्षी)

को यह भूमि, जागे रुक्त पूर्वीन मम्पति के अन्तर्न के लिए कार्यपादियां रखा है ।

उक्त सम्पत्ति के बाबत न सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(अ) यह सूचना के गतावध में प्रकाश जो अरोप्य १५ दिन की अवधि या नसंबंधी अक्तियों पर सूचना को तहसील में ३० दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रबाध हो जाए, उसका भोता भूमि १५ दिन में से १५ दिन वार्ता की जाए ।

(ख) इस सूचना के गतावध में प्रकाशन को आदीश से १५ दिन के रीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किमी अग्र अवधि द्वारा अद्वैताभारी के पास लिखित में १५ दिन जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त वर्बदों और पदों का, जो उक्त व्यक्तियों के भूमि व्यापार २००५ में परिवर्तित है, वही अर्थ होगा, जो उस व्यापार में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघे 12 बिस्त्रे, गाँव नसराली अमलोह ।

(जायवाद जैमा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1099 सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

मुख्यदेव चन्द्र
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रधान प्राई. टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचका

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तवा (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक, 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/265/79-80—अत मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिस की सं० एन० 81 है तथा जो सेक्टर 33-ए
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—126 GT/80

(1) कैप्टन हरनाम बिहू गोदके पुन श्री कृष्ण सिंह
गांधीन निवासी बी-1-53-I, गफारेंग एन्टलेव
नई दिल्ली-16।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार सचदेव पुन श्री गज कुमार
सचदेव मकान नं० 1175-सेक्टर 22-वी चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितव्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अठाय 23-ए में परिभाषित
है, गही भर्य होगा, तो उस अव्याय में दिया
गया है।

अनुसन्धानी

एन० 81 मैटर 33-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैमा ए रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेय संघरा नं० 1645 अक्टूबर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रचलित आई०टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीय, सहायक प्रायकर श्रावुक (निरोक्ता)

अर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० नण्डीगढ़/244/79-80—अतः मुझे सुन्दरदेव
चन्द

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 2404 है तथा जो सैक्टर
35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में हमों हरने या उपरे बचते में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगतार्थ अन्तरितो द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जग जीत सिंह भला पुत्र श्री एम० एस० भला
निवासी 170/3, जी० बी० डी० लाईनज दिल्ली
केट द्वारा स्पैशल अटारनी श्री प्रेम सागर भाटिया
पुत्र श्री बलबीर सिंह भाटिया निवासी 3592
सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) डा० बलबीर सिंह भाटिया पुत्र दोलत राम
भाटिया निवासी मकान नं० 2404, सैक्टर
35-बी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2404 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के लिलेख संख्या नं० 1422 सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रावुक (निरोक्ता)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निकेश सं० लुधियाना/353/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रवीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० 38 एफ है तथा जो सराबा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रद्द इसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मारिन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी 40-एफ, सराबा नगर लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह अटालय पुत्र, श्री कावल मिह निवासी बासंत चिला, दिवान निहाल चन्द रोड सिविल लाईन लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर स्थानि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साठोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 38-एफ सराबा नगर लुधियाना

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2870 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सभम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

सभम प्राधिकारी

अर्जन रेज लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ए० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, आपकरभवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/241/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से
प्रधिक है

और जिमकी स० प्लाट न० 2509 है तथा जो सैक्टर 35-सी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पृष्ठ ८५ पे तर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी (1908) (1908) T 16
न अप्रीन, 1 दिनांक सितम्बर 1974
को दूसरी भूत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के निए प्रतिकूल का गई है और मुझ यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा दूसरी भूत का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिकूली
(अन्तरीयों) के बीच ऐसे विवरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विवरण में
वास्तविक रूप से कषित नहीं लिया गया है:—

(क) अन्तरक में हुई किसी भाव की वादत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घटन या अस्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
व्यवोजनाये प्रतिकूली द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी बात वाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—

(1) ग्रुप कैफ्टन जी० जे० शाह पुत्र श्री देव जी० जे०
शाह निवासी जे-87, मकेत मालवीया नगर
ग्रामटेनशन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह लैहल पुत्र श्री जीवा सिंह व
श्रीमती दलजिन्दर कोर लैहल पर्सी श्री जोगिन्दर
सिंह निवासी मकान नं० 2621, सैक्टर 22-सी
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधि या स्वतंत्रता व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि वाद में
समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध
किसी अस्य व्यक्ति द्वारा ग्राहोहन्ताकामी के नाम लिखित
में किए जा सक्ते

स्पष्टीकरण:—इसमें दूसरा शब्दों और पश्चे रु, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
बचे होगा, जो उा प्रधानमें दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट न० 2509 सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ ।

(आयदाद जैमा वि: रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1415 सितम्बर 1979 में
दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक: 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/215/79-80---प्रत: मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और जिसकी मूल्य

प्लाट नं० 3264 है तथा जो सेक्टर 35-डी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुमूल्य में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रामपाली किधवा श्री वी० एल० आहुजा
2. श्री कैलाश चन्द्र आहुजा, 3. श्री अशोक कुमार
आहुजा पुत्र श्री वी० एल० आहुजा व श्रीमति
कमलेश चावला पत्नी श्री एस० पी० चावला व
श्री पी० के० आहुजा पुत्र श्री वी० एल० आहुजा
आप खुद व जनरल आटार्सी दूसरों की निवासी
एस० सी० एफ० 101, मार्किट, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री वलेयती राज पुत्र श्री हवेली राम व श्रीमती
कृष्णा रानी पत्नी श्री वलेयती राज निवासी
3328, सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसपूर्णी

लाट नं० 3264 क्षेत्र 253.5 वर्ग गज सेक्टर 35-डी,
चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 1231, मितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन घृणा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक: 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/232/79-80—प्रत: मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट न० 2317 है तथा जो
सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ५ कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तीरित की गई है और मुझे यह विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (अंतरकों) और पन्नारिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण लिखित में
आस्तिक रूप दे कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के बायित्य में कमो
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए। आय

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रत: आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री जगजीत मिह पुत्र श्री दरबारा सिंह निवासी
गंव व डाकखाना खुदपुर जिला जालन्पर डारा
स्पैगल अटारनी श्री जगतार सिंह निवासी
मकान नं० 3371 सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तर्क)

(2) श्रीमती हरमिन्द्र पत्नी श्री जगतार सिंह निवासी
उदयपुर सौक्य तरीपुरा द्वारा स्पैगल पावर
आफ अटारनी श्री एम० एस० ग्रवाल पुत्र श्री
मुर्जन सिंह निवासी मकान नं० 1054 सैक्टर
27-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तर्क्ति�)

को यह सूचना जाये करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों बाता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तरसंर्थकी अविक्तियों पर मूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
आद में स गम्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकृशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 2317 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या न० 1356, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर :

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, प्रायकर भवन, लुधियाना।

लुधियाना, दिनांक: 15 मई 1980

निदेश भं० लुधियाना/380/79-80—प्रत: मुझे, मुख्देव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को प्रारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मूल्यनि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० बी-XX/611/सी, है तथा जो गुरुदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्वर्ती प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रूप से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल निए और/या;

(ख) ऐसी किमी प्राय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें प्रारंभी प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या राज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की प्रारा 269-ब के अनुसर में, उक्त अधिनियम 'को प्रारा 269-ब की उक्तांक (1) के अधीन, निम्नलिखित वर्णना, अधीत:—

(1) श्री राजपाल पुत्र नमू राम निवासी गिरसन मिल फिरोजपुर रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री चुनी लाल पुत्र श्री बाजा राम, जगा० राम पुत्र श्री केसर राम गुलबु० राम पुत्र त्रियाणा० राम, गुरमुख सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, शिंगांचा० राम पुत्र श्री मोती० राम, गिरधारी लाल पुत्र श्री मलिक चन्द, पुरन चन्द पुत्र श्री खुशाल चन्द, जै लाल राम पुत्र श्री हृपा० राम, मुलतान राम पुत्र श्री लाल मिह, खरंती० राम पुत्र श्री सरदारी लाल, मुना० राम पुत्र श्री कृपा० राम सारे निवासी 101/1, जवाहर नगर लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यम में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रारंभीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-XX/611/सी, गुरुदेव नगर, तरफ कारा वारा, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3042, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

मुख्देव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

महाया० प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० शिमला/52/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्र 370.06 वर्ग गज है तथा जो
नौरथ बैंक इस्टेट, सरकुलर रोड, स्टेशन बार्ड, शिमला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक फरवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया पत्रिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में रखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ग्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

- (1) कंवर तारा सिंह, बकील, न्यू लैण्ड, शिमला
(श्रव वामी भकान नं० 56 सेक्टर 10-ए, चण्डीगढ़)
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती अरुणा ओवरग्राम पत्नी श्री आर० पी०
ओवरग्राम, निवासी ग्राट लोज बेनमोर, शिमला-2
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृसताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अडायम 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान्य में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 370.06 वर्गगज जो नार्थ बैंक इस्टेट,
सरकुलर, रोड, शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के
कार्यालय के विलेख मंडपा नं० 103, फरवरी 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-5-1980

मोहर :

प्रलेप १६६ दी० एन० ८३०—

अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन जनना

मारा ।

साधारण, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश मं० चण्डीगढ़/243/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), जी व्हारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्रायिकारी हो, गढ़ विश्वास तरते का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, नियमका उचित वारार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है।

और जिस की मं० मकान नं० 3089 है तथा जो मेक्टर
21-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कायलिय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979
को पूर्वोत्तर रम्पैन दे उक्ति राजा-रम्पैन के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पति का उक्ति वाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह याया
गया प्रतिफल, निम्नविविध उद्देश्य से इस अन्तरण लिखित में
प्रतिरित रूप से लिखित नहीं हो रहा है।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व म
कमी करने या उसमें व्यवो में सुविधा के लिए;

स/ट

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ प्रास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की व्हारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की व्हारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, ग्रन्थातः—

24—126GI/80

(1) श्री जी० एस० सरदाना पुत्र श्री जे० आर०
सरदाना निवासी 3089 मेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) १ श्री प्यारे लाल पुत्र श्री पुष्प राम
२. श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री प्यारे लाल
द्वारा श्री हजारा राम निवासी 1300, मेक्टर
18-मी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

(3) श्री एस० क० सरीन निवासी 3089, मेक्टर 21-डी,
चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त नियम संगीते
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त नियम के अन्तर्गत नियम में कोई भी आक्षेप—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45
दिन की सबृद्धि या सत्यांकधी व्यक्तियों पर सूचना को
गमीन से 30 दिन की सबृद्धि, जो भी सबृद्धि बाद में
प्रमाण द्वारा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मध्योद्धस्ताभरी के पास लिखित
किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम
के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही वर्ण
द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

मकान नं० 3089, मेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद्र जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कायलिय के विलेख संख्या 1421, मितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्रम प्रायिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रकृष्ट धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
233-ए (1) व वाप॑ सुचना

भारत प्रकाश

कार्यालय, महायज्ञ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/240/79-80—प्रतः, मुझे, सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि उच्चार मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1351 है तथा जो सेक्टर
34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृथमान प्रतिफल से ऐसे दृथमान प्रतिफल का
उन्नत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से नहिं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वित्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं; और/या

(1) कैप्टन चमन लाल भागपाल पुत्र श्री कुण्ठ लाल
भागपाल निवासी 1013 सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़
द्वारा जनरल पावर आफ आटारनी श्रीमती
कमलेश सिंगला पत्नी श्री सोहन लाल सिंगला
निवासी 1148, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल पुत्र श्री चिरंजी लाल निवासी 1023,
सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षियां होता;

(ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षियां द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1351 क्षेत्रफल 338 वर्ग गज सेक्टर 34-सी,
चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1402, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासिलर्डों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किसामें
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिमित्त विवितियों, अपर्याप्त:—

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

बरुप आई० टी० एम० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
२६७-प्र (1) के पार्श्व सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, संधि याना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० घण्टीगढ़/248/79-80—पत्रः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के प्रधान सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1255 है तथा जो
सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रोर इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 79 को
पूर्वोक्त प्रधान के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांशुभांश से आधक है और
अन्तर (प्रांशुरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बाब्त
ऐसे उत्तरण के लिए तृष्णा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अध्यरण से हुई किसी भ्राता की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अस्तरीय दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की संपादना (1) के अधीन, विस्तरित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

- (१) श्री डी० सी० ननिक पुत्र श्री साहिव राम मलिक
आई० एन० एस० हिमगिरि मारफत एक० एम०
ओ० बम्बई-I द्वारा आटारनी श्री कामेश्वर प्रसाद
नट्याल पुत्र श्री पी० डी० नट्याल निवासी
मकान नं० 3054, सैकटर 27-डी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

- (2) श्रीमती विमला नट्याल पत्नी श्री कमेश्वर प्रसाद
नट्याल निवासी 3054, सैक्टर 27-डी, चंडीगढ़।
(अनुप्रिति)

- (3) श्री बी० एस० दाता निवासी 1255/33-सी,
चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) श्री सूरत सिंह, 2. श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी श्री सूरत सिंह रावत निवासो 3054, सैक्टर 27-धी, घण्टीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पढ़ मूलना जारी करके इवाकिन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ हराता है।

उक्त सम्बन्ध के अंत में सम्भव है काइ भी प्राप्ति :—

- (क) इन सूचना में राजपत्र म प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रवधि या भत्सरधी अविनियोग पर सूचना की तारीख ग 30 दिन की प्रवधि, तो भा प्रवधि बाद वे समाप्त होते हो, के भीतर यूवोश अस्तियोग म से किसी अविन द्वारा;

- (ख) इन पूर्वता ने राजस्व म पकागत को तारो ३ से ४५ दिन के भोतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मे डिटबैड किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्तावरा ५ पास लिखित प्रक्रिया आ सकेंगे।

सहजी सरग — इनमें प्रयुक्त गद्दा और रौंझे का, जो उसा अधिनियम के उद्धार इनके परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

अमृसची

रिहायशी प्लाट नं० 1255, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1449, अक्टूबर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
रश्मायुक्त (निरीक्षण)
पर्जन रेंज, लृष्णियाना

दिनांक : 15 मई 1980

भीहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/247/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2156 है तथा जो सैक्टर 35-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर 79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधर्ता:—

(1) श्री निहाल सिंह चौधरी पुत्र चौधरी के हरी सिंह
निवासी ए-4, रिंग रोड, नारायण, नई दिल्ली
द्वारा स्वीशल पावर आफ आटारनी श्री मेहर चन्द
मित्तल पुत्र श्री ठाकुर लाल, मकान नं० 158,
सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री देवराज वांसल पुत्र लाला श्रीराम निवासी
मकान नं० 2156, सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बष्ठ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2156, सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1448, अक्टूबर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अंतर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गवर्नर चायकर गवर्नर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/339-ए/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सन्ति प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
कि या प्राप्त नियति, जिवन उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी न० बी XX-653/2 क्षेत्रफल
2000 वर्ग गज है तथा जो तरफ काग बारा, तहसील लुधियाना
पखोवाल रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यार्डवांड प्रतिक्रिया का
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिकर का
पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
गाया गया प्राप्ति नियतिविन उद्देश्य ने उन्न प्रत्यरूप विविन
में वास्तविक रूप से उपलब्ध नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यरूप न हुई किसी प्राय का गवर्नर, उन्न प्रधि-
नियम के प्रतीकर कर दें के प्रत्यरूप के वायित्व में
जीपी करने पा उसमें वचों में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसो किसी प्राय पा किसी भा या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उन्न प्रधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो गारा प्रहृ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्न प्रधिनियम, न० धारा 269-व के प्रत्यरूप
में, मैं, उन्न अधिनियम को धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, नियतिविन व्यक्तियों, प्रर्यातः—

(1) श्रीमती शकुन्तला रानी डाण्डा पत्नी श्री मंगत
राम डाण्डा श्रीमती प्रेम डाण्डा पत्नी श्री बाल
कृष्ण डाण्डा निवासी बी XX-653/2, पखोवाल
रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहर लाल जैन (जे० एन० जैन) पुत्र श्री
हेम राज कर्ता (एच० पू० एफ०) 2. श्रीमती वनीता
जैन पत्नी श्री जवाहर लाल जैन निवासी बी-XIX
152-2, सेठ सोहन लाल जैन, महारानी झांसी
रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोषः—

(क) इस सूचना के गवर्नर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तन्मन्देधि व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अप्रधि, और भी
प्रवधि बाद में गमाप्त जीती हो, के भीता पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोऽस्ताक्षरो के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्न प्रधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० बी XX-653/2 क्षेत्रफल 2000 वर्ग गज तरफ
कारा बारा पखोवाल रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के बिलेख संख्या 2794, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप भाईंटी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/242/79-80—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-थ के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी 1 प्लाट नं० 1658 है तथा जो
सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 9/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, पर्यातः—

(1) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री सरदारा सिंह 72/एच-
ब्लाक, श्री गंगानगर (राजस्थान)।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष मितल पत्नी श्री प्रेम चन्द मितल
मारफत मैसर्ज देस राज अधोक, कलाप
मर्चेण्ट मैन बाजार, दोहाना, जिला हिसार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी होने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तक सम्बन्धी अक्षितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रत्येक होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1658, सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।
(आयवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय में विलेख संख्या 1417, १ सितम्बर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आक्षय आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 : मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० लुधियाना/427/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'सकू अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-
स के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 480 वर्ग गज है तथा जो
तरफ गेहलाबाल नजदीक मेजर गुरदियाल सिंह रोड, सिविल
लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार से उत्पन्न होने के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मोती राम पुत्र श्री मामू मल पुत्र आत्मा
राम मारफत अग्रवाल आयरन और स्टील
कारपोरेशन ओवरलोक रोड, मिलिर गंज,
लुधियाना द्वारा जैती प्रसाद गोपल पुत्र श्री
शाम लाल गोपल निवासी 1835/3, रागो
माजरा, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री अमोलक राम पुत्र श्री
तिलक राम निवासी मकान नं० दी-10-373,
राहीम तुल्सा रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 480 वर्गगज जो तरफ गेहलाबाल नजदीक
गुरदियाल सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना
के कार्यालय के थिलेख संख्या 3379, अक्टूबर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकृति आई०टी०एन०एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत मरला०

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेंग सं० राजपुरा/116/79-80—अतः मुझे, मुख्यदेव
चन्द

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' रहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिम्मी मं० घाट नं० 3 क्षेत्रफल 833-1/3 वर्ग गज है तथा जो टाउनशिप नं० 2, राजपुरा टाउनशिप में स्थित है (और इसमें उपावड़ ग्रन्तियाँ में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के भार्यालय राजपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपरे दृश्यपान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (परंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकरण तिम्चिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने गा उसमें वर्णन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अपासियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत; त्र्य, उक्त प्रतिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के व्यक्तियों, अपर्याप्ति—

(1) श्री दरभिन्दर निह पुत्र श्री अवारार सिंह स्पैशल एटोरनी प्रिवेटलिमिटेड एंड श्रीमती प्रदीप कौर परतीश्वी ग्रामी इलाह, 60, श्रीगंगाराम (राजस्थान)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विपता देवी कौशल पत्नी श्री सोम नाथ कौशल पुत्र श्री रामजी दाम निव सी विश्वन नगर, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्द में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रत्यं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

घाट नं० 3 क्षेत्रफल 833-1/3 वर्ग गज, टाउन शिप नं० 2, राजपुरा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख सं० 2181, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सभाम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रस्तुत आर्ह. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/237/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 3 वीधा माथ में विलिंग है तथा जो गांव
पलसोरा, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री जोगन्द्र मिह डिलों पुत्र श्री चंचल सिंह
मकान नं० 659 सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़
(अन्तरक)

(2) श्री नाभ मिह पुत्र श्री निरजन मिह निवासी
गांव व डाम्बाना बड़हरौ, यू० टी० चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

(3) श्री मेवा मिह दोधी
2. उजागर मिह निवासी मकान नं० 11 गांव
पलसोरा यू० टी० चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 वीधा भूमि में मकान गांव पलसोरा, यू० टी० चण्डीगढ़
(जायदाद जैमा नि; रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डीगढ़
कार्यालय के विवेद संख्या नं० 1390, मितम्बर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 20 मई 1980
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/246/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 548 तथा जो सैकटर 33 बी चण्डीगढ़ में स्थित है (ओर इसमें उपादान अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ऋणित नहीं हिया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई हियो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दापिल्स में कभी करने या उसमें बताने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री स्वप्रवर्जीत मिह पुत्र श्री अनूप मिह निवासी 1-46 कालका जी, नई दिल्ली द्वारा स्पैशल पावर आफ श्राटारनी श्री सुखदेव भट्टा, गाँव भौंर उफ जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मुलब्र राज धिण्ड पुत्र श्री रखा राम सी-156, दया नन्द मार्ग, जयपुर (राजस्थान)

(अन्तरिती)

(3) श्री गुरमेल मिह भट्टा कार्यकारी अधिकारी, अन्तरिता, सी० पी० छिकीजन 548/33-बी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रकाशनी व्यक्तियों पर सूचना की नापील से 20 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 548 थोकफल 1014 वर्ग गज सैकटर 33-वी चण्डीगढ़।

(ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोख संख्या नं० 1443, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रलेख अर्डोंटो०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनाव, 15 मई 1980

निदेश स० चण्डीगढ़ /413/79-80—अत मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1926 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीशन तर्फ प्राधिकारी वैवायिक चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात्वाविन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुर्ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

(1) श्री महगा मिह पुत्र श्री राम मिह द्वारा अटार्नी श्री जगदीप मिह रत्नवाला पुत्र श्री हरसा सिंह निवासी 1395 सेक्टर 23-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री कपमीर सिंह भूलर पुत्र मरनेन सिंह सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट (जुडिशियल), फाजिल्का (पंजाब)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12326 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीशन तर्फ प्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2150, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निकेश सं० चण्डीगढ़/217/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2851 है तथा जा० 22-सी, चण्डीगढ़ से स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9/79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरसरजीत सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह गांव व डाकखाना मलोद, जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्री काहन चन्द नैयर पुत्र श्री हुक्म चन्द निवास 2851 सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।
2. श्री रमेश चन्द निजावन पुत्र श्री मदन गोपाल निवासी 2760 सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

(3) श्री कुन्त लाल नाल्ला।
श्री मदन लाल नेठी निवासी मकान नं० 2851, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2851 सैक्टर 22-सी चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1253, सितम्बर 1979 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/220/79-80—प्रत. मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट न० 1550 है तथा जो सेक्टर
36-डी, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के घास्तविक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगिकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कौ० कौ० पुत्र श्री लेट प० ज० एम०
कौ० द्वारा स्वेच्छन प्रटारनी श्री वी० एस० गिल
निवासी 1550/36-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरित)

(2) श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी
गाँव दाढ़ुपुर डाकघासा मजीठा अमृतसर अब
1550 सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरित)

(3) श्रीमती मीरिया, विद्यार्थी श्री वी० एस० गिल
और श्री गुरदियाल सिंह ग्राफ बुक बाड टी
कम्पनी सारे निवासी 1550 सेक्टर 36-डी०
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 1550 भेकफल 1014 वर्ग गज सेक्टर
36-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के लिए संख्या न० 1265, सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़ / 294/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि खावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० 198
है तथा जो सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें
उत्तरांचल प्रशासनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
ट्रॉफी-रो के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमो यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1)) श्री मनोहर लाल पुत्र लोरीदा राम व श्री महिंद्र
कुमार पुत्र श्री केशो राम निवासी 11, सेक्टर
15-ए, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हाफिज मुहम्मद हनीफ, सेयद अहमद
मुहम्मद अनीफ पुत्र श्री अब्दुल गाफूल, एस० सी० ओ०,
198 सेक्टर 7, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्ज नावलटी बेकरी, एस० ओ० 198
सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रान्तसूची

एस० सो० ओ० नं० 198 सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1710, नवम्बर 1979
में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक: 17 जून 1980

निदेश नं० ए० पी० नं० 2144--प्रत: मुझे बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है। तथा
जो सटा बाजार, रामपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय कूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से किथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
गों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, सकूल अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र हुक्म चन्द्र पुत्र तुलसी
राम मारफत तुलसी राम हुक्म चन्द्र विरयाना
मरचंट कूल बाजार रामपुरा।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती दम्पते जिण्डल पत्नी डा० डी०
वै० जिन्दल, जिन्दल कल्निनिव सटा बाजार,
राम पूरा;

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनूसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैमा कि: विलेख नं 2-84 दिनांक:
सितम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कूल में लिखा
है।

बी० ए० म० दहिया,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक: 17 जून 1980

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st May 1980

No. A.12019/1/80-Adm.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an ad-hoc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1-6-1980 to 31-8-1980, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Smt. Sudha Bhargava.
2. Shri Chand Kiran.
3. Shri J. N. S. Tyagi.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th June 1980

No. D-53/68-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation is pleased to relieve Shri D. Bagchi, Dy. Supdt. of Police to join on deputation National Textile Corporation (M.P.) Ltd. in the post of Manager (Vigilance) with effect from the forenoon of 15-4-1980.

The 6th June 1980

No. B-46/65-Ad.V.—On attaining the age of superannuation, Shri B. R. Nana Rao, Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation has retired from service with effect from the afternoon of 30-4-1980.

No. M-52/65-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to relieve Shri M. M. Narendranath, Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation in the afternoon of 31-5-1980 to join on deputation Indian Tourism Development Corporation as Security Officer.

Q. L. GROVER
Administrative Officer(E)

DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110001, the 5th June 1980

No. D.J. 19/78-ESTT.—Consequent on their permanent absorption and confirmation in the rank of Dy. S.P./Coy. commander w.e.f. 25-9-1978 in the I.T.B.P., the following Dy. Ss P/Cov Commanders of CRPF (Presently on deputation with the ITBP) are accordingly struck off the strength of CRPF :—

1. Shri D. K. Sharma..
2. Shri N. Thangalyan.
3. Shri M. R. Kashyap.
4. Shri Ompal Singh.

The 6th June 1980

No. P.VII.2/76-ESTT.—Shri Mohan Dhalwani who was appointed to officiate as Section Officer on ad-hoc basis is reverted to the grade of Office Superintendent w.e.f 30-10-79 (AN).

No. D.I.18/79-ESTT.—Consequent on his appointment as Dy. S.P. on deputation with Mizoram Government, the services of Shri Bhanwar Singh, Dy. S.P. of CRPF are placed at the disposal of Mizoram Government w.e.f. 9-5-1980 (PN).

No. O-II-1450 '80-ESTT.—Shri Gian Chand Sharma was appointed to officiate as Section Officer on ad-hoc basis from 7-1-80, to 16-3-80 against leave vacancy. He will revert to the grade of office Superintendent w.e.f. 17-3-80 (PN), on Shri Gaie Singh's joining duty after expiry of leave.

K. R. K. PRASAD
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th May 1980

No. 11/29/78-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mohan Singh, a Senior Technical Assistant (Statistics & pricing) in the Department of Agriculture and co-operations, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the forenoon of 25th April, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Singh will be at New Delhi.

No. 10/32/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Prasad, Section Officer, in the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director, in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation with effect from the forenoon of 1st January, 1980, until further orders.

2. His headquarters will be at New Delhi.

3. This issues in supersession of this office notification No. 10/32/79-Ad.I, dated 18-1-1980.

No. 10/41/79-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Dr. K. P. Ittaman, Research Officer in the Ministry of Social Welfare and at present working as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on deputation basis, as Officer on Special Duty (Scheduled Caste & Scheduled Tribe) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25th April, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Dr. Ittaman will be at New Delhi.

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Satya Prakash, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 22nd April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarter of Shri Satya Prakash will be at New Delhi.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Satya Prakash any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director (Programme). The services rendered by him on ad-hoc basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for the eligibility for promotion to any next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL
POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 4th June 1980

No. 15011/3/79-Estt.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Abhijit Gangopadhyay, formerly Psychologist in the Vocational Rehabilitation Centre for Physically handicapped, (Ministry of Labour) is appointed as Reader in Behavioural Sciences (Group-B Gazetted) in the SVP National Police Academy Hyderabad in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 840-40-1000 FR-40-1200, and other allowances as admissible under the Central Government rules, w.e.f. 27-5-1980 F.N. and until further orders.

R. K. ROY,
Director

**MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL**

Hoshangabad-461 005, the 31st June 1980

No. PD-3/2475.—In continuation of this office Notification No. PD. 3/1071, dated 30-4-1980, the officiating period of Shri S. K. Anand Asstt. Works Manager is hereby extended upto 14-6-1980 against the leave vacancy of Shri Joy Peter, Asstt. Works Manager.

S. R. PATHAK
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA**

Trivandrum, the 2nd June 1980

No. Fst/A/VII/9-86/Vol.II/41.—The Accountant Central, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Section Officers—(Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each until further orders :—

1. Shri V. K. Krishnan Nampoothiri (Proforma)—28-5-80 A.N.
2. Shri N. V. Ramakrishna Iyer—28-5-80 A.N.
3. Shri G. Lakshmanan—30-5-80.

N. P. HARAN
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 30th May 1980

No. Admn.I/PF-VPD/79.—Consequent upon his permanent absorption in the services of National Thermal Power Corporation Ltd., as Deputy Finance Manager w.e.f. May 1, 1979, Shri V. P. Dawar a permanent Accounts Officer of this Office is retired from Government service w.e.f. 30-4-1979 Afternoon. The retirement benefit and other benefits will be admissible to him as per terms and conditions contained in the Statement received with CAG's letter No. 971-GE.II/114-79, dated 23-4-1980.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 3rd June 1980

No. 9/80/A/E-1(NG)/80.—The D G.O.F. is pleased to accord ex-post-facto approval to the appointment of the undermentioned Superintendents (promoted from Assistants as Assistant Staff Officers (Group 'B') Gazzeted in an officiating capacity on ad-hoc basis for the period shown against each:—

Sl. No.	Name	From	To
1.	Shri Samarendra Nath MITRA (since retired)	1-3-68	31-7-72
2.	Shri Biswanath CHATTERJEE (since retired)	1-3-68	30-4-69
3.	Shri Shambhu Nath SINHA (since retired)	1-3-68	5-10-69
4.	Shri Krishna Chandra BHATTACHARJEE (since retired)	1-3-68	9-1-75
5.	Shri Dharam Chand VERMA (since expired)	1-3-68	21-10-69

Sl. No.	Name	From	To
6.	Shri Dhirendra Prasad SRIVASTAVA (since retired)	1-3-68	15-6-70
7.	Shri Ale Hasan (since retired/expired)	1-3-68	4-12-70
8.	Shri K.A.V. LINGHAM (since retired)	1-3-68	14-5-73
9.	Shri Manorajan BHATTACHARJEE (since retired)	1-3-68	31-1-70
10.	Shri Govind Ch. BHATTACHARJEE (since retired)	1-3-68	27-5-77
11.	Shri Manmohan Lal NANDA (since expired)	1-3-68	9-1-75
12.	Shri Amulya K. GHOSH CHOWDHURY (since retired)	1-3-68	30-9-71
13.	Shri Rabindra Nath BOSE (since retired)	1-3-68	24-3-71
14.	Shri Prakash Ch. DUTTA (since retired)	1-3-68	22-11-68
15.	Shri Hara Pada CHOWDHURY (since retired)	1-3-68	29-4-75
16.	Shri Hari Bhushan GHOSH	1-3-68	30-1-72
17.	Shri Pafulla Nath SANYAL (since retired)	1-3-68	19-4-73
18.	Shri Tirtha Prasad BAGCHI (since retired)	1-3-68	6-2-72
19.	Shri Kanai Lal MUKHERJEE (since retired)	1-3-68	30-1-82
20.	Shri Hari Pada CHATTERJEE (since retired)	1-3-68	2-7-72
21.	Shri Mahendra Nath MOITRA (since retired)	1-3-68	9-5-70
22.	Shri Silananda BRAHMACHARI (since retired)	1-3-68	31-12-74
23.	Shri Pulin Behari GHOSH (since retired)	1-3-68	4-10-72
24.	Shri Satyadatra NAG (since retired)	1-3-68	27-5-77
25.	Shri Gopal Ch. DASGUPTA (since retired)	1-3-68	19-4-73
26.	Shri Timir Ranjan DUTTA (since retired)	1-3-68	6-5-73
27.	Shri Amulya Ranjan BOSE	1-3-68	27-5-77
28.	Shri Nirmal Chandra SENGUPTA (since retired)	1-3-68	4-11-73
29.	Shri Bhupati Bhushan BISWAS	1-3-68	5-12-73
30.	Shri Santi Kumar BANERJEE (since retired)	1-3-68	27-5-77
31.	Shri Rajeswar MITRA (since retired)	1-3-68	31-12-74
32.	Shri Kshirode Lal SENGUPTA (since retired)	1-3-68	30-4-77
33.	Shri Amarendra Nath CHOWDHURY (since retired)	1-1-68	27-5-77
34.	Shri Pravash Kumar MUKHERJEE (since retired)	1-3-68	30-6-74
35.	Shri Krishna Lal DEBNATH (since retired)	1-3-68	27-5-77
36.	Shri Suresh Ch. BANERJEE (since retired)	1-3-68	31-8-70
37.	Shri Kali Pada MUKHERJEE (since expired)	1-3-68	2-5-77
38.	Shri S. SIVASANKARAN (since retired)	1-3-68	31-1-76
39.	Shri Narayan Das CHAUDHURY (since retired)	1-3-68	27-5-77

Sl. No.	Name	From	To	Sl. No.	Name	From	To
40.	Shri Subodh Ch. CHAUDHURY (since retired)	1-3-68	31-12-73	78.	Shri Sabitansu Prakash GOSWAMI . . .	13-12-73	27-5-77
41.	Shri Guru Prasad MAZUMDAR (since retired)	1-3-68	30-11-75	79.	Shri Parimal Ch. BOSE (since retired)	13-12-73	31-8-75
42.	Shri Sunil Kumar DUTTA (since retired)	1-3-68	30-11-74	80.	Shri Shiv Chandra SARKAR (since retired)	14-12-73	27-5-77
43.	Shri Bhabani Prasad DUTTA (since retired)	1-3-68	31-1-73	81.	Shri Benoy Bhushan CHOWDHURY . . .	11-1-74	27-5-77
44.	Shri Nalini Mohan CHATTERJEE . . .	1-3-68	27-5-77	82.	Shri Dillip Kumar MITRA (II)	14-12-73	27-5-77
45.	Shri Subodh Kumar MITRA (since retired)	1-3-68	31-10-73	83.	Shri Pramode Chandra ROY (since retired)	14-12-73	27-5-77
46.	Shri Sudhir Ch. BOSE . . .	1-3-68	31-7-68	84.	Shri Barindra Nath GHOSH	14-12-73	27-5-77
47.	Shri Patit Paban JANA (since retired)	1-3-68	31-12-74	85.	Shri Dharendra Nath SAHA	14-12-73	27-5-77
48.	Shri Bipulendra Nath MITRA (since retired)	1-3-68	27-5-77	86.	Shri Ramani Ranjan NAG (since retired/expired)	14-12-73	31-1-77
49.	Shri Byomkesh MANIK . . .	1-3-68	27-5-72	87.	Shri Adhir Kumar BOSE (since expired)	14-12-73	14-10-75
50.	Smt. Atreyee MAJUMDAR . . .	1-3-68	26-12-74	88.	Shri Ajit Kumar DEB . . .	14-12-73	31-10-75
51.	Shri Jibon Krishna BANERJEE (since retired)	14-8-68	31-1-74	89.	Shri Krishan MOHAN (since retired)	1-1-74	27-5-77
52.	Shri Bibhuti Lal BANERJEE (since retired)	14-8-68	31-7-69	90.	Shri Jogesh Ch. ROY (since retired)	11-1-74	30-9-75
53.	Shri Narendra Mohan GANGULI . . .	14-8-68	31-12-73	91.	Shri Jogesh Ch. SEN (since retired)	11-1-74	27-5-77
54.	Shri Raghunath DAS GUPTA	14-8-68	27-5-77	92.	Shri Manoranjan ROY (since retired)	11-1-74	31-8-74
55.	Shri Shital Ch. Majumdar . . .	14-8-68	31-7-73	93.	Smt. Ranu RAJAGOPALAN (since retired)	11-4-74	27-5-77
56.	Shri Anileswar MUKHERJEE (since retired)	11-11-68	31-12-73	94.	Shri Sushil Ch. ROY	28-2-74	27-5-77
57.	Shri Mahima Ranjan GHOSAL (since retired)	10-12-68	31-12-76	95.	Shri H.B. SEN SHARMA	20-8-74	27-5-77
58.	Shri V. Venkiteswaran (since retired/expired)	10-12-68	30-11-74	96.	Smt. Banalata MAJUMDAR (since retired)	20-8-74	27-5-77
59.	Shri V. KAILASAN . . .	6-10-69	27-5-77	97.	Shri Tulsi Charan DAS (since retired)	20-8-74	27-5-77
60.	Shri Parbati K. GOSWAMI . . .	6-10-69	27-5-77	98.	Shri Sushil Kumar DAS . . .	9-9-74	27-5-77
61.	Shri Ananda Mohan GHOSH (since retired)	6-10-69	29-2-76	99.	Shri Sunil Kumar SENGUPTA	20-9-74	27-5-77
62.	Shri Hamtosh Kumar NATH (since retired)	6-10-69	31-7-75	100.	Shri Kalidas GUHA (since retired)	10-10-74	27-5-77
63.	Shri Animesh DAS GUPTA (since retired)	2-12-69	27-5-77	101.	Shri Narayan GANGOPADHYAY	7-8-74 2-12-74	27-10-74 27-5-77
64.	Shri Nirmal Ch. DAS . . .	15-12-69	27-5-77	102.	Smt. Jyotsna SEN . . . (since retired)	2-12-74	27-5-77
65.	Shri Radha Raman CHATTERJEE . . .	25-6-70	30-9-70	103.	Shri Balaram PAIN . . .	2-1-75	27-5-77
66.	Shri Prasanta Kumar MALLICK	18-8-70	27-5-77	104.	Shri Sudhir Ch. DAS (since retired)	2-1-75	27-5-77
67.	Shri Sadhana Behari SARKAR (since expired)	25-9-70	12-8-74	105.	Shri Rabindra Nath HAZRA (since retired)	2-1-75	31-8-76
68.	Shri Mohini Mohan KAR (since retired)	30-9-70	30-11-70	106.	Shri Priya Gopal GOSWAMI	29-5-75	27-5-77
69.	Shri Ranjit Kumar DAS . . .	14-12-70	27-5-77	107.	Shri Amiya Kumar BASU	29-5-75	27-5-77
70.	Shri Probhat Ch. NATH (since retired)	1-4-71	30-6-76	108.	Shri S.N. BISWAS . . .	13-6-75	26-1-76
71.	Shri Ganesh Lal GANGULI (since retired)	1-4-71	31-7-73	109.	Shri Amal Kumar SAHA	13-6-75	26-1-76
72.	Shri Bibhuti Bhushan CHOWDHURI . . .	13-12-73	27-5-77	110.	Shri Sisir Kumar CHAKRAVORTY	1-9-75	27-5-77
73.	Shri Kalika Prasad SUKUL . . .	13-12-73	27-5-77	111.	Shri Biswa Ranjan GUPTA . . .	13-6-75 2-8-75	31-7-75 27-5-77
74.	Shri Santosh Kumar SEN (since retired)	13-12-73	27-5-77	112.	Shri Lakshmi Narayan SAMANTA . . .	5-7-75 4-11-75	29-9-75 27-5-77
75.	Shri Manik Lal GANGULI (since retired)	13-12-73	27-5-77	113.	Shri Sudhir Kumar Dutta (since retired)	5-7-75	27-5-77
76.	Shri Ram Narayan Pd. DEO	13-12-73	27-5-77	114.	Shri Dalip SEN . . .	4-11-75	27-5-77
77.	Shri Nirmalaya Bhushan CHAKRABORTY . . .	13-12-73	27-5-77				

2. Financial effect arising out of the above appointments will be admissible from 1-1-1973 in terms of Ministry of Defence letter No. PC II. 9 (30)/68/IV/D (Fy) dated 27-9-75 as amended vide their letter No. PC. II. 9 (30)/68/IV/D (Fy) dated 16-12-75.

3. This Directorate General Gazette Notifications No. 13/76/G dated 13-2-1976 as amended vide Gazette Notification No. 51/76/G dated 19-7-76, 15/76/G dated 13-2-1976, 27/76/G dated 17-4-1976, 48/76/G dated 14-7-76 and 49/76/G

dated 14-7-76 may be deemed to have been modified accordingly.

D. P. CHAKRAVARTI
Asst. Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 31st May 1980

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/1332/80-Admn(G)/3444.—The President is pleased to appoint Shri K. Prakash Anand, formerly Joint Secretary in the Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Commerce), New Delhi as Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 12th May, 1980 until further orders.

MANI NARAYANSWAMI,
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 4th June 1980

No 6/1247/78-Admn(G)/3433.—On attaining the age of superannuation Shri D. P. Borkar, officiating Controller Class-II, relinquished charge of the said post in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 30th April, 1980.

P. C. BHATNAGAR,
Dy Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

**DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSION
Bombay-20, the 5th June 1980**

No. 18(1)/77/CLB. II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No 15(2)/67-CLB, IIIB, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 9 the existing entries shall be substituted by the following entries namely :—

I Additional Director of Industries and Commerce and ex-officio Additional Registrar of Industrial Co-operatives, Bangalore	6, 6C, 7A, KARNATAKA 8 and 8A
---	-------------------------------

No CLB I/1/6-G/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71, dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification against S. No 9 for the existing entries the following shall be substituted namely :—

- | | |
|--|---|
| (i) The Additional Director of Industries and Commerce and Ex. Officio Additional Registrar of Industrial Co-operatives, Bangalore | 12(6), 12(6A),
12(7A), 12(7AA),
12(C) & 12E |
| (ii) Director of food and Civil Supplies in Karnataka, Bangalore | -Do- 12(7A) & 12(7AA) |

M. W. CHEMBURKAR
Jt. Textile Commissioner

**MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 7th June 1980

No 12(56)/61-Admn.(G).—The President is pleased to dismiss Dr. Nau Nihal Singh, Deputy Director (Industrial Management & Training) in Small Industry Development Organisation from Government service with effect from the forenoon of 14th November, 1979, *vide* the Deptt. of Industrial Development Order No. 16/3/76-Vig., dated 14th November, 1979.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)**

Calcutta-700 016, the 4th May 1980

No. 4316B/A-32013/AO/78-80/19A.—Shri P. B. Samaddar, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29-4-1980 until further orders.

The 5th June 1980

No. 4345B/A-19012(Artist-IBB)/80-19A.—Shri Indu Bhushan Banerjee, Superintendent (D.O.) Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-5-80 until further orders.

The 6th June 1980

No 4362B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—Shri M. C. Gauri, Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st March, 1980, until further orders.

V S KRISHNASWAMY,
Director General

**INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 5th June 1980**

No. A.19011(61)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri I. G. Agarwal, Deputy Ore Dressing Officer to the post of Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 7th May, 1980.

No. A.19011(63)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri N. A. Subramanian, Deputy Ore Dressing Officer to the post of Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th May, 1980.

No. A.19011(210)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Amanullah, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th May, 1980.

No. A.19011(211)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. N. Deo, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th May, 1980.

No. A.19011(277)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Rao, Asstt. Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th May, 1980.

The 6th June 1980

No. A.19012(98)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased

to appoint Shri S. B. Gaikwad, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 13th May, 1980.

The 7th June 1980

No. A-19011(119)/76-Estt.A.Vol.IV.—The termination of ten of Shri K. P. Singh in the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines, having been accepted by the Ministry on his being absorbed in the Western Coal Field Ltd., Nagpur in the post of Deputy Superintending Geologist, his name is struck off the strength of this Department with effect from 31st January, 1979 (A/N).

S. V. ALI
Head of Office

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 5th June 1980

No. A-20012/81/70-Exh.(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. C. Barkataky a permanent Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity to officiate as Field Exhibition Officer on *ad hoc* basis in Field Exhibition Unit (F.W.) Ahmedabad of the same Directorate w.e.f. the forenoon of 3-5-1980.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advtg. & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th June 1980

No. A.12026/29/79(SJH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Miss Heena Mehta to the post of Dietician at the Safdarjung Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 12th May, 1980, on *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND
COOPERATION)
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 24th May 1980

No. F. 3-3/76-Estt.(I).—Shri P. B. Dutta, Artist (Senior) is promoted to officiate as Chief Artist, Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Co-operation) on *ad hoc* basis from 21-4-1980 to 21-6-1980 vice Shri Ishwar Chandra Chief Artist, proceeded on leave.

B. N. CHADHA,
Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 5th June 1980

No. A. 19023/46/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Amritsar, Shri Rajesh Azad handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 29-5-80.

No. A. 19023/64/78-A-III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group 'B'), Shri S. V. Krishnamurthy, who is working as Marketing Officer (Group I) on the *ad-hoc* basis, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group

I) on regular basis at Madras with effect from 24-5-80, until further orders.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration
For Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 6th June 1980

No. AMD-8(1)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. Madhava Rao, Assistant Security Officer in the Atomic Minerals Division as Security Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 22-5-1980 to 30-6-1980 afternoon vice Shri S. R. Sundaram, Security Officer granted leave.

The 7th June 1980

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. G. Solanki, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 4, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri E. U. Khan, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. L. Sharma, Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. Bhattacharya, Scientific Assistant 'C' (Physics) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri I. A. Sheikh, Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. S. Verma, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. N. Choubey, Foreman (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. R. Khan, Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. Peter, Technical Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

No. AMD-4(2)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. G. Mukherjee, Foreman (Mining) as Scientific Officer/

Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

The 9th June 1980

No. AMD-1/23/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ramakant Purohit as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 19, 1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer

**DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION**

Bangalore-560 025, the 22nd April 1980

No. 10/5 (37)/79-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space to posts as indicated against each with effect from the forenoon of April 1, 1980 in an officiating capacity and until further orders:

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted	Post & Grade to which promoted
1.	Shri A.G. Yuvasena	Foreman (Elec)	Engineer-SB
2.	Shri S.B. Yadav	Draughtsman-E (Elec)	Engineer-SB

R. S. SUBRAMANIAN
Administrative Officer-I

Bangalore-560025, the 5th May 1980

No. 10/5(6)/80-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote Shri N. K. Warrier, Draughtsman-E of the Civil Engineering Division, Department of Space, Thumba, Trivandrum to the post of Engineer-SB with effect from the forenoon of April 1, 1980 in an officiating capacity and until further orders.

M. P. R. PANICKER, Administrative Officer-II.

**MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**
New Delhi-3, the 4th May 1980

No. E(1)00830/SFS-244.—The President has been pleased to approve proforma promotion to the post of Meteorologist Grade I with effect from 29-12-79 of Shri C. V. V. S. Rao, Meteorologist Grade II, in the India Meteorological Department, while he was on deputation with the Central Ground Water Board.

S. K. DAS
Additional Director General of Meteorology
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th June 1980

No. A.32014/4/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Asstt. Aerodrome Officers for a period of six months with effect from the dates mentioned against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Date	Station of posting
1.	Shri M. S. Rawat,	17-5-1980	Varanasi.
2.	Shri M. C. Edbore,	14-5-1980	Jamnagar.
3.	Shri A. C. Jassal,	21-5-1980	Nagpur.
4.	Shri D. K. Jain,	14-5-1980	Ahmedabad.
5.	Shri R. Sampat,	25-5-1980	Madras.
6.	Shri Gurumukh Singh,	14-5-1980	Bhopal.
7.	Shri Shyamal Sen Gupta,	14-5-1980	Dum Dum.
8.	Shri B. B. Das,	14-5-1980	Varanasi.

The 6th June 1980

No. A.38013/1/80-EA.—Shri B. G. Sindhi, Senior Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi retired from Government service on the 31st May, 1980 (AN), on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI,
Dy. Director of Adminn.

New Delhi, the 31st May 1980

No. A. 32Q13/9/73-E.I.—The President has been pleased to appoint on transfer on deputation Wg. Cdr. K. K. Babu an Officer of the Indian Air Force, as Examiner of Flying in the Civil Aviation Department with effect from 31-3-1980 for a period of one year in the first instance.

No. A-38012/1/80-E.I.—Shri H. D. Krishna Prasad, on retirement voluntarily from Government Service under F.R. 56 (K), relinquished the charge of office of the Regional Director, Bombay, on the 31st December, 1979 (Afternoon).

C. K. VATSA,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 7th June 1980

No. A.12025/2/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Kumar in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer with effect from 17-5-1980 (FN), and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi until further orders.

No. A. 39012/4/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. Chandramouli, Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay with effect from 5-4-1980 (AN).

No. A.32013/1/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri J. L. Suri, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis with effect from 9-5-80 (AN), and to post him in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi vice Shri N. R. N. Iyengar Technical Officer deputed for Hindi Training.

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 14th May 1980

No. 1/80.—Shri D. P. Manjunatha, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 7-5-1980 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA,
Collector of Customs

**DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

New Delhi, the 30th May 1980

No. 1/112/69-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Gupta a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (C.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300 (Plus usual allowances) with effect from 7th May 1980 F.N. on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri O. P. Gupta is pleased on probation for a period of two years w.e.f. 7th May 1980 (F.N.).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Director of Admn.

**MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
E. Veeraiah and Company (Overseas) Private Limited
(In liqu.)*

Hyderabad the 29th May 1980

No. 534/Liqn.—Whereas E. Veeraiah and Company (Overseas) Private Limited (In liquidation) having its registered office at Chilakaluripet, Guntur Dist., A.P. is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of account required to be made by the liquidator has not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Sec. (4) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956, notice is hereby given that on the expiration of three months, from the date of this notice the name of E. Veeraiah and Company (Overseas) Private Limited (In liquidation) unless cause is shown to the contrary be struck off the Register and the company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
United Construction Company Limited (In Liquidation)*

Hyderabad the 29th May 1980.

No. 672/Liqn.—Whereas United Construction company Limited (In Liquidation) having its registered office at Jubilipura, Khammam is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of account required to be made by the Liquidator has not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Sec. (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956, notice is hereby given that on the expiration of three months, from the date of this notice the name of United Construction Company Limited, unless cause is shown to the contrary be struck off the Register and the company will be dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. M. C. Mehta & Company, Private Limited.*

Bombay, the 28th March 1980

No. 7789/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. M. C. Mehta & Company Private, Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA,
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Khas Chalbalpur Colliery Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 23029/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Khas Chalbalpur Colliery, Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Columbia Graphophone Company of India Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 14345/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Columbia Graphophone Company of India Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tarun Industries Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 23390/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Tarun Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shri Prakash Private Limited*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 24255/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Shri Prakash Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Asian Corporation Private Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 19947/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Asian Corporation Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bharat Properties & Firms Limited.*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 12355/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bharat Properties & Firms Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. G. Kumar Private Limited*

Calcutta, the 4th June 1980

No. 20896/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the G. Kumar Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. C. Choudhuri Hard-ware, Private Limited.*

Calcutta, the 6th June 1980

No. 19403/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the S.C. Choudhuri (Hardware) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIREAN
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Alfa Electricals Private Limited.*

Cuttack, the 5th June 1980

No. SO-775/3790(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Alfa Electricals Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bharat Engineering and Machinery Equipment Private
Limited.*

*M/s. Bharat Engineering and Machinery Equip-
Cuttack, the 5th June 1980*

No. SO/837/792(2).—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bharat Engineering and Machinery Equipment Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL,
Registrar of Companies, Orissa

FORM ITNS

(1) S/Shri Mangal Chand, Phool Chand, Ram Kanwar
sons of Shri Musadi Lal R/O Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Pashad S/O Sh. Bhagwan Dass Aggarwal, 433/XV-4, Purani Anaj Mandi Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Rohtak

Rohtak, the 31st March 1980

Ref. No. HSR/14/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 433/XV, Purani Anaj Mandi, Hissar., situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being shop No. 433/XV-4 situated in Purani Anaj Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2105 dated 6-9-1979 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 31-3-1980,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/S Shambhu Nath Chemicals & Allied Industries Ltd 12th Floor Hindustan Times House, 18-20 K G Marg, New Delhi
(Transferor),
(2) M/S Damaco Packaging (P) Ltd, 111 Manjusha, 57 Nehru Palace, New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No BGR/30-79-80.—Whereas I, G S GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Factory plot No 86 Sector 25, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—126GI/80

Property being factory plot No. 86, Sector 25, situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 6110 dated 29-11-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh,

G S GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date 1-4-1980
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 1st April 1980

Ref. No. DLI/14/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot measuring 470 sq. yards situated at Panipat and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in November, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kanchan Arora, Atal Tea Estate, Darjeeling (Transferor)
- (2) Sh. Autar Singh Chawla, G. 17, Bali Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 470 sq. yards situated at 17-R Model Town, Panipat and as more mentioned in sale deed registered at No. 562 dated 28-11-1979 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak,

Date : 1-4-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwant W/O Shri Ramji Dass, R/O Sanatan Dharam Mandir, Nuh, Distt. Gurgaon.
(Transferor)

(2) Shri Pritam Chand S/O Sh. Atma Ram R/O H. No. 3/141, Rohtak.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April, 1980

Ref. No. RTK/27/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 342 sq. yards, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rohtak in November, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Property being land of plot measuring 342 sq. yards situated at DLF colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3292 dated 23-11-1979 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 1-4-1980.

See 1:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S/Shri Tej Ram, Deep Chand S/O Shri Naurang,
Vill Barri
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sagar Chand Garg & Sons, Through Sh Sagar
Chand Garg S/O Jawahar Lal, Sonepat
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1980

Ref No SPT/16/79-80—Whereas I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Agricultural land measuring 59 kanal 4 marla in vill situated at Barri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being agricultural land measuring 59 Kanal 4 marla situated in Vill Barri and as more mentioned in the sale deed registered at No 3938 dated 7-11-79 with the Sub Registrar, Panipat

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date 14-80.
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Devi Dayal S/O Shri Gopi Ram S/O Shri Shanker Dass Caste Arora, R/O H. No. 3 Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) M/S. Auto Leaf (India) partner Sanjeev Kumar Sareen R/O M/S, Industrial Area, Sonepat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 1st April 1980

Ref. No. SPT/15/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building on Plot No. E-59, Industrial Area, situated at Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Sonepat on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property being Factory Building on plot E-59, Industrial Area, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3881 dated 5-11-79 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 1-4-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Rajainder Goyal & S/o Shri Kastur Chand, 93,
Street No. 3, Central Town, Jullundur City.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Panju Shah Puran Chand, Ambala City.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
Rohtak, the 17th April 1980

Ref. No. AMB/10/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in property No. 858, Block 6, Patti Jatan situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amb'l in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being 1/3 share in property No. 858-A, Block 6, situated at Patti Jatan (Ambala City) and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3133 dated 25-9-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-4-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Son Mohinder Pal s/o Shri Kastur Chand,
R/o Old Jail Road, Faridkot.
(Transferor),

(2) M/s Panju Shah Puran Chand, Ambala City.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**
Rohtak, the 17th April 1980

Ref. No. AMB/11/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Property No. 858-A, Block 6, Patti Jatan situated at Ambala City (and more fully described in the schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in property No. 858-A, Block 6 situated at Patti Jatan (Ambala City) and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3263 dated 27-9-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharmendar Goyal s/o Shri Kastur Chand
Goyal, R/o Old Jail Road, Faridkot.
(Transferor)

(2) M/s Panju Shah Puran Chand, Ambala City.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17 th April 1980

Ref. No. AMB/12/79-80 —Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/3rd share in Property No. 858-A, Block 6, Patti Jatan situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in Property No. 858-A, Block 6 situated at Patti Jatan (Ambala City) and as described more in the sale deed registered at No. 3360 dated 4-10-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Rohtak

I, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1980
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 17 th April 1980

Ref. No. BGR/15/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 2 marla in situated at Sarai Khawaja

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Sept. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Sh. Krishan Chand Candiok S/O Sh. Ramesh Chand R/O 7/21 Daraya Ganj, Delhi.
- (2) Sh. Dinesh Chand S/o Sh. Ramesh Chand
- (3) Smt. Geeta Sahni W/O Sh. Ved Parkash through Sh. Krishan Chand.
- (4) Sh. Rakesh Chand Candiok S/O Smt. Daya Wanti.
- (5) Smt. Sunita Beri W/O Sh. Ravinder Kumar.
- (6) Smt. Mukh Pal W/O Sh. Ravi Kant R/o R-271, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Shabudeen S/O Sh. Bashuruddin S/O Shri Hazi Kurdi, R/O 2609 Churi Walan, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanal 2 marlas situated in Sarai Khawaja and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 4156 dated 4-9-1979 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-4-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—126GI/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

[Rohtak, dated the 22nd April 1980

Ref. No. SRS/61/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 104 kanals situated at village Kutta Budh (Sirsa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhag Singh s/o Shri Buta Singh s/o Shri Bahadur Singh, R/o village Kutta Budh Teh. & Distt. Sirsa. (Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh s/o Shri Bachitar Singh, R/o Village Kutta Budh Teh. & Distt. Sirsa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 104 kanals situated in village Kutta Budh in Teh. Sirsa and as mentioned more in the sale deed registered at No. 4194 dated 30-10-1979 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 22-4-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Jeewan Dass, House No. 726, Model Town, Karnal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, dated the 3rd May, 1980

Ref. No. KNL/27/79-80:—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 726, Model Town situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at of the Registering Officer at Karnal in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Kartar Singh Turner s/o Shri Bhim Singh Turner, R/o 77, New Police Lines, Sector 26, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 726 situated in Model Town, Karnal and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3353 dated 1-9-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-5-1980.

Seal :

FORM ITN9

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 22nd May, 1980

Ref. No. JND/1/79-80—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Eight shops with 1761 sq. yds., situated at Near Patiala Chowk Jind (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in Sept 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi w/o Late Shri Pyare Lal R/o Jind.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Nand Kishore s/o Shri Ram Lal, Goldsmith, Jind.
- (ii) Shri Banarsi Dass s/o Shri Bhagmal Teacher, S.D. High School, Jind.
- (iii) Smt. Maunji Rani d/o Shri Madan Lal, 7/36, Dariya Ganj, Delhi.
- (iv) Shri Ram Sarup s/o Shri Rulia Ram,
- (v) Smt. Sudersha Kumari d/o Shri Mukandi Lal, R/o Kaithal.
(Transferee)
- (vi) Shri Gulson Bhardwaj Advocate R/o Jind.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Eight shops including 1761 sq. yds. land situated near Patiala Chowk Jind, and more is mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1617, dated 12-9-1979, with Sub-Registrar, Jind.

G. S. GOPAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
ROHTAK.

Date : 22-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Savitri Devi w/o Late Shri Pyare Lal,
R/o Jind.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ishwar Chand s/o Shri Laxmi Chand s/o Khajanchi Mal r/o Vill. Chatter, Teh. Narwana, Distt. Jind.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 22nd May 1980

Ref. No. JND/2/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 2973 sq. yds. situated at Near Patiala Chowk, Jind. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in Sept 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2973 sq. yds. situated at Jind and more is mentioned in the sale deed registered at Serial No. 1601, dated 10-9-1979 with the sub. registrar, Jind.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Swarn Singh S/o Sh. Gian Singh R/o Vill. Dibdaba
Teh. Ballaspur Distt. Rampur (UP)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
ROHTAK**

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. BGR/16/79-80—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Industrial Plot No. 29-B, area 3926 sq. Yds, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registering Officer at Ballabgarh for an apparent Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s East India Cotton Manufacturing Co. Limited, Regd. Office 38 Netaji Subhash Road Calcutta.
Factory 17-H, Industrial Area, NIT, Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property being Industrial plot No. 29-B, area 3926 sq. yds situated at N.I.T. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4205 dated 7-9-1979 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G.S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE.
ROHTAK

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. BGR/42/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of Industrial Plot No. 29-B, Area 4318-6 sq. yds NIT, situated at Faridabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Singh S/o Shri Natha Singh, Jullunder.
(Transferee)
- (2) M/s East India Cotton Manufacturing Company Limited, 38 Netaji Subhash Road, Calcutta, Factory 17-H, Industrial Area, New Township, Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 29-B, area 4318-6 sq. yds situated at NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4206 dated 7-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G.S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-6-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 7th June, 1980

Ref. No. BGR/43/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Industrial Plot No. 29-B, Industrial area 4318·6 sq. yds N.I.T., situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Mahender Singh S/o Shri Gian Singh
Vill. Dibdaba Teh. Balaspur Distt. Rampur (UP)
(Transferor)
- (2) M/ Easts India Cotton Manufacturing Co. Limited,
Regd. office 38 Subhash Road, Calcutta.
Factory 17-H, Industrial area, NIT, Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being portion of Industrial plot No. 29-B, Area 4318·6 sq. yds, situated at NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4207 dated 7-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G.S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Dated : 7-6-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —

(1) Smt. Atar Kaur W/o Natha Singh,
WC-34, Ronak Bazar, Kot Bahadar Khan,
Jullunder
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. BGR/17/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Industrial plot No. 29-B, Area 5182.34 sq. yds, NIT, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—126GI/80

(2) M/S East India Cotton Manufacturing Company Ltd, Regd. Office 38 Netaji Subhash Road, Calcutta. Factory 17-H, Industrial Area, NIT, Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being portion of Industrial plot No. 29-B, area 5182.34 sq. yds, NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4208 dated 7-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Dated : 7-6-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Suresh Kumar Uraf Suresh Chand S/o Dilbag Rai S/o Lala Shambhu Dayal, Hansi.
(Transferor)
- (2) Smt. Gumani Devi Wd/o shri Hazari Lal C/o Shri Pholl Singh, Goldsmith, Sadar Bazar, Hansi.
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 7th June 1980

Ref. No. HNS/13/79-80—Whereas, I G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No. Double Storeyed shop No. 296/11, Sadar Bazar, situated at Hansi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property being double storeyed shop No. 296/11, Sadar Bazar, Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1581 dated 26-9-1979 with the Sub Registrar, Hansi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Movva Venkateswar Rao, S/o Narayana,
Ajanta Hotel, Governorpet,
Vijayawada-2

(Transferor)

(2) Sri Garlapati Durga Venkata Prasada Rao,
S/o Sitaramaiah, Arundalpet, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May, 1980

Ref. No. 1042—Whereas I, K. K. VEER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 26-35-970 situated at Durga Araharam, Koka Clinic Street, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred as per deed registered under the Indian—Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6990/79 dated October 79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Avasarala Mangapathi Rao,
D-28 Bell Colony, Jalahalli,
Bangalore-13.

(Transferor)

(2) Shri Rayavarapu Maruthi Jagannadha Rao,
S/o Seetharamanjaneyulu, Advocate,
Sambamurthy Street, Ramaraopet,
Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A.F. No. 1043.—+ Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-2-47 situated at Pithapuram (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram. On September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 7185 dated September, 1979 registered before the S.R.O. Pithapuram.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Donepudi Venkayya Chowdary,
S/o Subramanyam, Professor,
Gandhi Medical College,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) (i) Shri Narayananadas Bang,
(ii) Kamalnayana Bang,
(iii) Krishna Kumar Bang and
(iv) Madhusudhana Bang
2 to 4 are minors by guardian father Ramkumar Bang,
Nandipativali Street, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE: HYDERABAD
Bhopal

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 5th May, 1980

A. F. No. 1044.—Whereas I, K. K. VEER SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29-6-26 situated at Suryaraopet Mogalrajpuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1012/79 dated October 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
 VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

Hyderabad, the 5th May 1980

A. F. No. 1045.—Whereas, I, K. K. VEER R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 /50 situated at Andhra Ratna Road Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sixteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bagavathula Venkatama Sarma,
 S/o Gopala Krishnayya,
 C/o B. Gopala Krishna, Advocate,
 Museum Road, Governorpet,
 Vijayawada.

(2) Shri Nannapaneni Nagayya,
 S/o Seshayya, Krishna Lanka,
 Bramaramba Puram, Vijayawada.

(Transferor)

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 6713 dated October, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri R. Chakradhara Rao,
Retd. D.E.O.,
D. No. 6-1-90/13, A. Bapuji Nagar,
Hyderabad-500048.
(Transferor)
- (2) Evangelstein's Helping Hand,
BOMMUR represented by Shri P. Janaranjan.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, BANGALORE
BANGALORE-560001.**

Hyderabad, the 5th May, 1980

A. F. No. 1046.—Whesas I K. K. VEER

H. TIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 23-11-4 situated at Lal Bahadur Sastry Road Area, Rajahmundry (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4525/79 dated September 1979 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th May 1980

A. F. No. 1047.—Whereas, I, K. K. VEER being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-27-14 situated at Sreeramnagar, Near Bhanugudi, Kakinada (and more fully describe in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manavarthi Veeraju,
Shri Putta Harikrishna Rao,
Kakinada.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Nekkanti Ranganayakamma,
W/o Dorayya,
(ii) Chundru Raja Katyani Devi by Guardian
Smt. Suryanarayananamma,
(iii) Chundru Surya Kaladevi,
minor by guardian Sri Veeraraju,
2-27-14, Near Bhanugudi,
Sreeramnagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 7029, 6993, 7003, dated September, 1979 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri P. Surya Rao, Bill Collector,
Rumianayyapeta, Panchayat Samithi,
Gigolupadu, Kakinada-3.

(Transferor)

(2) Sri M. Suryanarayana,
Retired Forest Officer, Pasterpeta,
Jagannaickpur, Kakinada-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th May 1980

A. F. No. 1048.—Whereas I, K. K. VFFR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19-10-4 situated at Suryaopet, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 8179 dated October 1979, registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30--126G1/80

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 5th May, 1980

Ref. No. Acq. File No. 1049.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 542-37 situated pt Erewipeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur, on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Gujjula Rajeshwari Devi,
5-78-40 Ashoknagar, Guntur.

2. Sri Gujjula Gangireddy,
near Railway Station,
Narsaraopeta, Guntur Distt.

(2) Shri Pandeshwara Keshwara Rao,
S/o Janardhan Rao,
H. No. 5-42-36, 6th line,
Brodipeta, Guntur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property registered at Guntur-Sub-Registrar area, vide Document No. 5195/79 and 5185/79.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dato : 5-5-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Sindhu Manohar Bhandarkar
(Transferor)
(2) Shri Gunvantraj Ramchandra Trivedi & Smt. Vidula
Gunavantrai Trivedi
(Transferee)
(3) 1. Dr. S. G. Mehta
2. Mr. V. R. Joshi
3. B. S. Purohit
4. N. W. Dharwadkar
5. D. B. Gangoli
6. P. B. Naik
7. Mrs. S. M. Bhandarkar & Others
8. Mr. R. G. Pingre
9. By owner Mr. & Mrs. G. R. Trivedi
10. Mr. YI B. Soman
11. K. V. Sabnis
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BOMBAY**

Bombay, the 31st March, 1980

Ref. No. ARH/2832.5/September, 1979.—Whereas I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final plot No. 65 T.P.S. No. III, C.T.S. No. 281/1-2-3 H Ward No. 6785 I.A. & Street No. 54-A situated at Santacruz (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bombay on 25-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the registered deed No. S. 500/79 and registered on 25-9-1979 with the Sub registrar Bombay.

THE SCHEDULE

A. H. TEJALE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Alok Estates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st March 1980

Ref.No. ARII/2861-7/Sept. 79.—Whereas, I, A. H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 58, Plot No. 1, H. No. 1 situated at S. V. Road, Goregaon (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Madhuban Premises Co-op. Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 1452/79 and registered on 10-9-1979 with the Joint Sub-Registrar of Bandra.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE I, BOMBAY**

Bombay, the 23rd April 1980

Ref. No. A.R.-I/A P. 132/80-81.—Whereas, I, P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 686 of Malabai & Cumballa Hill Divn. situated at Bhulabhai Desai Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-9-1979

(Document No. 2746/78/Bom.)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated In the said instrument of transfer with the object of—

(1) Leena Ramniklal Jhaveri

(Transferor)

(2) Darab Bomanji Dubhash

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2746/78/Bom. and registered on 17-9-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

P. L. ROONGTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Bombay

Date : 23-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay the 5th May 1980

Ref No A R II/2904-32/Dec 79—Whereas J. A. H TEJALL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No 198 & CTS No 539 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-12-79 (Docnt No S 1514/79) which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri P V Raheja as a Karta and Manager of the Joint Hindu Family known as Raheja Sons (HUF) carrying on business under the name of Shri Tirupati Builders
(Transferee)
- (2) Canara Bank
(Transferee)
- (3) P V Raheja
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S 1514/79 Bom and registered on 10-12-1979 with the sub-registrar Bombay

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, 5th May, 1980

Ref No A R-II/2825 3/Sept 79—Whereas, I, A II TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

C T S -1714/79 N A No 96 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 7-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs Shirin Noshirwan Petigara
Shri Kavas Noshirwan Petigara
(Transferor)
- (2) The Pali Hill Navroze Premises Co op Housing Society Ltd
(Transferee)
- (3) Mrs Shirin Noshirwan Petigara
Shri Kavas Noshirwan Petigara
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No HS-171 79/Bom and registered on 7-9-1979 with the sub-registrar, Bombay

A H TEJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 5-5-1980
Seal.

FORM ITNS

1. Shri Mangal Parshotamdas Amin

(Transferor)

9. Mrs. Santacruz Saryu Premises Co.op. Soc. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1980

Ref. A. R. II/2932-3/Jan. 80—Whereas, I, A. H. Tejale, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- (and bearing No. C.T. S. No. 567, Final P. No. 107 situated at Santacruz (W) and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra, Bombay on 29-1-1980 Doc. No. 359/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 359/78 and registered on 29-1-1980 with Joint Sub-Registrar IV, Bandra, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. H. TEJALE.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Bandra

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA—800001
PATNA 800001, the 13th May 1980

Ref. No. III-396/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Holding No. 686, Ward No. VII B, of Ranchi Municipality situated at Burdwan Compound, Konka P. S. Lalpur Ranchi, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 29-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—126GT/80

(1) Shri Satyendra Kumar Ghosh, S/o. Late Charu Chandra Ghosh, 344/2, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 as the sole Trustee on Charu Smriti Mandir Trust Estate Burdwan Compound, Ranchi.

(2) Shrimati Geeta Rani Mazumdar, w/o Shri Paresh Chandra Mazumdar, of 89 Burdwan Compound, Ranchi, P. S. Lalpur, Dt. Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Kathas 4 Chataks land with three storeyed building at Burdwan Compound, Konka, Ranchi more fully described in deed No. I 5018 dated 19-9-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Patna Bihar,

Dated 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
 RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA—800001

PATNA-800001, the 13-5-1980

Ref. No. IIU-397/Acq/80-81/—Whereas, I, J. Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 686, Ward No. VIIB of Ranchi Municipality situated at Burdwan Compound, Konka, P. S. Lalpur, Ranchi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 18-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satyendra Kumar Ghosh, S/o Late Charu Chandra Ghosh, 344/2, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47 as the sole Trustee of Charu Smriti Mandir Trust Estate, Burdwan Compound, Ranchi.

(Transferee)

(2) Shrimati Geeta Rani Mazumdar, S/o. Shri Paresh Chandra Mazumdar, of 89 Burdwan Compound, Ranchi, P. S. Lalpur, Dt. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Kathas 4 Chataks land with three storied building at Burdwan Compound, Konka, Ranchi more fully described in deed No. I 5014 dated 18-9-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-5-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
PATNA

Patna 800001, the 13th May 1980

Reg. No. III 399/Acq/80-81/—Whereas, I. J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza No. 7, Ward No. 11 (old) Ward No. 111 (New) Holding No. 255 (old) & 85 (New) situated at Dhanbad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 18-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Sudha Krishna Sireor (2) Jay Krishna Sireor (3) Gopi Krishna Sireor sons of Late Gour Mohan Sireor (4) Smt. Jagattarini Sireor, W/o. Late Gour Mohan Sireor of Hirapur, Dhanbad.
(Transferer)
(2) M/S. Ghosh Estate (Pvt.) Ltd. Hirapur, Dhanbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property as described in deed' No. 6972 dated 18-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Dhanbad.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range, Patna

Date : 13-5-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Gouri Chatterjee, W/o. Sri Rajeshwar Chatterjee of Anantapur, Ranchi.
(Transferor)
- (2) Kamala Dey, Tapan Kumar Dey, Kalyan Kr. Dey, Bishwanath Dey of Village Anantpur, (Siramtoli) Ranchi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,

PATNA-800001, the 14 May 1980

Ref. No. III -400 /Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Plot No. 2627 Sub Plot No. 25, Ward No. VI situated at Anantpur, (Siramtoli) Ranchi and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 18-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land with building at Anantpur, Ranchi more fully described in deed No. 7697 dated 18-9-1979 registered with the D.S.R., Ranchi.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 14th May 1980

* Ref. No. 111-401 /Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 5587, Khata No. 183, Plot No. 963 etc. situated at Village Khajepura, P. S. Gardanibagh, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar officer at Patna on 25-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Md. Sami S/o. Abdul Latif (2) Anwar Rashid, S/o. Khan Saheb Md. Rashid (3) Md. Mohsin Raja S/o Dr. Md. Hasan Raja (4) Khorshid Hasan, S/o Abdul Aziz of Khajepura, P. S. Gardanibagh, Patna.
(Transferor)

(2) Shri Ashok Chand Jain, S/o. Manik Chand Jain of Kadambkuan, P. S. Kadambkuan, Patna
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

8 Kathas 6 Dhuri 8 Dhurki land at Khajepura, P. S. Gardanibagh, Patna more fully described in deed No. 6204 dated 25-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 4th May 1980

Ref. No./Acq/80-81 —Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No.

13, Circle No. 30, Sheet No 86, M S.
Plot No 1434 Holding No 4 situated at Puranderpur PS Pirbahore, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 22-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amrik Ghosh S/o Samir Kr. Ghosh, Joint Secretary, Irrigation Department R/o 183-B Shri Krishnapuri, Patna, wahasiat Mokhtar Am Shri Nirmal Mai Ghosh S/o Mahendra Narain Ghosh, At Puranderpur PS, Pirbahore Distt, Patna

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Khetan w/o Shri Om Prakash Khetan At Barahat Distt. Bhagalpur Presently Bakerganj Salimpur Ahra PS Gandhi Nagar, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3611 sq ft with double storied building at Puranderpur Azimabad, PS Pirbahore Distt. Patna, more fully described in deed No. 6110 dated 22-9-79 registered at District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
BORANG CANAL
PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Rer. No. III 403 /Acq/ 80-81— Whereas, I. J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 147, Circle No. 25, Ward No. 9 (old) 16 (New) situated at Biharlall Batacharya Road, (Makhaniakuna Road) Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna, on 13-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Shushila Bose, Widow of Late Jyotindra Nath Bose (2) Sri Sudhangsu Kumar Bose sons of Late Jyotindra Nath Bose, At present residing at 50A Ritchi Road, Calcutta & Shri Sunil Kumar Bose S/o. Late Jyotindra Nath Bose presently residing at 104 Circuit House, Area. Jamshedpur .

(Transferor)

(2) Dr. Arun Kumar Sinha, S/o. Late Pasupati Kumar Sinha, Presently residing at Road. No. 6A, Rajendra Nagar, Patna-16 P. S. Kadamkuran, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

8 Anni's share in a house property situated at Bihar Lall Bhattacharya Road (M. khania Kuan Road) Patna bearing holding No. 147, Circle No. 25, Ward No. 9 old 16 New etc. more fully described in deed No. 5893 dated 13-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Patna-800001, the 14th May 1980

No. III-404—Acq/ 80-81—Wheresas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 147, Circle No. 25, Ward No. 9 (old) Ward No. 16 New situated at Beharilal Bhattacharya Road, (Makaniya Kuan Road Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 24-9-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Neemai Das Basu, S/o. Late Phanindra Nath Basu of Behari Lal Bhattacharya Road (Makhania Kuan Road) P. S. Pirbhore, Patna.
(Transferor)

(2) Dr. Arun Kumar Singh, S/o. Late Pasupati Kumar Sinha of Road, No. 6A, Rajendra Nagar, P. S. Kadambuan, Patna.
(Transferee)

(3) Dr. Neemai Das Basu
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Katha 17 Dhur land situated at Beharilal Bhattacharya Road (Makaniya Kuan Road) P.S. Pirbhore, Dr.Patna more fully described in deed No 6150 dated 24-9-1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th May 1980

No. III-405/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 104, Khesra No. 67, 70, and 82 situated at Mouza Makwa, P.S. Tarapur, Dist. Monghyr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Monghyr on 22-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Narain Prasad Maheseth, through Shri Ram Jankigi s/o Shri Sant Lal Maheseth, P.O. Chowara, Madhubani, at pesent Makwa, Dt. Monghyr.
 (Transferor)
- (2) Shrimati Sunaina Devi, W/o. Sri Janardhan Pd. Singh, At. & P. O. Mitzapur, Dist. Monghyr.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

7 Acres 65 decimal land at Mouza Mouwa, P. S. Tarapur Dt. Monghyr more fully described in deed No. 5251 dated 22-9-1979 registered with the District Sub-Registrar, Monghyr.

J. NATH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following 220, situated at Ram Krishna Samadhi Road,
 persons, namely :—
 2—126GI/80
 3—

Date : 13-5-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III 406 /Acq/ 80-81—Whereas, I, J. J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 350, ward No. 6, Circle No. 1A, Khata No. 248, etc. situated at Muzaffarpur, Rasulpur Jilani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 14-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohalla Andigola, Muzaffarpur.
(Transferor)

(2) Shri Chdntra Deo Singh, s/o Mahadeo Singh of Maharaji Chowk, Jhuran Chapra, Muzaffarpur. Permanent Address. Village Fulkanan, Gobind, P. S. Kanti, Muzaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2 Kathas 15 Dhur land with building at Rasulpur Jilani Muzaffarpur fully described in deed No. 12753 dated 14-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD,
PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III 407/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 248 (New), Khesra No. 59 (old 478 (New) etc. situated at Mohalla Rasulpurjilani, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Muzaffarpur on 17-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohl. Andigola, Muzaffarpur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Pukar Singh, S/o. Mahadeo Singh (2) Sri Pramod Kr. Singh, S/o. Mathura Singh, Village Fulkahan, G., P. S. Kanti, Dt. Muzaffarpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Builtling, on 2 Kathas 10 Dhurs Kast land at Mohalla Rasulpurjilani in Muzaffarpur town more fully described in deed No. 12891 dated 17-9-1979 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisation Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. No. III -408/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 6, Circle No. 1A etc. situated at Rasulpur Jilani, Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 26-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shrimati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achintra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohl. Andigola Muzaffarpur.
(Transferor)

(2) Shti Gouri Shankar Singh, Village Jagannath Basant, P.O. Lalganj, Dt. Vaishali.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 Katha 6 Dhurs land with building situated at Rasulpur Jilani, Muzaffarpur more fully described in deed No. 13497 dated 26-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna-800001, the 14th May 1980

Ref. (No. III 409/Acq/80-81)—Whereas, I, J NATH, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 248 (N), Khesra No. 59 Old 478 New Holding No. 128 etc. situated at Muzaffarpur Rasulpura Jilani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 12-9-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri mati Mandira Mukherjee, Widow of Late Achindra Chandra Mukherjee, Jogindra Chandra Mukherjee Road, Mohalla Andigola, Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Kedarnath Singh, S/o. Shri Chandradeo Singh, Mohalla Rasulpur Jilani, Muzaffarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Kathas land Kast land in Mohalla Rasulpur Jilani in Muzaffarpur more fully described in deed No. 12695 dated 12-9-79 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Krishnarao D. Bhagde,
2. Shri Haribhai H. Solanki,
3. Shri Anna M. Shelar, (4) Shri Bachachubhai, H. Rathod
- (5) Shri Kashinath M. Shelar, (6) Shri Dattatreya M. Shelar,
Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE 411009**

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR. Maval/Dec. 179/473—Whereas, I, A. C. Chandra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 115/1 & S. No. 119/3 situated at Kune, Tal. Maval, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Happy Valley Corporation, Partners : (1) Shri Narenji rasinghaji M. Chudasama, (2) Dr. Shamrao Kalmdi, (3) Mrs. Sunita Y. Trivedi, (4) Shri Sawajal Sethi, (5) Mrs. B.R. Patel, C/o Poona Coffee House, 1250, J. M. Road, Pune-5
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 115/1 and S. No. 119/3, admn. 2H—172R at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1388, dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, 'Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 3-6-1970

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
Pune-411009

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA 5/SR, Maval /Dec. 79/474—Whereas,
Shri A. C. CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 120/2 and S. No. 135 situated at Kune, Tal.
Maval, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri (1) Shri Krishnarao D. Bhegde, (2) Shri Haribhai K. Solani, (3) Shri Anna M. Shelar, (4) Shri Bachchulbhai H. Rathod, (5) Shri Kashinath M. Shelar, (6) Shri Dattatreya M. Shelar, Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferors)

(2) Shri M/s Happy Valley Corporation, Partners
1. Shri Narendrasinhaji M. Chudasama, (2) Dr. Shamrao Kalmadi, (3) Mrs. Sunita Y. Trivedi, (4) Shri Sawalil Sethi, (5) Mrs. B. R. Patel, (C/o Poona Coffe House, 1250, J. M. Road, Puna-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which havd not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 120/2 & S. No. No. 135, admn. 3H -106R, at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as desctibed in the sale-deed registered No. 1389, dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registeral, Maval. Dist. Pune).

A. C. CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE-411009

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR. I Maval/Dec. 79/475—Whereas, I, A. C. CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 116 (part) Kune, Tal. Maval, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. (1) Shri Krishnarao D. Bhagde, (2) Shri Haribhai H. Solanki, (3) Shri Anna M. Shelar, (4) Shri Bachchubhai H. Rathod, (4) Shri Kashinath M. Shelar, (6) Shri Datatreya M. Shelar, Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune.
(Transferors)

(2) M/s Happy Valley Corporation. Partners : (1) Shri Narendrasinhaji M. Chudasama, (2) Dr. Shamrao Kalmadi (3) Mrs. Sunita Y. Trivedi, (4) Shri Sawaijal Sethi, (5) Mrs. B. R. Patel, C/o Poona Coffee House, 1250, J. M. Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 116 (part) admn. 4H- 33R. at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.
(Property as described in the sale-deed registered under No. 1390 dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 3-6-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10
PUNE SATARA ROAD, PUNE-411009.

Pune-411009, the 3rd June 1980

Ref. No. CAS/SR.Maval/Dec./79/476.—Whereas I, SHRI A. C. CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 116 (part) situated at Kune, Tal. Maval, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

33—126GI/80

- (1) 1. Shri Krishnarao D. Bhagde,
2. Shri Haribhai H. Solanki,
3. Shri Anna M. Shelar,
4. Shri Bachchubhai H. Rathod,
5. Shri Kashinath M. Shelar,
6. Shri Dattatrey M. Shelar,
Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) M/s Happy Valley Corporation,
Partners :
1. Shri Narendrasinhaji M. Chudasama,
2. Dr. Shamrao Kalmodi,
3. Mrs. Sumita Y. Trivedi,
4. Shri Sawailal Sethi,
5. Mrs. B.R. Patel,
C/o Poona Coffee House, 1250, J M Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 116 (part) admin. 4H-OR, at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale-deed registered under No. 1391, dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 3-6-1980

Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
COMET HOUSE 691/1/10, PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411009**

Pune, the 3rd June 1980

Ref. No. CA5/SR.Maval/Dec.'79/477.—Whereas I, Shri A. C. Chandra

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. No. 129, S. No. 109, S. No. 118/6 & S. No. 133/2 situated at Kune, Tal. Maval, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maval on 1-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Krishnarao P. Bhagde,
2. Shri Haribhai H. Solanki,
3. Shri Anna M. Shelar,
4. Shri Bachchubhai H. Rathod,
5. Shri Kashinath M. Shelar,
6. Shri Dattatreya M. Shelar,
Talegaon Dabhade, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) M/s Happy Valley Corporation,
Partners :
1. Shri Narendrasinhaji M. Chudasama,
2 Dr. Shamrao Kalmadi,
3. Mrs. Sunita Y. Trivedi,
4. Shri Sawallal Sethi,
5. Mrs. B. R. Patel,
C/o Poona Coffee House 1250, J. M. Road, Pune-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land at S. No. 129, S. No. 109, S. No. 118/6 and S. No. 133/2, admn, 2H-191R, at Village Kune, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1392 dated 1-12-1979 in the office of the Sub-Registrar, Maval, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona
Date: 3-6-1980
Sep. -

FORM ITNS—

- (1) Shri Liladhar Fulchandbhai Mehta;
Race Course Road, "Madhuvan", Baroda.
(Transferor)
- (2) Shri Bharatkumar Karamshibhai Kharecha;
2. Shri Hareshkumar Karamshibhai Kharecha;
both at 12, Bhaktinagar Station Plot,
Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, 21st April 1980

Ref. No. Acq. 23-I/3039(992)/16-6/79-80.—Whereas,

I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 63-A situated at Bhaktinagar Coop. Housing Society, Rajkot

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Structure on land admeasuring 862-0-0 sq. yds. situated at Bhaktinagar Coop. Housing Society, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5497/10-9-79 i.e property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.Date: 21-4-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Jayaben Vithalji Mavani;
2. Liladhar Vithalji Mavani;
through their Power of Attorney Holder;
Shri Chunilal Vithalji Mavani,
C/o. Pannatal Traders;
Grant Road, Bombay-27.

(Transferor)

(2) Jayaben Chhaganbhai Padaliya;
Ramkrupa Niwas, Dhoraji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 21st April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

No. Acq. 23-I-3040(993)/16-I/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lat No. 319 Paiki situated at Bhankubhajipara, Dhoraji (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhoraji on Sept, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land adm, 083-8-3 sq. yds. Lat No. 319 paiki situated at Bhankubhaji para, Dhoraji duly registered by Registering Officer, Dhoraji, v/e sale deed No. 1084/28-9-79 i.e. property as fully described therein.

S.C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner In Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date- 21-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Subhaschandra N. Bhagdev,
Rajhans Society, Raiyya Road,
Rajkot-1

(Transferor)

(2) Shri Kirankumar Manharlal Kothari;
C/o Bank of India, Para Bazar, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 21st April 1980

No. Acq. 23-J-3041(994)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

451 Plot No. 19, situated at Bhagaduda Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building known as "Swati" standing on land 213-8-0 sq. yd. bearing S. No. 451 paiki Plot No. 19, situated at Bhagaduda Plot, Rajkot duly registered by registering officer, Rajkot vide sale-deed No. 5115/7-9-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 21-4-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 21st April 1980

No. Acq. 23-I-3042(0995)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARikh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1-2 Paiki situated at Jagnath Plot 4 Controll Office A.G. Office, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Becharbhai Laxmanbhai Patel;
Behind Swaminarayan Gurukool, Ramji, vela Plot, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Laljibhai Bhawanbhai Patel;
Rajesh Society, Near Galaxy Talkies, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 1-2 Paiki situated at Jagnath Plot, 4, Control Office, A. G. Office, Rajkot adm. 154-00 sq. yds. duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5453/6-9-79 i.e. property as duly described therein.

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 21-4-1980

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 21st April, 1980

No. Acq-23-I/3043(996)/16-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lat No. 319 Piki situated at Bhankubhaji para, Dhoraji (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Jaybaen Vithalji Mavani.
2. Liladhar Vithalji Mavani;
through their Power of Attorney Holder
Shri Chunilal Vithalji Mavani;
C/o. Pannalal Traders;
Grant Road, Bombay-27.

(Transferor)

- (2) Shri Hirabhai Gordhan Charchandiya;
Mobatpara, Tal. Kutiyana;
Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land adm. 655-7-6 sq. yds. Lat No. 319 paiki situated at Bhankubhajipara, Dhoraji duly registered by Registering Officer, Dhoraji vide sale deed No. 1083/28-9-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21st April 1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Kapurchand Rayashi Shah ; Mahavir Apartments, Jamnagar.
 (Transferor)
- (2) Shri Ramaji Meghji Shah ; R. B. Mehta Road, Ghatkoper, Bombay.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2nd Floor
Handloom House, Ashram Road, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P. R. No. 1013 Acq. 23-I/79-80—Whereas, I S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Revenue Survey No. 4-1-1, paiki Plot No. 2, situated at Sumer Club Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 11-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 519.33 sq. meters bearing Revenue Survey No. 4-1-1 paiki Plot No. 2, situated at Sumer Club Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide No. 2118 dated 11-9-1979.

S. C. PARIKH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 23-4-1980
 Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009 Dated 23rd April, 1980

Ref. No. P. R. No. 1014 Acq., 23-I/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 371 ; Hissa 45, of TPS. 25, Plot No. 464 situated at Khokhara Mehmavad, Ahmedabad (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mafataji Gokal Rabari ; (2) Shri Talaja Nathubhai Rabari ; Vairatnagar, Isanpur, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Suchit Hemal Cooperative Housing Society ; through : Organisers :
- (3) Himanshu Vijayabhai Bhatt ; 17, Asmita Society, Maninagar-East, Ahmedabad-8. (2) Bhavina Rameshbhai Patel ; Chitrakut, Opp. Swaminarayan Mandir, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 800 sq. yds. bearing S. No. 371, F. P. No. 464, of TPS. 25, situated at Manisa Society, Maninagar, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 4311 dated Sept., 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—126GI/80

Date : 23-4-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd May 1980

Ref No P R No 925 Acq , 23-II/79-80—Whereas, I, S C PARIKH being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S No 1060 (P) East portion, Wd No 13, situated at Adarsh Society, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chimanlal Desaihaji Vyas, Indurekha Near Adarsh Society, Athwa Lines, Surat
 (Transferor)

(2) 1 Smt Niranjana Kishorchanida Zaveri, 20, Govdhan Apartment, Gopipura, Surat
 2. Guardian of Akta Bakubhai Zaveri,
 Bansari Bakubhai Zaveri,
 52 B, Hira Panna Apartment, Peddar Road, Bombay
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at near Adarsh Society, Sur No 1060(P) East portion land duly registered at Surat on 26-9-1979 vide No 3421/79.

S C PARIKH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 3rd May 1980

Seal ,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th May 1980

Ref. No. P. R. No. 926 Acq., 23-II/79-80—Whereas, J. S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 586 Wd. No. 9, situated at Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 25-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Deepakkumar Manubhai Desai ;
 Virmati Manubhai Desai ;
 Binduben Kisharchandra Desai ;
 Jayshree Ajaybhai Shah ;
 Hemlata Yasvantbhai Desai ;
 Lata Manubhai Desai &
 Usaban Atul Kothari as a P. A. Holder ; Store Sheri,
 Wadi Falia, Surat.
 (Transferor)

- (2) 1. Shri Tribhovandas Manchharam ;
 2. Shri Mangaldas Tribhovandas ;
 Navapul, Ranawad, Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 586, Wd. No. 9, Wadi Falia, Surat duly registered on 25-9-1979 vide No. 3461.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. C. PARIKH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated : 6-5-1980.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Musabhai Haji Ismail;
Moti Dungari, Broach.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th May 1980

Ref. No. P.R. No. 927 Acq, 23-II/79-80.—Whereas,
S.C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 4, Village Ali, situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Broach on 3-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) President Shri Gumsinh Bhimsinh Rana;
Karsankaka Khadki,
C/o. The Santosh Coop. Housing Society Ltd.,
Broach.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land situated at village Ali, S. No. 4, duly registered at Broach vide No. 1208/3-9-79.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Vahaliben Thakordas;
Chandiben daughter of Thakordas Nagardas;
Manaben wife Maniben Thakordas Nagardas;
Rampura, Hathupura,
Behind Swaminarayan Temple,
Surat.

(Transferees)

(2) Shri Tulsidas Premjibhai,
Nanavat Main Road, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 000 the 6th May 1980

Ref. No. P.R. No. 928 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I,

S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1892, Wd. No. 5, situated at Rampura Charkhana Chakla, Hathupura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 1892 Wd. No. 5, Rampura Charkhana, Hathupura, Surat duly registered at Surat on 10-9-79 vide No. 3314.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 6-5-1970
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 29th April, 1980

Ref. No. P.R. No. 1018 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I,
 S.C. PARIKH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 61-62 & 63, F. P. No. 748 SP. No. 15
 P of TP S.3. situated at Chhadawad, Hirabagh, Ambawadi,
 Ahmedabad (and morefully described in the Schedule annexed
 hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad
 on 6-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely:—

1. (1) Harsadkumar Mukundray Thakore;
 (2) Smt. Jaliniben Harsadray Thakore;
 Anand Lahari, Ambawadi Ahmedabad.

(Transferors)

2. Shri Bharatkumar Hasmukhlal Shah;
 Shri Pankajkumar Hasmukhlal Shah;
 W/2, Dash Bungalows,
 Govt. Officer Colony,
 Gulbai Tekra, Ambawadi,
 Ahmedabad-6.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used
 herein as are defined in Chapter XXA of
 the said Act, shall have the same meaning
 as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring bearing S. No. 61, 62 &
 63, F. P. No. 749, SP. No. 15 P of TPS. 3, situated at Chhadawad,
 Hirabag, Ambawadi, Ahmedabad and as fully described
 in the sale deed registered vide Regn. No. 10365 dated
 6-9-79

S. C. PARIKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range I,
 Ahmedabad.

Date : 29-4-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shah Hasmukhlal Muljibhai; Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshbandra Chhaganlal Surti; Shri Jagdishchandra Chhaganlal Surti; Baroda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 8th May 1980

Ref. No. P.R. No. 929 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. PARikh,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Tika No. 29/1 Plot No. 2, situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Sept., 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3488 sq. ft. at Tika No. 29, bearing Plot No. 2, situated at Baroda and fully described as per sale deed No. 4790 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in Sept., 1979.

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1980

Ref. No. P.R. No. 930 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.C. PARikh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 7 of Village Ali, situated at New Gujarat Housing Board, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 11-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Aslamali Umar; Shri Ibrahimali Umar; Shri Adamali Umar; Bai Hari Isap Vali Umar; Bai Bivi w/o Daud Vali; Moti Dungari, Broach. (Transferors)

(2) Shri Punambhai S. Prajapati; Partner of M/s. New Ambica Corporation, Broach. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R. S. No. 7 of Village Ali, New Gujarat Housing Board, Broach as duly registered at Borach vide No. 1256, 1257, 1258 & 1259/79.

S.C. PARikh
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 8th May, 1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mangalagauri Raghavibhai; Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Jayagauri Nanjibhai Shingala;

2. Smt. Jyotsna Ranchhod Shingala;

"Raksha", Gopalganagar Street No. 3, Rajkot,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1019 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S.C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 367-368 Paiki Plot No. 273 situated at Bhaktinagar Station Plot No. 12, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot admeasuring 762 sq. yd. bearing S. No. 367-368 Paiki Plot No. 273 situated at Bhaktinagar Station Plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 5564/14-9-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
35—126GI/80

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Thakorlal Natvarlal Chinai; M/s. Fair Guardian
Little Gibbs Road, Bombay-6. (Transferor)

(2) The New Akhand Anand Nagar Coop. Housing Society
Opp. Agiyara Mata, New Wadaj, Ahmedabad-13.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th Mayth 1980

Ref. No. P.R. No. 1020 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

S. No. 358, 642-1, 642-2 Sub Plot Nos. 3 & 5 situated at Near Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing Sub-plot Nos. 5 & 3 admeasuring 1285.92 sq. mts. and undivided share of land 499.15 sq. mts. respectively and rounding of 195.82 sq. mts. all situated at S. No. 358, 648-1 and 648-2 at New Wadaj, Ahmedabad and as fuller described in the sale-deed registered vide S. No. 10465 dated 10-9-1979.

S.C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Shantilal Damji Gungaria; Gen. Power of Attorney Holders of Shri Pragji Kanji Bhandia; Hapa, Jamnagar.
(Transferor)
- (2) Shri Badruddin Khanbhai; Trustee of Khanbandhu Udyog, Hapa, Jamnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1021 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, S. C. PARikh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 395, 411 to 414, part Plot No. 80 situated at Hapa, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jamnagar on 12-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1470-72 sq. mts. bearing S. No. 395, 411 to 414, situated at Hapa, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide No. 2176 dated 17-9-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1022 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 212/1, 212/5/1 & 212/6 TPS. No. 23 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ramakant Rasiklal Patel, P.A. Holder of;
 1. Shri Narendra Girdharilal Patel;
 2. Shri Arvindkumar Girdharilal Patel;
 3. Smt. Dahiben Girdharilal Patel; and
 4. Pallaviben Girdharilal Patel; Ahmedabad.
 (Transferor)

- (2) Shastrinagar Coop. Housing Society Ltd., through : Chairman : Shri Shivabhai Khodabhai Patel; Naranpura, Ghatlodiya, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land, admeasuring 684 sq. mts. bearing S. No. 212/1, 212/5 and 212/6, F.P. No. 884 of TPS. 23, situated at Achlyer, City Taluka, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 10215 dated 3-9-1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vora Construction Co. Through managing Partner;
Nanalal Makanjil Vorah; 7, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nirmalaben Meghbhai mother and guardian of minor
Rajiv Govindlal Tank, 15, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R No. 1024 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Plot No. 2 at Jagnath Plot situated at Jagnath Plot Sheri No. 15, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 155·5 sq. yds. bearing Plot No. 2, situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide regn. No. 1-9-79.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vora Construction Co. through Managing partners;
Shri Nanalal Makanji Vorah; 7-Jagnath Plot, Rajkot.
(Transferor)

(2) Nirmalaben Meghbhai; Mother & guardian of minor
Rajiv Govindlal Tank; 15, Jagnath Plot, Rajkot.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1025 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2, on Jagnath Sheri No. 15, situated at Jagnath
Sheri No. 15, Rajkot.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 155-5 sq. yds. situated
at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot and as fully described in the
sale-deed registered vide Regn. No. 5356 dated 1-9-79.

S.C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Nanalal Makanjibhai Vorah; Managing Partner of ; M/s. Vora Construction Co., Jagnath Sheri No. 7 Rajkot.
 (Transferor)
 (2) Nirmalaben Meghbhai; 15, Jagnath, Rajkot.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th May 1980

Ref. No. P.R. No. 1026/Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 at Jagnath Sheri No. 15, situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 150-6-0 sq. yds. situated at Jagnath Sheri No. 15, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5355 dated 1-9-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

S.C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 13-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri S. Govarathnam, 104, P.T. Rajan Road, Madurai.

2. Shri S. Venkatarathnam, 12, Sripuram 2nd Street, Rayapettah, Madurai. (Transferor)

(2) Shri P.K. Natarajan Chettiar, 12, Muthu Orani South Bank, Karalkudi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, dated the 29th April, 1980

Ref. No. 5/SEP/79—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 154/1, situated at North Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam (Doc No. 1586/79) on Sept 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or REDACTED

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 1586/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai. Land & Buildings at Door No. 154/1, North Veli Street,

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri F. Venkata Vijayan, 'Castle Wood', Tirunelveli Junction, Tirunelveli.
(Transferor)

(2) Smt. M. Chinthamani Achi, Meenakshi Nilayam, T.P. K. Road, Madurai-43.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras-600 006, dated the 29th April, 1980

Ref. No. 24/SEP/79—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Jawahar Road, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 3288/79) on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 3288/79 JSRO I, Madurai. Land & Buildings at Door No. 22, Jawahar Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date : 29-4-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

36—126GI/80

FORM ITNS

- (1) Shri F. Venkata Vijayan, 'Castlewood', Tinnelveli Junction, Tinnelveli. (Transferor)
- (2) M/s. Chinthamani Investments Private Ltd., No. 7, Andalpuram T.P.K. Road, Madurai-3. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, dated the 29th April, 1980

Ref. No. 25/SEP/79—Whereas I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Jawahar Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 3289/79) on Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Document No. 3289/79 JSRO I, Madurai. Land & Buildings at Door No. 22, Jawahar Road, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 25th April 1980

Ref. No. 27/SEP/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25, situated at Jawahar Road, Gandhinagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Thallakulam. (Doc. No. 3478/79) on Sept. 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. J. Ida, 32, Subramaniapuram 1st Main Road, Madurai.
(Transferor)

(2) Shri S.A.M. Nasirullah, 5/57, East Street, Panaikulam, Ramnad Dt.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 3478/79 S.R.O. Thallakulam, Madurai. Land & Buildings at Door No. 25, Jawahar Road, Gandhinagar, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1980.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, Dated the 29th April, 1980

Ref. No. 30/SEP/79.—Whereas, I, O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, situated at Besant Road, Madurai-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Madurai (Doc. No. 4098/79) on Sept. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. R. Alamelu Ammal, W/o Shri T. Ramasamy Iyengar, 495, K.K. Nagar, Madurai-20.
(Transferor)
- (2) Shri Gulam Husain, S/o Shri Ahamed Sahib, 1B, Jutu Eswarar Koil Lane, Navabathkana Court Street, Madurai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4098/79 S.R.O. Madurai,
Land & Buildings at Door No. 21, Besant Road, Madurai-2.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-4-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS.

Madras-600 006, the 29th April 1980

Ref. No. 32/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 29/1 & 31/1A, situated at Patel Road, Virudhunagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Virudhunagar (Doc. No. 1857/79) on Sept. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Chillies Export House Ltd., 35, M.C.C. Street, Virudhunagar.

(Transferor)

(2) M/s. V.P.S. Ayyemperumal Nadar & Sons, 35, M.C.C. Street, Virudhunagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 1857/79 S.R.O. Virudhunagar.
Land & Compound Wall in T. S. No. 29/1 & T.S. No. 31/1A, Patel Road, Virudhunagar.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 47/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old Door No. 71, situated at (South portion), Sannathi Street, Palani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JESRO I Madras North, (Doc. No. 3708/79) on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G.D. Narendran, No. 121, 5th Street, Padmanabha Nagar, Madras-20.
(Transferor)

(2) Shri M. Kuppusamy Naidu, No. 6, New Dharapuram Road, Palani.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3708/79 JSRO I, Madras North. Land & Buildings at Old Door No. 71 (South portion), Sannathi Street, Palani.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri G.D. Narendran, No. 121, 5th Street, Padmanabha Nagar, Madras-20.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Janakarajan, Door No. 1, New Dharapuram Road, Palani.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, dated the 5th May, 1980

Ref. No. 48/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Old Door No. 71, situated at (North portion), Sannathi Street, Palani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras North, (Doc. No. 3709/79) on Sep. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 3709/79 JSRO I, Madras North Land
Buildings at Old Door No. 71 (North portion) Sannathi Street
Palani.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri G.D. Narendran, No. 121, 5th Street, Padmanaba Nagar, Madras-20.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 5th May 1980

Ref. No. 49/SEP/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71, situated at (Middle portion) Sannathi Street, Palani (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras North (Doc. No. 3710/79) on Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 3710/69 JSRO I, Madras North, Land & Buildings at Door No. 71 (middle portion) Sannathi Street, Palani.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Srinivasa Rao, D. No. 14, State Bank Colony,
Aminjikarai, Madras.
(Transferor)

(2) Shri N. Ashoka, D. No. 96, Seelangapalayam Road,
Komarasamipatty, Salem.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, Dated 5th May 1980

Ref: No. 34/Nov./79--Whereas, J. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5/222, situated at State Bank Colony, Salem Junction Main Road, Salem, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Salem. (Doc. No. 5733/79) on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 5733/79 J. S. R. O. I, Salem.

Land & Buildings at Door No. 5/222, State Bank Colony, Salem Junction Main Road, Salem.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—126GT/80

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Fountain Head Homes (P) Ltd. 24, Haddows Road, Madras-6.
(Transferor)
- (2) M/s. Swathy Constructions (P) Ltd., 36, Godown St., Madras-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, 600006, Dated the 2nd May, 1980

Ref. No. 7566—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 109/1, Haddows situated at Road, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer at T. Nagar (Doc. 1335/79) on September 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and well etc. in R.S. No. 109/1, Haddows Road, Madras.
(Doc. 1335/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, Dated the 2nd May, 1980

Ref. No. 7568—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

32, Khader Nawaz Khan Road, situated at Nungambakkam, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1366/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M. Somasundaram, Secretary, M/s. Aarnad Commercial Co. (P) Ltd., 221, Govindappa Naick St., Madras-600001.
(Transferor)
- (2) R. Kalavathy, W/o. S. Rathinasabapathy, Rep. by R. Sachithanantham Pillai, 1, Third Main Street, United India Colony, Kodambakkam, Madras.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32, Khader Nawaz Road, Nungambakkam, Madras.

(Doc. 1366/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) K Sivasankaran Chettiar, 17, Ramaiacken St., Nungambakkam, Madras
(Transferee)

(2) Harikrishnan and Vasudevan, 13, Kumarappa Mudali St., Nungambakkam, Madras
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS

Madras-600006, the 12th May 1980

Ref. No 7634—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 23, Pushpanagar Main Road, situated at Nungambakkam Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T Nagar, (Doc. 1359/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 23, Pushpanagar Main Road, Nungambakkam, Madras.
(Doc. 1359/79).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 12-5-1980
Sd/-

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No 8715—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S No. 6081/1M/44, situated at Governor Road, Rajagopalapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc 2324/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Murugappa Chettiar Pankajavalli Mahalakshmi, Governor Road, Rajagopalapuram, Pudukottai (Transferor)
- (2) K Ramanathan Selvai, K Lakshmanan Selvai, S/o. Kuppuswamy Selvai, Adambur Village, Aiyantangi Tk. Pudukottai Tk (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at T. S No 6081/1M/44, Governor Road, Rajgopalapuram, Pudukottai. (Doc 2324/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 8.5.1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Mothi Rajagopal, Urumu Dhanalakshmi Vidyalaya Trust, Town Station, Trichy. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, Dated the 8th May 1980

(2) K. Alayundar, S/o. Krishnaswamy, 190, Sub Jail Road, Palakkurai, Trichy. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8759—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38, Anaikatti Maidan, situated at Bheemanager, Trichy-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Trichy (Doc. 4469/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 38, Anaikatti Maidan Bheemanager, Trichy-1.
(Doc. 4469/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) A. Muthiah, A. Alagappan, S/o. Alagappa Chettiar,
Kottayur, Karaikudi Tk.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, Dated the 3rd May 1980

Ref. No. 8760—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27, 11th Cross St., situated at Thillai Nagar, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4826/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 27, 11th Cross St., Thillamagar, Trichy.
(Doc. 4826/79)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) M Gnanamuthu, 53B, N. S. Ramaswamy Iyengar Road, K. K. Pudur, Coimbatore-38. (Transferor)

(2) Smt. K. Shantha W/o P Krishnaswamy, 22, Greystown Coimbatore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No 10330—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

10 Senthil Layout situated at Sanganur Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2599/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Senthil Nagar, Sanganur, Coimbatore.
(Doc. 2599/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) A. C. Babu, Mettupalayam Road, Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. C. B. Kunjappu, 9/108, Sastri Road, Ramnagar, Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10383—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/39, Gopal Street, situated at Saibaba Mission, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 2864/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6/39, Gopal St., Saibaba Mission Coimbatore.

(Doc. 2864/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—116GI/80

Date : 5-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref No. 10397—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/16, V C K. Layout, situated at Trichy Road, Anupperpalayam, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4896/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) P. Gopalakrishnan, 16/9, Theppakulam St., No. 4 Coimbatore. (Transferor)
- (2) V. Balanageswari Ammal, W/o. K. R. Venkatajalam Chettiar, 33/69, Angalamman Koil St, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at No 8/16, V. C. K. Layout Trichy Road, Anupperpalayam, Coimbatore (Doc. 4896/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Hamrun Bi, 19, Mania Thottam, Nawab Hakim Road,
Coimbatore-1.
(Transferor)

(2) Smt. Marathal, Shandy Merchant, 4/59, Nehru St,
Thudiyalur (P.O.), Coimbatore Tk.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10399—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28/30, G. V. D. Layout, situated at Subramaniapuram, Coimbatore-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2629/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28/30, G. V. D. Layout, Subramaniapuram, Coimbatore-40.
(Doc. 2629/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) G. Ramanathan, 76, P. M. Swamy Colony, R. S. Puram, Coimbatore-2.
(Transferor)

(2) Smt. Palaniammal, W/o, Sri Manickam Pillai, 28/76 P. M. Swamy Colony, R. S. Puram, Coimbatore-2.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10401—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/76, Robertson Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2621/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 28/76, Robertson Road, Coimbatore.
(Doc. 2621/79)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) The Anamallais & Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti (PO). (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sree Nagappa Annapoorni Plantations, Waverley Estate, Attakatti (PO). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10405—Whereas— I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. 5A, and 8A, situated at Anamalai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 954/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 5A and 8A, Anamalai.
(Doc. 954/79)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti.
(Transferor)

(2) A. Meenakshi W/o N. Annamalai C/o. Jeya Anna-malai Illam Rangiem (PO) Pudukottai Dt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006 the 5th May 1980

Ref. No. 10405:—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 8A situated at Anamalai (and more fully described schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 955/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 8A Anamalai 20.40 Acres.
(Doc. 955/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) The Anamalais and Nilgiris Plantations Co. Waverley

Estate, Attakatti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006 the 5th May 1980

Ref. No. 10405—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R s. 25,000/- and bearing

S. No. 5A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 956/79) on September 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) N. Annamalai S/o. A. Kumarappa Chettiar and Adopted son of A. Nagappa Chettiar C/o. Jeya Anna-malai Illam, Rangiem (PO) Pudukottai Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 5A Anamalai 17.64 Acres.
(Doc. 956/79)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate Attakatti.

(Transferor)

(2) A. N. Annapoorni Achi W/o. A. Nagappa Chettiar C/o Joya Anamalai Illam, Rangiem (PO) Pudukkottai Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS
Madras-600006 the 5th May 1980

Ref. No. 10405 — Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 8A, Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 957/79 on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 8A Anamalai 22.50 Acres.

(Doc. 957/79).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(RADHA BALAKRISHNAN
COMPENT AUTHORITY
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) The Anamalais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti.

(Transferor)

(2) A. Periakaruppan S/o N. Annamalai Rep. A. Meenakshi C/o. Jeyva Annamalai Illam Rangiem (PO) Pudukkottai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10405 —Whereas I, RADHA BAI AKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 8A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 958/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 8A Anamalai in extent 22.66 Acres.
(Doc. 958/79)RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—126GI/80

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Anamalais and Nilgiris Plantations Co. Waverley Estate, Attakatti (PO).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10405 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

S. No. 5A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 959/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) N. Annamalai C/o Jeya Annamalai Illam Rangam (PO) Pudukkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 5A Anamalai in extent 18.00 Acres. (Doc. 959/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Anamallais and Nilgiris Plantations Co.
ley Estate, Attakatti (PO).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 104059:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 5A Anamalai situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 960/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 5A Anamalai 22.00 Acres.
(Doc. Tess 960/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) E. R. S. B. I. d. nd. yutham Chettiar 149, 150
Big Bazaar St., Dharapuram.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. G. Parthasarathy 149, 150 Big Bazaar St.
Dharapuram.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 5th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10407—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

149 and 150 situated at Big Bazaar St. Dharapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. 3061/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 149 and 150, Big Bazaar St., Dharapuram.
(Doc. 3061/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10413 -Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 197, Nethaji Road, situated at Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4161/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) P. Sankaralingam, K. K. A. Ayed Ahamed Ali, S Angappan S. Sivasami Trustees of K. M. H. jee. Mohomed, 9, Jinnah St., Erode.
(Transferor)
- (2) Dr. Kaliannan Dr. Shanmughavadiu 52, East Car St., Trichengode, Salem Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 197, Nethaji Road, Erode.
(Doc. 5161/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Prem: Sundaram, 120, Park Road, Erode.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10415—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Poosari Chenniappa, situated at Gounder St., Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 3987/79) on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) S. Saraswathi, 5, Kennedy Nilayam N. G. G. O. Colony, Erode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, Poosari Chenniappa Gounder St., Erode.

(Doc. 3987/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10420—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/231C, 231D, 231E, 231F, situated at 231H, Sulur, Tiruppur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sulur (Doc. 1483/79) on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) K. P. Ganapathi Chettiar, G. Subbiah, G. Lakshmanan, G. Ramaswamy, G. Rukmani, M/s. K. P. G. Spinners, 234 and 231C, Trichy Road, Sulur. (Transferor)
- (2) M/s. Sri Lakshmi Durga Mills, 711, Mill Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building etc. Door Nos. 1/231C, 231D, 231E, 231F and 231H, Sulur, Palladam Tk.

(Doc. 1483/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) C. M. Ramamirtham Sayikrishnan, 54, West Thiruvenkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.
(Transferor)

(2) R. Pappayee, W/o K. Rajan, 130E, Balasundaram Layout, Vivekanandar Road, Ramnagar, Coimbatore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10391.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 54, West Thiruvenkataswamy situated at Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4770/79) on September, 1979.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 54, West Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Doc. 4770/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 8-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) C. M. Ramamirtham & Saji Krishnan 54, West Thiruvenkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. : 10391:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

54, West Thiruvenkataswamy situated at Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4769/79) on September, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) K. Rajan, S/o Kamakshi Chettiar, 130E, Balasundaram Ley out Vivekanandar Road, Ramnagar, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 54, West Thiruvenkataswamy St.,
R. S. Puram, Coimbatore
(Doc. 4769/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40—126GT/80

Date : 8-5-1980.

Seal :

FORM ITNS — — —

(f) Sarojini Pandian 26, Tatabad No. 8, Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Noorunnisa, 72, Kumaran Nilayam, Cooncor
Nilgiris.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 10389:- Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 to 6, II St., situated at Cherian Church Road, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Dec. 4799/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3 to 6, II St., Cherian Church Road, Coimbatore.

(Dec. 4799/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 10398;— Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 to 6, II Ind St., situated at Cherian Church Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4800/79) on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sarojin Pandian 26, Tatabad No. 8, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Mahboobkhan, 72, Kamarajapuram, Coonoor. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 3 to 6, II St., Cherian Church Road, Coimbatore.
(Doc. 4800/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

- (1) S. Thir. W/o Dr. P. K. Srinivasan 72, Santhome High Road, Madras.
(Transferor)
- (2) The Glenburn Estates Ltd., Coonoor.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10385:—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/96 and 2/97 situated at Chickad sampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDEULE

Land of 0 75 cents at 2/96 and 2/97, Chickadasampalayam (Doc. 1924/79).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS-- -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras,-600006, the 5th May 1980

No. 10335 :—Whereas, I, RADHABALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32/11, situated at Ponniarajapuram, Rajammal Layout, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4579/79) on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Ponnammal W/o K. C. Mani Assari 32/11, Rajammal Layout, Ponniarajapuram, Coimbatore. (Transferor)
- (2) A. Komaraswamy Chettiar, K. Balasubramanian, K. Somasundaram, K. Manickam, 107, Thiruvenkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 32/11, Ponniarajapuram Coimbatore (Rajammal Layout)
(Doc. 4579/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Pannamal w/o K. C Mani Assari 32/11, Rajj m-
mal Layout, Ponniarajapuram, Coimbatore;
(Transferor)
- (2) A. Komaraswamy Chettiar, K. Balasubramanian,
K. Somasundaram K. Manickam, 107, Thiruven-
kataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 5th May, 1980

Ref. No. 10335 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Ponniarajapuram, situated at Rajammal Layout,
Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
officer at Coimbatore] (Doc. 4358/79) on September, 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferred to
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 32/11, Ponniarajapuram, Rajammal
Layout, Coimbatore.
(Doc. 4358/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 8th May 1980

Ref. No. 10336.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 436/1A, situated at Sowripalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6485/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Rangaray, k1 W/o. G D. mod. r/n 53, V. K. Road, Peelamedu, Coimbatore.
(Transferor)
- (2) V. Saraswathy, W/o. P. Venkatachalam 53E, V. K. Road, Peelamedu, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at S. No. 436/1A, Sowripalayam
(Doc. 4685/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 8-5-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Ammasai Gounder A. Veluswamy, Urumandampalayam, Vellakinar, Coimbatore.
(Transferor)

(2) N. Sundara Bai W/o N. Thanga Kannu 1/317B, Peon Colony, Kavundampalayam Coimbatore 641030.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. : 10332.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanganur, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2660/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 0·63 cents at Sanganur.
(Doc. 2660/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No 10332—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Sanganur Coimbatore, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2661/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Muthuswami Kavunder mrumandampalayam Vellakinar, Coimbatore 1k.
(Transferor)
- (2) T. Krishnavali W/o. P. Karunakaran Pillai Kavundampalayam, Housing Unit 310, Kavundampalayam, Coimbatore 641030.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 0.56 cents at Sanganur
(Doc. 2661/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
41—126GI/80

Date : 5-5-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) U. R. Ramaswamy Gounder, Urumandampalayam,
Vainar, Coimbatore Tk.
(Transferor)
(2) S. Sarada Bai W/o. Paul Raj, 49, Karnam Subiamania
St., Srinivasa Nagar, Coimbatore (Kavundampalayam)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, dated the 5th May 1980

Ref. No. 10332—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanganur Coimbatore, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore (Doc. 2662/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 0.56 cents at Sanganur, Coimbatore
(Doc. 2662/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980
Seal ;

FORM ITNS

(1) Ammasai gounder, Kannimarthottam Ganapathy,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Venkatesa Mudaliar, S/o. Ramaswamy Mudaliar
293, Cross Cut Road, Gandhipuram, Coimbatore-12.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 5th May 1980

Ref. No. 10332—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Ganapathy, Gandhipuram, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2712/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Ganapathy, Coimbatore 11 Cent
(Doc. 2712/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, dated the 12th May, 1980

Ref No. 8720—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Odhiyambattu, Commune, situated at Villiyapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc 1478/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Padmavathy (A) Padmalochani Saraswathy, 208, Mahatma Gandhi St., Pondicherry
(Transferor)
- (2) Deiva Thiuvarul Selvan Deiva Kumaran rep. by Deiva Balasubramanian 163, Thiyyagu Mudalai St., Pondicherry.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Odhiyambattu Commune Villiyapuram (Doc. 1478/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date . 12-5-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Ramaanathan Chandrasekaran No 1, Jeevanandam St ,
Pondicherry
(Transferor)
- (2) Deiva Vijayalakshmi Rep by Deiva Balasubramanian
163, Thivagu Mudhalai St , Pondicherry
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006 dated 12th May 1980

Ref No 8720—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Odhiyambattu, Commune, situated at Villianur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc 1479/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Odhiyambattu, Commune, Villianur (Doc 1479/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Padmavathy (A) Padmalochani Saraswathy 208, Mahatma Gandhi St., Pondicherry.
(Transferor)
- (2) Deiva Perundevi, Minor Deiva Madhavan Rep. by Deiva Balasubramanian 163, Thiyyagu Mudaliar St., Pondicherry.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, dated the 12th May, 1980

Ref. No. 8720—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Villiyur Commune situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 1480/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Land at Villiyur Commune
(Doc. 1480/79)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. Vijayavani Reddy, 18/3, Bellary Road, Palace Upper Orchards, Bangalore-560006.
(Transferor)
- (2) Smt. B. Sesamma, "Chandamama Buildings", Arcot Road, Madras-26.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, dated the 13th May, 1980

Ref. No. 7572—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

32, North Boag Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1446/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32, North Boag Road, Madras-17 (Doc. 1446/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 13-5-80
Gal :

FORM ITNS

- (1) Administrator General & Official Trustee, Tamilnadu, City Civil Court Buildings, Addl. Block Madras-1.
(Transferor)
- (2) Mrs. M. S. Rukmani & others, 1, Venkataraman St., Srinivasa Avenue, Madras-28.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, dated the 8th May, 1980

Ref. No. 7659—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, II Main Road, situated at Gandhi Nagar, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2626/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chapter.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 7, II Main Road, Gandhinagar, Madras-20.
(Doc. 2626/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-80
Seal :

FORM ITNS

- (1) Dr. Raghunath Paní, Qrs. No. IV; R-13; D.S. Flats
Unit IX, Bhubaneswar-7 Orissa.
(Transferor)
- (2) World Union, 44, Rue Des Bassins de Richemont
Pondicherry-605001.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006 the 17th May 1980

Ref. No. 8786—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33, Solaithandavan Road situated at Kuruchikuppam Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 1681/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 33, Solaithandavan Road, Kurichikupam, Pondicherry.

(Doc. 1681/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-5-

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
42—126GI/80

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 21st May 1980

Ref. No. 8805—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 160, 161 and 162 situated at Natesan Nagar, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ozhukkrai (Doc. 975/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) K. Gnanamurthy, K. Ambalathady Arthanathan R. Elambooranan Natesan and Co., 30, First St., Thirumudi Nagar, Pondicherry-11.
(Transferor)
- (2) Madame Leon Marie Angle 41, Saint Thiresc St., Pondicherry-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Plot Nos. 160, 161 and 162, Natesan Nagar, Pondicherry.

(Doc. 975/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-5-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGA-II, MADRAS

Madras-600006, the 21st May 1980

Ref. No. 8804—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 111, 112 and 113, situated at Natesan Nagar, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukkarai (Doc. 976/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) K. Gnanamurthy, K. Ambalathady (A) Ardhathan, R. Etambooranan, 30 First St., Thirumady Nagar, Pondicherry-11.
(Transferor)
- (2) Saminada Marie Arogiam Edward Rep. Amalorpava-marie Saminada Saint Thires St., Pondicherry-11.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Plots No. 111, 112 and 113, Natesan Nagar, Pondicherry.

(Doc. 976/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-5-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Yagnanarayan, 72, Andal St., Teppakulam, Trichy.
(Transferor)

(2) Thangavel S/o Chidambaram Pillai, Thenur T. Kalathur, Thurajiyur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 17th May 1980

Ref. No. 8761—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 82, Raja's Colony, situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4660/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Land and building at 82, Raja's Colony, Trichy.
(Doc. 4660/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sundaram Industries, Karappakkam Village, Madras-96.
(Transferor)

(2) Sri Ayyappan Poly Industries, 31, Krishna Rao Naidu St., Madras-17.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 17th May 1980

Ref. No. 7569—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 147, Karappakkam situated at St. Thomas Mount (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1639/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 147, Karappakkam Village, Madras-96.

(Doc. 1639/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Bharat Chandloke Bhushan 28, First Avenue Shastri Nagar, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. N. Poduval, T 54 A, Besant Nagar, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 17th May 1980

Ref. No. 7561—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, First Avenue, situated at Shastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2264/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 28, 1st Avenue, Shastri Nagar, Madras-20.
(Doc. 2264/79)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006, dated the 20th May 1980

Ref. No. 7564.—Whereas I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 Kasim Sahib Street situated at Royapettah Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1546/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Aisha Bee W/o N. Abdul Kareem
N. Abdul Kareem 11 Kasim Sahib Street
Royapettah Madras.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Reddy S/o Shanker Reddy
19 Pallappan Street Triplicane
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11 Kasim Sahib Street Royapettah Madras.

(Doc. 1546/79).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 20-5-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, dated the 20th May 1980

Ref. No. 7602.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 39 situated at Singarachari Street, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triptilcane (Doc. 761/79) on September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. N. Badami & 14 others,
A-12, C.B.R.I. Colony,
Shastri Nagar,
Roorki (W. P.).

(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshi Kanagasundaram,
A-F12, Sulaiman Court, Jalanthungu
Abdul Rahman, Kuala Lumpur, Malaysia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 39, Singarachari Street, Madras.
(Doc. 761/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 21st May, 1980

Ref No 7625—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Flat 2 Urur Village, situated at Saidapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc 2409/79) on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. Jayachandra Reddy,
K. Katti Reddy, 11, Shenoy Nagar,
Madras-30

(Transferor)

(2) Shri M. Vijalakshmi,
W/o M S K. Vasudevan,
M-6/1, New No 9,
4th Main Road,
Besant Nagar, Madras-90

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Urur Village of extent 79·15 sq. metre
(Doc. 2409/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—126GI/80

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date : 21-5-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1980

Ref. No. A. P. No. 2107.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Beriwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Parshotam
S/o Nanak Chand
S/o Govind Ram,
Through Shri Chander Mohan,
Mamta, Kavita, R/o Beri Wala,
Teh. Kotkapura,

(Transferor)

(2) S/Shri Gurnam Singh,
Mehar Singh and Gurcharan Singh
S/o Gurdit Singh S/o Chanan Singh,
Shop No. 343, Mandi Beri, Wala, Teh.
Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2033 of October 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur,
Date : 21-4-1980
Seal :

FORM IIINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st April 1980

Ref. No. A. P. No. 2108.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at House in Nai Basti Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mansa on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Bir Vohra S/o Shri Ghasita Ram Vohra R/o Mansa Mandi.
(Transferor)
- (2) (i) Master Baljit Singh S/o Shri Bir Singh, Govt. High School for Boys, Mansa.
(ii) Smt. Amrit Parkash Kaur W/o Shri Baljit Singh, Govt. High School for Girls, Mansa.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3269 of December, 1979 of the Registering Authority, Mansa,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th April 1980

Ref. No. A. P. No. 2109.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Gopal Pur, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chander Mahajan
S/o Shri Hans Raj Mahajan,
19-Shakti Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s. Hansford Sporting Goods (P) Ltd.,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5505 of October, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-4-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Saroj Mahajan
W/o Shri Chander Mahajan,
19-Shakti Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) M/s. Hansford Sporting Goods (P) Ltd.,
G.T. Road, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th April 1980

Ref. No. A.P. No. 2110.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gopal Pur, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5506 of October, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1980

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 1st May 1980

Ref. No. A. P. No. 2111.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Mashian, Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Shri Rajinder Kumar S/o Mukund Lal
S/o Shri Karta Ram,
Santosh Rani D/o Shri Tulsi Ram
through Ravinder Bhushan S/o Chander Parkash
Mukhiar-i-am, Zira,
Amarjit Kaur D/o Shri Satnam Singh
R/o Zira, Raja Ram S/o Kirpa Ram,
R/o Moga, Harbans Kaur W/o Harcharan Singh
R/o Talwandi Napala, Teh. Zira.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar, Ashok Kumar,
Shri Vijay Kumar, S/o Shri Hans Raj,
S/o Chuni Lal, Shri Hans Raj S/o Shri Chuni Lal,
S/o Bahadur Mal,
R/o Ferozepur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3751 of September, 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-5-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Gurbir Singh
S/o Sunder Singh,
Vill. Lasara, Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Satpal, Harbans Lal,
Rajinder Kumar SS/o Shri Mohal Lal,
R/o Nangal, Teh. Phillaur,
Through Shri Garib Dass S/o Mehnga Ram,
Vill. Atta, Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2534 of September, 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri Gurba Singh
S/o Shri Sunder Singh,
Vill. Lasara, Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Satpal, Harbans Lal, Rajinder Kumar,
S/o Mohan Lal,
R/o Nangal, Teh. Phillaur
through Smt. Rukmani.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2113.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Lasara Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforementioned exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2673 of September, 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 6-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A. P.No. 2114—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Bhagana Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
44—126GI/80

(1) Shri Assa Singh S/o Dewan Chand and Smt. Surjit Kaur W/o Shri Assa Singh, R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) S/Shri Kandhara Singh, Piara Singh, Malook Singh SS/o Shri Kharak Singh, Vill. Bhagana.

(Transfee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1020 dated September, 1979 of the Registering Authority, Phagwara,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-5-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A.P. No. 211^c Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A^s per Schedule situated at Vill. Naurangshuh Pur Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Jit Singh, Joginder Singh,
S/o Shri Udhamp Singh
R/o Naurang Shah Pur, P. O. Hadia Bad,
Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh S/o Sham Singh,
Vill. Naurang Shah Pur,
P. O. Hadia Bad, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1233 of September, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.
Date : 6/5/1980
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Darshan Singh S/o Nazar Singh,
R/o Rahoorian Wali, Tel., Muktsar.
(Transferor)

(2) (i) Shrimati Usha Rani W/o Shri Ramesh Kumar,
(ii) Shrimati Neelam Rani W/o Shri Vijay Mohan,
C/o M/s. Dip Chand Vijay Mohan,
Ram Bazar, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2116.—Whereas, I, B. S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kishori Lal Street, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muktsar on December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2356 of December, 1979 of the Registering Authority, Muktsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. S. DFHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 6-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May, 1980

Ref. No. A P No 2117 --Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sutehri Road, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Mohan
S/o Shri Ram Nath, Kothi No. 3063,
Sector-27, Chandigarh /
Sutehri Road, Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand S/o Banta Ram,
House No. B-III, 150/4, Sutehri Road,
Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2799 dated September, 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 6-5-1980

Seal :

FORM ITNB—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 6th May, 1980

Ref. No. A. P. No. 2118.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Gali Gogean, Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Milkhi Ram S/o Raji Ram,
S/o Putan Chand,
R/o 262-Ferozepur Road, Ludhiana,
through Shri Ravinder Kumar S/o Bal Krishan
S/o Milkhi Ram Self Mukhuwaram
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Ashwani Kumar,
Ramesh Chander, SS/o Raj Kumar, Zira.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3945 of September, 1979 of the Registering Authority, Zira.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sadhu Singh, S/o Kartar Singh,
Vill. Billi Chahrni, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh Gurmej Singh Sukhwinder Singh,
SS/o Dalip Singh S/o Jhanda Singh,
Vill. Biddanwali, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 8th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2119.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jawahar Market at Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), In the office of the Registering Officer at Shahkot on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1178 of September, 1979 of the Registering Authority, Shahkot.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-5-1980
Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th May, 1980

Ref. No. 'A. P. No 2120 —Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 52,000/- and bearing No

As per schedule situated at Vill. Ladhana Jhikka, Teh. Nawanshar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshar on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Rattan Singh S/o Maya Singh, R/o Villi Ladhana Jhikka, Teh. Nawanshar. (Transferor)
- (2) S/SRH
 - (i) Prem Singh S/o Maya Singh,
 - (ii) Avtar Singh, Bahadur Singh SS/o Shri Gurdev Singh,
 - (iii) Bishna S/o Shri Prem Singh, R/o Vill. Ladhana Jhikka Teh. Nawanshahr. (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3210 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Nawanshar

B. S DEIIYIA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-5-1980
 Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2121.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing ~~,

As per Schedule situated at Mohalla Mohna, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh S/o Maha Singh,
S/o Bhag Singh, R/o Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Shri Bishan Dass S/o Dayal Dass,
S/o Bhana Ram, 2239, Mehma Mohalla,
Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 332, of October, 1979 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 11-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radha Kishan S/o Chhaju Ram,
R/o 80-R, Model Town, Jullundur.
(Since Expired).

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur W/o Gurmail Singh,
80-R, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May, 1980

Ref. No. A. P. No. 2122.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Koti No 80-R, Model Town, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 4467 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980
S: al :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
45—12601/80

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1980

Ref. No. A.P. 2123.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kothi No. 80-R, Model Town Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Radha Kishan S/o Chhaju Ram,
R/o 80-R, Model Town, Jullundur.
(Since Expired).
(Transferor)
- (2) Shrimati Gurmej Kaur W/o Shri Mohinder Singh,
R/o 80-R, Model Town, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4438 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur,

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, dated the 14th May, 1980

Ref. No. A.P. No. 2124.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at House No. WN-151 (B-XI-45) Basti Danish Mandan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Singh S/o Narain Singh, R/o WN-151, Basti Danish Mandan, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Balbir Kaur W/o Ram Singh, R/o WN-151, Basti Danish Mandan, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5054 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May, 1980

Ref. No. A.P. No. 2125.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Sunny Side, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Martand Singh S/o Karmjit Singh
Self attorney of Shri Aruna Singh Bhai,
Sunny side, The Mall, Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar, Sunil Kumar,
SS/o Shri Husan Lal, Opp. to D.C.'s Bungalow,
Jullundur Road, Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1904 of September, 1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-5-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May, 1980

Ref. No. A.P. No. 2126.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at New Grain Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sarsavti Devi
 Wd/o Parmar Nand,
 EQ-36, Pucca Bagh,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Chand Rani
 W/o Kishori Lal
 of 104 New Grain Market,
 Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4477 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, Jullundur.,

Date : 14-5-1980
 Date:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 14th May 1980

Ref. No. A. P. No. 2127.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Circular Road near Balmiki Gate, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brij Mohan S/o Ram Chand
New Lakshmi Pura,
Plot No. 1, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Ramma Rani W/o Shri Harbans Lal Pami,
NK-422/423, Jatpura,
Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4937 of September, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th May, 1980

Ref. No. A. P. No. 2128.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Plot No. 14, Industrial Area Phagwara

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Amar Singh
S/o Ram Dhan,
R/o G. T. Road, Phagwara.
(Transferor)
- (2) M/s. Shri Ganesh Rice Dal & General Mills,
Plot No. 14, Industrial Area,
Phagwara
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1159 of September, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-5-1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th May 1980

Ref No A P No 2129—Whereas, I, J S AHLUWALIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Plot No 14, Industrial Area, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh
 S/o Ram Dhan,
 R/o G. T Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) M/s Shri Ganesh Rice, Dal & General Mills,
 Plot No. 14, Industrial Area,
 Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 1470 of November, 1979 of the Registering Authority Phagwara.

J. S AHLUWALIA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date 16-5-1980

Seal :

FORM IIIS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SNG/51-A/Comp./79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land measuring 2 Bighas 13 Biswas 3 Biswanisis situated at Vill. Kambo Majra Khurd. Teh. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Sucha Singh
 s/o Shri Khushal Singh,
 r/o Kambo Majra Khurd,
 Distt. Sangrur.

(Transfer)

(2) Shri Bhajan Singh,
 s/o Shri Hari Singh,
 r/o Vill. Kambo Majra Khurd,
 Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2-B-13-B-3B Pakka situated in Village Kambo Majra Khurd Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered Sale deed No. 1720 of September, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
 46—126GI/80

Date : 15-5-1980
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No Ludhiana/362/79-80 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Share in Building No B-XIX-909/2 situated at Tagore Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Jai Deep Singh (Minor)
s/o Shatru Duman Singh
through Barjinder S D Singh Mother and Guardian
r/o 73, Sector No 9-D,
Chandigarh (Transferor)
- (2) Smt Ranjodh Kaur
W/o Dr Abchal Singh
1/o Kaslana Building, Rajputa Road,
Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Share in Building No B-XIX-909/2, measuring 200 Sq yds situated in Tagore Nagar, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2929 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana
Date 15-5-1980
Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. Patiala/423/79-80/Comp.— Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No 318/3, situated at Pheel Khanna Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ishar Singh s/o Shri Harnam Singh through General Attorney
Sh. Ranjit Singh s/o Shri Ishar Singh,
r/o Guru Nanak Gali, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Kahala Singh,
r/o Chandni Chowk, Bahera Road,
Patiala and
Shri Jaswant Singh s/o Shri Sadhu Singh,
r/o Lower Mall Road, Patiala.
(Transferee)
- (3) (1) Shri Surjit Singh Mistri
s/o Shri Kirpal Singh,
1/o 270/3, Chandni Chowk, Patiala, or
H. No. 318/3, Pheel Khanna Road, Patiala.
(2) Smt. Kesar Kaur w/o Shri Ishar Singh
Guru Nanak Gali, Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 318/3, situated in Pheel Khanna Road, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3270 of September, 1979 of the Registering Authority, Patiala.).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. Chandigarh/233/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1345, Sector 34C, situated at Sector 34C, Chandigarh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Aq. Ldr. Ashok Kumar Setia
S/o Shri Balraj Krishan Setia,
R/o 36/35, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sadhu Singh,
S/o Shri Norata Singh,
V. & P. O. Gharuan, Tehsil Kharar,
Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1345, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1362 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980
Seal :

NOTIFICATIONS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. Chandigarh/219/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 54, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Balram Dutt S/o Shri Bodh Raj Dutt, 178D, Jhilmil Colony, Shahdra, Delhi-32 through his general power of attorney
Smt. Parvesh Baboota w/o Shri Mangat Rai Baboota, R/o 1267, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwari Dass Bhandari S/o Shri Babu Lal Bhandari, r/o House No. 2175, Sector 27C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 54, Sector 33A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1256 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Capt. Dwarka Npht Anand s/o Sh. Hira Nand Anand, B-72-A, Shakarpur Extension, Delhi-51.
(Transferor)

(2) Sh. Hazara Singh s/o Sh. Chhota Singh r/o 1145, Sector 34-C, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/221/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1145, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1145, situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1269 of September, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No DBS/64/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 70 bighas situated at Village Bartana, S Teh Dera Bassi, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Sardar Singh alias Sardara Singh, Ajaib Singh, Babu Singh, Labh Singh alias Bhag Singh S/o Sh. Munsha Singh, R/o Bartana, S Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Sewa Singh, S/o Sh. Joginder Singh & Shri Harcharan Singh S/o Shri Arun Singh R/o Mani Majra, U T Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 70 bighas as Bartana, S Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala (The property as mentioned in the sale deed No 810 of October, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM JTNS

(1) Sh. Hans Raj, Kulwant Singh s/o Sh. Pritam Singh
r/o Near Grain Market, Malekotla Road, Nabha.
(Transferor)

(2) Sh. Walaiti Ram s/o Sh. Ramji Dass, Kewal Krishan
s/o Sh. Walaiti Ram r/o B.K.O. Navin Basti, Near
Cinema Road, Nabha.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. NBA/140/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 4 kanals 5 marlas situated at Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 5 marlas situated in Nabha.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1550 of September, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May, 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/234/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 1868, Sector 22-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
47—126GI/80

(1) Sh. Mohan Lal s/o Sh. Shiv Saran Dass r/o 124/2, Lower Mall, Simla.
(Transferor)

(2) Sh. Daljit Kumar Khullar s/o Sh. Harbans Lal Khullar, H. No. 1868, Sector 22-B, Chandigarh.
(Transferee)

(3) Sh. Semson Bernard Mr. Nand Lal r/o H. No. 1868, Sector 22-B, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1868 situated in Sector 22-B, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1372 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. AML/94/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 Bighas 12 Biswas situated at Vill. Nasrali S. Teh. Amloh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Harchand Singh s/o Sh. Thakar Singh r/o Vill. Nasrali S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Mehar Singh, 2. Sh. Pritam Singh, 3. Shinder Singh, 4. Sh. Ram Singh sons of Sh. Gurdial Singh; 5. Sh. Sher Singh, 6. Sh. Kehar Singh ss/o Sh. Achhra Singh r/o Rasuldra Teh. Samrala c/o Guru Angad Steel Inds. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land measuring 2 bighas 12 biswas situated in Vill. Nasrali S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 1099 of September, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980

Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May, 1980

Ref. No. CHD/265/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 81, Sector 33-A, Situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1. Capt. Harnam Singh Gadhoke S/o Krishan Singh Gadhoke r/o B-1/53-1, Safdar Jang Enclave, New Delhi-16.

(Transferor)

2. Sh. Ashok Kumar Sachdeva s/o Raj Kumar Sachdeva H. No. 1175, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 81, situated in Sector 33-A, Chandigarh.
 (The property as mentioned in the Registered Sale deed No. 1645 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1980
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May, 1980

Ref. No. CHD/244/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 2404, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Jagjit Singh Bhalla s/o Sh. M. S. Bhalla r/o 170/3, CVD Lines, Delhi Cantt. through his special attorney Sh. Prem Sagar Bhatia s/o Sh. Balbir Singh Bhatia, r/o 3592, Sector 35-D, Chandigarh. (Transferee)
- (2) Dr. Balbir Singh Bhatia s/o Sh. Daulat Ram Bhatia, r/o H. No. 2404, Sector 35-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2404, situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 1422 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May, 1980

Seal

FORM ITNS

(1) Sh. Narinder Singh s/o Sh. Kartar Singh,
r/o 40-F, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Kartar Singh Atwal s/o Sh. Kabal Singh r/o Basant
Villa, Diwan Nihal Chand Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LIH/353/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 38 - F situated at Sarbha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 38-F, situated in Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2870 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May 1980
Seal ;

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/241/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2509, Sector 35-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Group Capt. G. J. Shaw s/o Sh. Rev. G. J. Shaw r/o J-87 Saket Malvia Nagar Extension, New Delhi, (Transferor)
- (2) S. Joginder Singh Lehal s/o Jiwa Singh and (ii) Smt. Daljinder Kaur Lehal w/o Sh. Joginder Singh Lehal r/o H. No. 2621 Sector 22-C, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2509, situated in Sector 35-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1415 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/215/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3264, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the scheduled annex) hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ram Puri wd/o Late Sh. B. L. Ahuja, (ii) Sh. Kailash Chander Ahuja, (iii) Sh. Ashok Kumar Ahuja ss/o Sh. B. L. Ahuja and Mrs. Kamlesh Chawala w/o Sh. S. P. Chawala and Sh. P. K. Ahuja s/o Sh. B. L. Ahuja for Self and General Attorney of Other r/o SCF No. 101, Grain Market Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Walait Raj s/o Sh. Haveli Ram & Smt. Krishna Rani w/o Sh. Walait Raj r/o 3328, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3264, measuring 253.5 Sq. yds. situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1231, of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May 1980
Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jasjit Singh s/o Shri Darbara Singh, V&PO Khurd-pur, Distt. Jullundur through special power of attorney Sh. Jagtar Singh, r/o House No. 3371, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Harminder W/o Sh. Jagtar Singh R/o Udaipur, South Tripura through her special power of attorney Brig. M. S. Grewal S/o Sh. Surjan Singh r/o House No. 1054, Sector 27B, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May, 1980

Ref. No. CHD/232-79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 2317, situated at Sector 35C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 2317, Sector 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1356 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Raj Pal s/o Labhu Ram r/o Girson Mill Ferozpur Road, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/380/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-XX/611/C, Gurdev Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Chuni Lal s/o Baja Ram, Jaga Ram s/o Sh. Kesar Ram, Gulu Ram s/o Haryana Ram, Gurmukh Singh, Karam Singh, Shangre Ram s/o Moti Ram, Girdhari Lal s/o Malik Chand, Puram Chand s/o Khushal Chander, Jai Lal Ram s/o Kirpa Ram Sultan Ram s/o Sh. Lal Singh, Kharti Ram s/o Sh. Sardari Lal, Sula Ram s/o Kirpa Ram r/o 101/1 Jawahar Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B-XX/611/c, Gurdev Nagar, Taraf Kara Bara, Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3042 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
48—126 GI/80

FORM ITNS

- (1) Kanwar Tara Singh, Advocate, New Lands, Simla.
(No. W. H. No. 56, Sector 10-A, Chandigarh).
(Transferor)
- (2) Smt. Aruna Oberio w/o Sh. R. P. Oberio, r/o Grant Lodge, Benmore, Simla-2.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SML/52/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 370·6 Sq. yds. in North Bank Estate, Circular Road, Station Ward, situated at Simla, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 370·6 Sq. yds. situated in North Bank Estate, Circular Road, Simla
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 103 of February, 1980 of the Registering Authority, Simla.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/243/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3089, Sector 21-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. G. S. Sardana s/o Sh. J. R. Sardana r/o 3089, Sector 21-D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) (i) Sh. Piara Lal s/o Sh. Pannu Ram, (ii) Smt. Swaran Kaur w/o Sh. Piara Lal through Sh. Hazara Ram, r/o 1300, Sector 18-C, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Sh. S. K. Sareen, r/o 3089, Sector 21-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 3089 situated in Sector 21-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1421 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/240/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 135, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to instrument of transfer with the object of :—
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Capt. Chaman Lal Nagpal s/o Sh. Krishan Lal Nagpal, r/o 1013, Sector 18-C, Chandigarh through his general power of attorney Smt. Kamlesh Singh w/o Sh. Sohan Lal Singla, r/o 1148, Sector 34-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Ram Lal s/o Sh. Charanjit Lal r/o 1023, Sector 36-B, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1351 (measuring 338 Sq. yds.) situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1402 of September, 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th May, 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/248/79-80.—Whereas I, **SUKHDEV CHAND**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1255 situated at Sector 33-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. D. C. Malik s/o Sh. Sahib Ram Malik, INS. Himgiri c/o FMO Bombay-I through His attorney Sh. Kameshwar Parshad Nautiyal s/o Sh. P. D. Nautiyal r/o H. No. 3054, Sec. 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Nautiyal w/o Sh. Kameshwar Parshad Nautiyal, r/o 3054, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri V. S. Datta, r/o 1255/33-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

(4) 1. Sh. Surat Singh, 2. Smt. Indra Devi w/o Sh. Surat Singh Rawat, r/o 3054, Sector 27-D, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1255, Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1449, of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May, 1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(1) Lt. Col. Nihal Singh Choudhry s/o Choudhry Kehri Singh r/o A-4 Ring Road, Naraina, New Delhi, through Spl. Attorney Sh. Mehar Chand Mittal s/o Sh. Thakaur Lal r/o H. No. 158, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dev Raj Bansal s/o Lala Siri Ram, r/o H. No. 2156, Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/247/79-80/—Whereas I, SUKHDEV Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2156, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2156 situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1448 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th May, 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/339-A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. BXX-653/2, measuring 2000 Sq. yds situated at Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana Pakhowal Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntla Rani Dhanda w/o Sh. Mangat Rai Dhanda (ii) Smt. Prem Dhanda w/o Sh. Balkrishan Dhanda t/o BXY-653/2, Pakhowal Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sh. Jawahar Lal Jain (J. L. Jain) s/o Sh. Hem Raj Karta HUF, 2 Smt. Vinta Jain w/o Sh. Jawahar Lal Jain, r/o B-XXX/152-2, Seth Sohan Lal, Lane, Maharani Jhansi Road, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. BXY-653/2, measuring 2000 Sq. yds situated at Taraf Kara Bara Teh Ludhiana on Pakhowal Road

(The property as mentioned in the Regd. Deed No. 2794 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May, 1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ujagar Singh S/o Shri Sardar Singh, 72/H, Block, Sri Gangā Nagar (Rajasthan). (Transferor)

(2) Smt. Santosh Mittal W/o Sh. Prem Chand Mittal C/o M/s Das Raj Ashok Kumar, Cloth Merchant, Main Bazar, Tohana, Distt. Hissar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. CHD/242/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1658 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1658 Sector 34D Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1417 of
Sept. 1979 of the Registering Authority Chandigarh). .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15th May, 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANA
Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/427/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

Plot measuring 480 Sq. yds. situated Taraf Gahelawal Near Major Gurdial Singh Road Civil Lines situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Moti Ram s/o Sh. Mamu Mal s/o Atma Ram c/o Agarwal Iron & Steel Corp. Overlock Road, Miller Ganj, Ludhiana, through Jyoti Parsad Goyal s/o Sh. Sham Lal Goyal r/o 1835/3 Raghbir Majra Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar s/o Sh. Amrik Ram s/o Sh. Tilak Ram r/o H. No. B-10-373, Rahim Taula Road Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 480 Sq. yds. situated Taraf Gahelawal near Major Gurdial Singh Road Civil Lines Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3379 of October 1979 of the Registering Authority Ludhiana)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

49—126 GI/80

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Ludhiana.

Date 12th May 1980
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Darsinder Singh s/o Sh. Avtar Singh spl. Attorney
Sh. Pritpal Singh son and Smt. Parkash Kaur w/o Sh.
Avtar Singh r/o Block 60 Sirganga Nagar (Rajasthan).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. RAI/113/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3 measuring 833 1/3 Sq. yds. situated at Township No. 2 Rajpura Township (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rojaura in September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3 (measuring 833 1/3 Sq. yds) at Township No. 2 Rajpura Township.

(The property as mentioned in the Sale deed No. 2181 of September 1979 of the Registering Authority Rajpura).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 20th May 1980

Ref. No. CHD/237/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 3-0 Bighas alongwith the building erected thereon in Village situated at Palsora U.T. Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Brig. Joginder Singh Dhillon s/o Sh. Chanchal Singh House No. 659 Sector 16-D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Labh Singh s/o Shri Niranjan Singh r/o VPO Badheri U.T. Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Sh. Mcwa Singh Milk-Vendor
2. Sh. Ujjagur Singh r/o H. No. 11 Vill. Palsora U.T. Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3-0 Bighas alongwith the building situated in Vill. Palsora U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1390 of September 79, of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Col. Swamberjit Singh s/o Sh. Anup Singh r/o L-46 Kalkaji New Delhi through Spl Power of Attorney Sh. Sukhdev Bhatwa Village Bhaura Distt. Ludhiana.
(Transferor)

(2) Sh. Mulkh Raj Thind s/o Sh. Rakha Ram C-156 Daya Nand Marg Jaipur (Rajasthan).
(Transferee)

(3) Sh. Gurmail Singh Bhatwa Executive Engineer, C.P. Division 548-33B Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/246/79-80)—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 548 sector 33-B Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 548 measuring 1014 Sq. yds. situated in Sector 33-B Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1443 of September 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th May 1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/413/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1926 Sector 34-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Mehmood Singh s/o Sh. Ram Singh through his Attorney Sh. Jagdip Singh Randhawa s/o Sh. Harsa Singh r/o 1395 Sector 23-B Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Kashmir Singh Bhullar s/o Sh. Sukhchain Singh Sub-Divisional Magistrate (Judicial) Fazilka (Pb).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1926 Sector 34-D Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2150 of January 1980 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15th May 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Amar Sirjeet Singh s/o Sh. Sint Singh V.P.O. Malaud
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1980

Ref. No. CHD/217/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 2851 Sector 22-C situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Sh. Kahan Chand Nayyar s/o Sh. Hukam Chand r/o 2851 Sector 22-C Chandigarh.

2. Sh. Ramesh Chander Nighawan s/o Sh. Madan Gopal r/o 2760 Sector 22-C Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Kundan Lal Narula Sh. Madan Lal Sethi R/o H. No. 2851 Sector 22-C Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 2851, situated in Sector 22-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1253 of September 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10th May, 1980
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/220/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1550 Sector 36-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brig. K. K. Kaul s/o Lt. Pt. J. M. Kaul through Spl. Attorney of Sh. B. S. Gill r/o 1550/36-D Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Kundan Singh s/o Sh. Ujjagar Singh r/o Vill. Dadupur P.O. Majitha Amritsar Now 1550 Sector 36-D Chandigarh. (Transferee)
- (3) Mrs. Meria Student Sh. B. S. Gill and Sh. Gurdial Singh of Brooke Bond Tea Co. All r/o 1550 Sector 36-D Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1550 (measuring 1014 Sq. yds.) situated in Sector 36-D Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered Deed No 1265 of September 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhian .

Date : 15th May 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/294/79-80/—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCO 198 Sector 7-C Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Manohar Lal s/o Sh. Lorinda Ram and Sh. Mohinder Kumar s/o Sh. Kegha Ram r/o 11 Sector 15-A Chandigarh.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Abd il Hafiz Mohammed Hanif Sayhid Ahmed Mohammed Anis s/o Abdul Gafoor SCO 198 Sector 7-C Chandigarh.
(Transferee)
- (3) M/s. Novelty Backery S.C.O. No. 198-7C Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SCO No. 198 situated in Sector 7C Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1710 of November 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15th May 1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Vinod Kumar S/o Hukam Chand S/o Tulsi Ram C/o Tulsi Ram Hukam Chand Kalyana Merchants Phool Bazar, Rampura.
(Transferor)
- (2) Dr Mrs Kamlesh Jindle W/o Dr. S. K. Jindle, Jindle Clinic, Satia Bazar, Rampura.
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 17th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2144—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Satia Bazar Rampura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phool on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2084 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Phool.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17th June 1980

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

Acquisition Range, Cochin

Cochin-682016, dated 12th May 1980

Ref. L. C. 411/80-81:—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calicut on 26-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Sri. Balakrishnan Nair,
(ii) Smt. Sarada Amma,
Puthen Veetil, Kasaba Amsom P. a. Calicut
(Transferors)

(2) (i) Sri P. P. Aydroo Haji,
(ii) Sri Basulu,
Vylathur Amsom Desam, Chavaghat.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.



THE SCHEDULE

Property as mentioned in the schedule attached to document No. 1007/79.

T. Z. MANI,
COMPETENT AUTHORITY
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam)

Date : 12-5-1980.
Seal :